एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा- नौसेना के पास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव-06

अक्टूबर में वृद्धि दर सुस्त पड़कर 0.4 प्रतिशत पर आई, आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर-10

एस जयशंकर बोले- जैविक हथियार की चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत-11

कोच ने की तारीफ कहा- फिटनेस और फॉर्म बरकरार विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता-12


6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

# अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 8, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये


# संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

**शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा**

**सदन में गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित**

**हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए**

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता के लिए बधाई दीं।

संसद सत्र की कार्रवाई के पहले दिन मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरेन रीजीजू। ● एजेंसी

### सरकार एसआईआर पर चर्चा के खिलाफ नहीं : रीजीजू

**नई दिल्ली।** संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर कहा कि वह एसआईआर पर चर्चा के समय के लिए शर्त नहीं रखे।

### विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' व 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पेश किया। सुबह 11 बजे सदन की बैठक राष्ट्रगान की धुन के साथ शुरू हुई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बिरला ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद जैसे ही उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया, कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर समेत कुछ मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए अपने स्थानों पर खड़े हो गए। कुछ सदस्य आसन के समीप आ गए। बिरला ने कार्यवाही चलने देने की अपील की। वहीं सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए थे।

### सदन की लक्ष्मण रेखा का पालन करें सदस्य : राधाकृष्णन

**नई दिल्ली।** राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित लक्ष्मण रेखा का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया।

### तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा में शपथ ली

**नई दिल्ली।** केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित तीन सदस्यों को सोमवार को सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन शपथ दिलाई। चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय समेत तीनों सदस्य सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेस के हैं।

### रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंचीं, विवाद खड़ा हुआ

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है।

## न्यूज ब्रीफ

### सीमा पर 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए: बीएसएफ

**कोलकाता।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा। सुरक्षा बल ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की।

### वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

**नई दिल्ली।** विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5 .4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133 .75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676 .77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह तीसरी मासिक वृद्धि है। एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3 .3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

# पराली जलाने को दोष नहीं दे सकते वायु प्रदूषण के कई अन्य कारक

- **शीर्ष कोर्ट ने कहा- प्रदूषण संकट पर सर्दियों में केवल रस्मी सुनवाई नहीं, नियमित निगरानी की जरूरत**
- **अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के के लिए महीने में दो बार होगी सुनवाई**

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई को केवल सर्दियों के महीनों में 'रस्मी' सुनवाई के तौर पर नहीं देखा जा सकता है, और इस समस्या के अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए महीने में दो बार सुनवाई की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सामान्य विमर्श में एक अहम बदलाव करते हुए कहा, पराली जलाने का मुद्दा अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा या अहम का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाने को मुख्य कारण बताए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोविड के दौरान पराली जलाई जा रही थी, लेकिन फिर भी लोगों को साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था? इससे ज्ञात होता है कि इसके पीछे अन्य कारक भी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के स्वयं का पैतृक निवास हरियाणा के हिसार में स्थित है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम पराली जलाने पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि इसका बोझ उन लोगों (किसानों) पर डालना गलत है, जिनका इस न्यायालय में बहुत कम प्रतिनिधित्व है। प्रधान न्यायाधीश ने तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों में स्पष्टता की मांग करते हुए केंद्र से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य के विशिष्ट कदमों को बताने को कहा ताकि वह जान सके कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिये क्या अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की।

### डिजिटल अरेस्ट मामलों में तुरंत एक्शन ले सीबीआई

**नई दिल्ली।** शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और आरबीआई से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित गैर-राजग शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वत: संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं।

# पछुआ पवन ने ठिठुराया प्रदेश में गिरा तापमान

**लखनऊ।** प्रदेश में पछुआ पवन के चलते तापमान तेजी से गिर रहा है। कई जिलों में सोमवार को मौसम बदला है, लखनऊ, कानपुर, इटावा, बरेली में मध्यम शीतलहर की स्थिति है। इस बीच कई शहरों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। वहीं, चक्रवात दित्वाह के असर से कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की भी आशंका है।

- **कई जिलों में बदला मौसम, कानपुर, इटावा, बरेली में शीतलहर**

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब पछुआ हवा की रफ्तार बढ़ेगी और ठंड का प्रभाव तेजी पकड़ेगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में सक्रिय रहे दो पश्चिमी विक्षोभ अपना प्रभाव खो चुके हैं। जिसके चलते प्रदेश में ठंडी और सूखी पछुआ, उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेज होने लगी हैं। अगले तीन-चार दिनों में तापमान में 2 से 4 सेल्सियस तक गिरावट की संभावना है। जिसके साथ ठिठुरन और कोहरे का असर दिखेगा।

लखनऊ में हवा के झोंकों में ठंडक तेज रही और दोपहर में भी हल्की सिहरन महसूस होती रही। आने वाले दिनों में सुबह और शाम दोनों समय ठंड और गलन का असर साफ महसूस होगा। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता की बात करें तो रविवार रात सात बजे एक्यूआई 200 के पार दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए खराब श्रेणी में आता है। बरेली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मुरादाबाद में सोमवार को न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# शेरगढ़-शाही मार्ग पर दिनदहाड़े सर्राफ से 8 लाख की लूट

संवाददाता, शेरगढ़

**अमृत विचार।** शेरगढ़-शाही मार्ग पर शनिवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दुकान बंद कर घर लौट रहे सर्राफ पर छह बाइक सवार हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों ने बाइक में टक्कर मारकर गिराने के बाद फायरिंग करके सर्राफ को तमंचों के बटों से पीटा और आठ लाख मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात तथा 27 हजार रुपये नकद लूटकर फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और साप्ताहिक बाजार में भगदड़ का माहौल बन गया। पुलिस ने सर्राफ को मेडिकल कराने भेजा। सूचना पर एसएसपी और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की हैं। कस्बा शाही के मोहल्ला ठाकुरद्वारा निवासी सुभाष रस्तोगी नगरिया सोबरनी के चौधरी मार्केट में सर्राफा की दुकान चलाते हैं। वह सोमवार की शाम 4:30 बजे दुकान बंद करके बाइक से घर लौट रहे थे। सर्राफ ने पुलिस को बताया कि जैसे ही गांव कुड़का स्थित ईंट भट्टे के पास पहुंचे तभी दो बाइकों पर आए छह नकाबपोशों ने उनकी बाइक गिराकर उन्हें रोक लिया। इस दौरान आरोपियों ने दो राउंड फायरिंग की और सर्राफ की जमकर पिटाई की। बदमाश 4.5 किलोग्राम चांदी, 25 ग्राम सोना और नकदी समेत लगभग आठ लाख रुपये के जेवरात लूट ले गए। सराफ ने पुलिस को कॉल करके वारदात की सूचना दी। एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा समेत अन्य अधिकारियों ने जांच के बाद सर्राफ से बात की। (संबंधित पेज 5 पर)

जांच करती पुलिस टीम।

- **दो बाइकों पर सवार नकाबपोशों ने सर्राफ की बाइक को गिराकर रोका, बटों से पीटा, लूट के बाद की फायरिंग**

घटना के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। जिसमें एक सीओ बहेड़ी, एसएचओ शेरगढ़ और एसओजी के साथ सर्विलांस की टीम को लगाया है। जल्द ही घटना का खुलासा करके आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। - **अनुराग आर्य**, एसएसपी

# आचार संहिता को कानूनी रूप से लागू करने में आएगी रुकावट

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विधि आयोग ने संसद की संयुक्त समिति को दी अपनी राय**

विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए कानून लाने से चुनावों के दौरान इसके क्रियान्वयन में रुकावट आएगी और हो सकता है कि निर्वाचन आयोग की शक्ति कम हो जाए, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय पर चुनाव कराने के अनुकूल नहीं होगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों का अध्ययन कर रही संसद की संयुक्त समिति को दी गई अपनी राय में, विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की 'सबसे बड़ी ताकत' इसकी तेजी से सुधार करने की क्षमता में है। उसने कहा, चुनाव सख्ती से समय पालन करते हुए होते हैं, जिसके कारण उल्लंघन पर कुछ दिन या घंटों के भीतर ही ध्यान देना होता है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई ही न हो सके।

### 2001 में भी आयोग ने ऐसा ही पक्ष रखा था

आयोग ने चेतावनी दी कि फैसले की प्रक्रिया हमेशा तेज, निर्णायक और असल कार्रवाई की जरूरत को पूरा नहीं कर सकती। आयोग के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि 2001 के आसपास, जब आयोग से चुनाव सुधार के बारे में पूछा गया था, तो उसने ऐसा ही पक्ष रखा था। आयोग ने कहा कि मौजूदा प्रणाली ईसी को अनुच्छेद 324 के तहत अपनी संपूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करके बिना प्रक्रियागत देरी के समय पर दखल देने की इजाजत देती है।

# एनआईए ने खंगाला डॉ. शाहीन का घर पिता व भाई से पूछताछ

**नई दिल्ली/लखनऊ।** दिल्ली धमाके की मास्टर माइंड डॉ. शाहीन शाहिद के लखनऊ आवास पर सोमवार को एनआईए की टीम पहुंची। टीम ने छह घंटे घर की तलाशी ली। वहीं, भाई व पिता से पूछताछ की। इस दौरान कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त कर साथ ले गई। इलाके में भारी पुलिस तैनात कर दिया गया था।

**कश्मीर में छापे:** टीम ने पुलवामा, शोपियां और कुलगाम में कई जगह छापेमारी की। शोपियां में मौलवी वागे के आवास पर छापा मारा। वागे का नाम कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल में लोगों की शामिल करने के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में उभरा है।

**निर्देश** | मुख्यमंत्री योगी ने कहा- धान उठान, मिल मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

# धान खरीद के बाद भुगतान में देरी नहीं करेंगे बर्दाश्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **1,984 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर, सीएम ने सभी किसानों का धान खरीदने का दिया निर्देश**

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए। चेतावनी दी कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आवास पर शासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 रुपये और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

**आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति के निर्देश :** मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

### खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए

बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

### धान क्रय केंद्रों की संख्या होगी 5 हजार

राज्य कुल 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025



## न्यूज ब्रीफ

### कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना की संशोधित समय-सारिणी जारी

**अमृत विचार, लखनऊ :** वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़ा वर्ग युवाओं के लिए संचालित ओ लेवल और सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के दूसरे चरण की समय-सारिणी में संशोधन किया गया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 20 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक प्रशिक्षणार्थी दोनों पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वे अपनी आवेदन प्रति एवं सभी आवश्यक अभिलेख निर्धारित तिथि तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के कार्यालय में जमा करेंगे। निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण डॉ. वन्दना वर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर तय प्रक्रिया के बाद चयनित लाभार्थियों को सत्यापित कर डिजिटली लॉक करना तथा शेष प्रशिक्षणार्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार करते हुए चयनित, प्रतीक्षासूची पर जिला स्तरीय चयन समिति का अनुमोदन 05 से 09 दिसम्बर तक किया जाएगा।

### बेरोजगार युवाओं को आईटीआई रोजगार मेले में अवश्य बुलाएं

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप्र. कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिया है कि पिछले तीन वर्षों में प्रशिक्षित ऐसे युवाओं का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया जाए जिन्हें अब तक रोजगार प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे सभी युवाओं की हर माह 21 तारीख को आईटीआई में आयोजित रोजगार मेले में अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें उपलब्ध अवसरों का लाभ मिल सके। मिशन निदेशक ने निर्देशित किया कि सभी मंडलों में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता 10 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। प्रतियोगिता बाद प्रत्येक कौशल क्षेत्र से अवरोही क्रम में पांच-पांच पात्र अभ्यर्थियों के नाम मिशन कार्यालय को उपलब्ध कराए जाएं।

### हापुड़ में खेत में एक सूटकेस से महिला का कंकाल मिला

**हापुड़,एजेंसी :** जिले के पिलखुवा इलाके में गन्ने के खेत में लावारिस हालत में पड़े एक बंद सूटकेस से सोमवार को एक महिला का कंकाल मिला। अधिकारियों के मुताबिक, रामा अस्पताल के पास खेत में पड़े एक सूटकेस से बदबू आ रही थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। एक पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सूटकेस खोला, तो अंदर एक महिला का कंकाल मिला। कंकाल मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानजय सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान और थाना प्रभारी श्योराज सिंह मौके पर पहुंचे। कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सिंह ने कहा कि कंकाल 10-12 दिन पुराना लग रहा है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामला जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

### गोकशी के तीन आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

**कौशांबी,एजेंसी :** जिले में गोकशी की घटना के सिलसिले में तीन आरोपियों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है और मौके से भाग रहे तीसरे आरोपी को पुलिस टीम ने पीछा करके गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि रविवार को करारी थाने को सूचना मिली कि तियरा जमालपुर गांव में गोकशी की घटना हुई है जिसमें गोवंश के अवशेष संदिग्ध अवस्था में पड़े हुए हैं। सूचना पर करारी थाना पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर अवशेषों के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए।

# 25 हजार आरोग्य मंदिर और 81 मेडिकल कॉलेजों के साथ यूपी बना देश में मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**विकसित यूपी कॉन्क्लेव**

- **विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में उप्र. भूमिका निर्णायक: ब्रजेश पाठक**

**अमृत विचार :** उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारा संकल्प है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को वही अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, जो आज केवल महानगरों में मिलती हैं। हमारी कोशिश है कि एडवांस मेडिकल सुविधाएं जिले और तहसील स्तर तक पहुंचें और उत्तर प्रदेश विकसित भारत के स्वास्थ्य मॉडल का नेतृत्व करे।

उप मुख्यमंत्री सोमवार को राजधानी स्थित निजी होटल में 'विकसित यूपी कॉन्क्लेव ' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने में उप्र. की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इस वक्त प्रदेश में 25 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 3500 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 200 से अधिक विशिष्ट अस्पताल और 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, निःशुल्क एंबुलेंस सेवा 102-108 का रेस्पॉन्स टाइम कम किया गया है, जिससे आपातकालीन सेवाओं की गति और दक्षता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि सरकार संस्थागत प्रसव दर को बढ़ाते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने पर निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं अब जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी राहत मिली है।

कार्यक्रम को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंच पर मौजूद अन्य।

चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकश्वर शरण सिंह ने कहा कि विकसित उप्र. ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा और इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र की भूमिका निर्णायक रहेगी। आर्थिक प्रगति का आधार स्वस्थ जनसंख्या है और इसी दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर सुधार कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, जी.एन. सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य ऋचु महेश्वरी, सचिव स्वास्थ्य एवं निदेशक एनएचएम पिंकी जोवेल, सचिव चिकित्सा शिक्षा अपर्णा यू, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतनपाल सुमन, विशेष सचिव धीरेन्द्र सचान, तथा आर्यका अखौरी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

### लखनऊ का रामसागर मिश्र, कानपुर का डफरिन समेत 14 अस्पताल बनेंगे हाईटेक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 14 अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 9.80 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृत प्रदान की है। ये जानकारी सोमवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र के साढ़ामऊ स्थित रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय में 2.70 करोड़ रुपये से उपकरण खरीदे जाएंगे। बलरामपुर जिला महिला चिकित्सालय को 1.52 करोड़ रुपये, रायबरेली जिला चिकित्सालय को 1.56 करोड़ रुपये, महाराजगंज जिला संयुक्त चिकित्सालय को 1.16 करोड़ रुपये, कानपुर नगर के एएचएम डफरिन चिकित्सालय को 16.47 लाख रुपये, बागपत जिला संयुक्त चिकित्सालय को 28.55 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति को मंजूरी दी गई है। इस धनराशि से उपकरण आदि खरीदे जाएंगे। इसी तरह गोरखपुर के 100 शैय्या क्षय रोग सह सामान्य चिकित्सालय में 51.59 लाख रुपये, जिला चिकित्सालय में 78.45 लाख रुपये अत्याधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। हमीरपुर के दीवान शत्रुघ्न सिंह संयुक्त चिकित्सालय को 3.35 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। बस्ती हरैया के 100 शैय्या महिला चिकित्सालय में 8.68 लाख रुपए की मशीनें लगेंगी। इटावा के डॉ. भीमराम आंबेडकर संयुक्त जिला चिकित्सालय में 38.96 लाख, वाराणसी में मानसिक चिकित्सालय में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई भूमि से चिकित्सालय परिसर को अलग किया जाएगा। चहारदीवारी निर्माण के लिए 1.27 करोड़ रुपए अवमुक्त किए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ आईपीएस 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी।

# जीरो टॉलरेंस के साथ कानून-व्यवस्था को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

## 2023 बैच के आईपीएस व 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सीएम से की भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को ''संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता'' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस के साथ कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें।

सीएम आवास पर सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने औपचारिक भेंट के दौरान कहा कि जिलों में केवल कानून-व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें। मुख्यमंत्री ने ''थाना, सर्किल व पुलिस लाइन'' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

### जनप्रतिनिधि से संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए : योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर कहा कि यह गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके साथ तालमेल कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है।

### थाना पुलिसिंग की नींव

- योगी ने प्रशिक्षुओं को सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। उन्होंने कहा कि थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं।

प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न

### आज काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

**अमृत विचार, लखनऊ:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह में शामिल होने हेतु मंगलवार को वाराणसी पहुंचेंगे। उत्तर और दक्षिण भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने वाला यह महत्त्वपूर्ण आयोजन अब अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुका है। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को नमो घाट पर होगा।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाश नाथ सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

# स्वार्थ को छोड़कर संसद को सुचारु रूप से चलाएं सांसद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** ससंद के शीतकालीन सत्र को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने सत्ता और विपक्ष, दोनों को नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि राजनीतिक स्वार्थ को छोड़कर संसद को सुचारू रूप से चलाने और सार्थक चर्चा करना जनहित में होगा।

बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र के इस बार काफी हंगामेदार होने की संभावना है, परंतु हमारी पार्टी चाहती है कि संसद सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों, जिससे देश व जनहित के जरूरी मुद्दों, राजधानी दिल्ली आदि शहरों में वायु प्रदूषण, वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों एवं आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनके द्वारा की जा रही खुदकुशी आदि की घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके।

# नियोक्ताओं के पास अप्रैल 2026 तक मौका, कराएं कर्मियों का पंजीयन

## प्रेसवार्ता में ईपीएफओ के आयुक्त प्रथम ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नामांकन अभियान 2025 के तहत नियोक्ताओं को विशेष अवसर दिया है। इसमें वे 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच जुड़े उन कर्मचारियों को पंजीकृत कर सकते हैं, जो किसी कारणवश ईपीएफ कवर से वंचित रह गए हैं। नियोक्ताओं के पास उन्हें पंजीयन कराने का आखिरी मौका अप्रैल 2026 तक का है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पात्र कर्मचारियों को स्वैच्छिक पंजीकरण द्वारा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है।

यह जानकारी सोमवार को क्षेत्रीय भविष्य निधि संगठन के आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने दी। आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि यदि कर्मचारियों से अंशदान नहीं काटा गया, तो कर्मचारी अंशदान माफ किया जाएगा। नियोक्ता को केवल नियोक्ता अंशदान धारा 7 क्यू का ब्याज प्रशासनिक शुल्क 100 रुपये क्षति शुल्क देना होगा। जिन प्रतिष्ठानों पर धारा 7ए, पैरा 26बी या पैरा 8 (ईपीएस-1995) के अंतर्गत जांच चल रही है, वे भी पात्र रहेंगे, और उन्हें केवल 100 रुपये नाममात्र क्षति शुल्क देना होगा। ईपीएफओ ऐसी किसी भी स्थिति में स्वतः कार्रवाई नहीं करेगा।

ईपीएफओ कार्यालय में प्रेसवार्ता में जानकारी देते आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता।

### पहली बार नौकरी करने वालों को 15,000 की सहायता

- आयुक्त ने कहा कि पहली बार नौकरी करने वालों को सीधे 15,000 रुपये की सरकारी सहायता प्रति वर्ष किस्तों में बतौर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पहली किस्त 6 महीने पूर्ण होने पर, दूसरी किस्त 12 महीने पूरे करने पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह राशि प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत दी जाएगी। इसे बढ़ावा देने के लिए तिथि को 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक के लिए लागू किया गया है। इसका कुल बजट 99,446 करोड़ रुपये रखा गया है और इससे 3.5 करोड़ औपचारिक नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य है। इस दौरान क्षेत्रीय कर्मचारी निधि संगठन के आयुक्त द्वितीय आशीष कुमार के साथ प्रतीश सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त प्रथम ने बताया कि क्षेत्राधिकार के 6 जिले लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, रायबरेली में पंजीकृत संख्या 39,580 प्रतिष्ठान में 5,16,109 अंशधारक सदस्य और 70,000 पेंशनर्स है।

# पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता जरूरी : योगी

**अमृत विचार, लखनऊ:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में प्रदेश भर से आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं और प्रत्येक को त्वरित व निष्पक्ष समाधान का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री ने जिलों में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई से जुड़े मामलों के समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जमीनी विवाद, राजस्व और पुलिस-प्रशासन से जुड़े मामलों में कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी और एसपी स्वयं निगरानी रखें और सुनिश्चित करें कि जनता को न्याय समय पर मिले। जनता दर्शन में दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई।

# अंबिका चौधरी की कार डिवाइडर से टकरायी, बाल-बाल बचे

**बलिया, एजेंसी:** जिले में सोमवार रात को सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी की कार डिवाइडर से टकरा गयी हालांकि इस दुर्घटना में वह बाल-बाल बच गये। सपा नेता ने बताया कि वह अपनी कार से बलिया जिला मुख्यालय जा रहे थे कि तभी रास्ते में बलिया रेलवे स्टेशन के पास उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गयी और कार चालक उनका भाई सुधीर घायल हो गया जबकि वह खुद और उनका सुरक्षाकर्मी बाल-बाल बच गये।

**राजनीति** | राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार पहुंचे लखनऊ

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत सरकार की नई टीम पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** भाजपा में मिशन 2027 के मद्देनजर सोमवार को लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने सरकार और संगठन में बदलाव के साथ योगी से तालमेल पर मंथन किया। दिनभर बैठकों की श्रृंखला से साफ हो गया कि जल्द ही नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और उनकी टीम के साथ मंत्री से संगठन में और संगठन से मंत्री बनने वाले नामों का ऐलान होगा। दोनों नेता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से मुलाकात करके रणनीति बनाई।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार का सोमवार को लखनऊ दौरा संगठन-सरकार में बड़े बदलाव, आगामी चुनावी तैयारियों और शीर्ष नेताओं के बीच तालमेल को नए सिरे से परखने की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र दोनों नेताओं ने सुबह से देर शाम तक विभिन्न स्तरों पर लगातार रणनीतिक बैठकें कीं। दिल्ली से दोपहर में लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का एयरपोर्ट पर पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह ने स्वागत किया। संतोष ने प्रदेश संगठन से जुड़े पदाधिकारियों से मुलाकात की और चल रहे अभियानों पर चर्चा की।

सूत्रों के अनुसार बीएल संतोष और अरुण कुमार की एक संयुक्त बैठक प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के साथ भी हुई।

सूत्र बताते हैं कि यह बैठक संगठन के भीतर समन्वय और रणनीतिक दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिनभर चली बैठकों के बीच बीएल संतोष और अरुण कुमार की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात को लेकर विशेष उत्सुकता रही। सीएम आवास पर संभावित मुलाकात के अतिरिक्त दोनों नेता उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से भी अलग-अलग चर्चा कर सकते हैं। हालांकि देर शाम तक मुलाकात की अधिकारिक पुष्टि कहीं से नहीं हुई है।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ डॉ. महेंद्र सिंह व अन्य नेता।

### संघ प्रचारकों के साथ सह सरकार्यवाह की गहन बैठकें

सोमवार सुबह से ही अरुण कुमार लखनऊ में संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक किए। बैठक में पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारकों, विभाग प्रचारकों और प्रमुख प्रांतीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रदेश में संघ कार्यों की वर्तमान स्थिति, शाखाओं का विस्तार, स्वयंसेवकों की सक्रियता, कैडर की मजबूती और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति पर रणनीति बनीं। साथ ही, लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तनों के प्रभाव पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार बैठक को संघ की आंतरिक समीक्षा का महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। यह समीक्षा आगामी महीनों में संघ और भाजपा द्वारा संचालित अभियानों व संपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने में आधार बनेगी।

### धर्मपाल को जन्मदिन पर बधाई का तांता

प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का सोमवार को जन्मदिन दिल्ली से आए बीएल संतोष और अरुण कुमार की उपस्थिति में और खास बन गया। दोनों नेताओं ने उन्हें बधाई दी। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा है कि संगठन को शक्ति, कार्यकर्ताओं को प्रेरणा और समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले धर्मपाल सिंह को जन्मदिन का हार्दिक बधाई। उन्होंने प्रभु श्रीराम से उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना की।

भारतीय हस्तशिल्प
Indian Handicrafts
Continuing Tradition

THEMATIC EXHIBITION-2025
Shahjahanpur
Under
CHCDS BUNDELKHAND MEGACLUSTER PROGRAM
Sponsored By :
O/O Development Commissioner (Handicraft)
Ministry of Textiles Govt. of India
Date : 23.11.2025 - 02.12.2025
at MA Marriage Hall, Khudaganj, Shahjahanpur
Organised By :
M/S Uttar Pradesh Rajya Krishi Evam Gramin Vikas Nigam Limited

## न्यूज ब्रीफ

### अब लोक भवन के नाम से जाने जाएंगे राजभवन

**देहरादून, अमृत विचार :** देहरादून राजभवन और नैनीताल राजभवन अब आधिकारिक रूप से 'लोक भवन' के नाम से जाने जाएंगे। सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन की तरफ से सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि, भारत सरकार एवं राज्यपाल, उत्तराखंड की स्वीकृति के क्रम में राजभवन देहरादून तथा राजभवन नैनीताल का नाम आधिकारिक रूप से लोक भवन किया गया है। उन्होंने बताया कि राजभवन देहरादून तथा राजभवन नैनीताल को अब लोक भवन कहा जाएगा।

### हरिद्वार में हावड़ा की टक्कर से हाथी की मौत

**हरिद्वार, अमृत विचार :** राजाजी टाइगर रिजर्व से गुजरने वाले हरिद्वार-देहरादून रेल मार्ग पर सोमवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक हाथी की मौत हो गयी। मोतीचूर और रायवाला स्टेशन के बीच हावड़ा एक्सप्रेस गुजरने के दौरान हाथियों का एक झुंड जंगल से निकलकर रेलवे लाइन पार करने लगा। ट्रेन की रफ्तार अधिक होने से लोको पायलट की ओर से इमरजेंसी ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुकी और एक हाथी के इंजन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। घटना के बाद हाथी का शव रेलवे लाइन पर ही पड़ा रहा जिससे हरिद्वार-देहरादून रेल खंड पर करीब तीन घंटे तक रेल परिचालन बाधित रहा।

### भाजपा का सपना पूरा करना चाहता है आयोग

**लखनऊ, अमृत विचार :** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि ऐसा लगता है कि इलेक्शन कमीशन इस डेमोक्रेसी में भाजपा का ड्रीम पूरा करना चाहता है जिससे विपक्ष का वोट कट जाए। इधर जब से भाजपा खासकर उप्र. में हारी है उसके अंदर बेचैनी है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में अभी चुनाव दूर है। फिर सरकार द्वारा इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है।

सपा प्रमुख ने सोमवार को नई दिल्ली के संसद परिसर में बोल रहे थे। पार्टी मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा लोकतंत्र मजबूत हो और संविधान के तहत पीडीए समाज को मजबूती मिले। मतदाता का वोट स्वतंत्र रूप से पड़े, उसका अधिकार पूरा किया जाएगा तो उसका सपना पूरा होगा। वह जिसके पक्ष या विपक्ष में चाहेगा वोट डालेगा।

## वैमनस्यता व अपमानित करने के मामले में आजम खान बरी

विधि संवाददाता, लखनऊ

- एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने दिया फैसला

**अमृत विचार:** सरकारी लेटर पैड एवं मोहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने बरी कर दिया।

विशेष अदालत ने अपने विस्तृत निर्णय में कहा कि घटना 2014 की बताई जाती है। परंतु वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 468 की व्याख्या करते हुए कहा है कि यह मामला काल बाधित भी हो चुका है। कोर्ट ने बचाव पक्ष के इस कथन को भी स्वीकार किया कि यह रिपोर्ट मौलाना कलवे जव्वाद की ओर से वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा लिखाई गई है परंतु अल्लामा अमीर नकवी न तो पीड़ित पक्ष है और न ही उन्हें रिपोर्ट दर्ज कराने का कोई विधिक अधिकार था। कोर्ट में वादी अल्लामा अमीर नकवी ने स्वीकार किया कि उसकी इस प्रकरण में कोई मानहानि नहीं हुई है। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 की व्याख्या करते हुए कहा है की प्रावधानों के अनुसार कोई पीड़ित व्यक्ति ही परिवाद दाखिल कर सकता है अन्यथा ऐसा परिवाद तभी दूसरा व्यक्ति दाखिल करेगा जब संबंधित व्यक्ति पागल हो अथवा उसकी आयु 18 वर्ष से कम हो।

### कल्कि महोत्सव में प्रवचन करने पहुंचे जगदगुरु ने आर्थिक आधार पर आरक्षण का किया समर्थन

## जगदगुरु रामभद्राचार्य बोले-भारत जल्द बनेगा हिंदू राष्ट्र

कार्यालय संवाददाता, संभल

- मोदी के फिर प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी की
- पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव पर भी गंभीर चिंता जताई

**अमृत विचार:** संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में आयोजित कल्कि महोत्सव में श्री कल्कि कथा वाचन के लिए पहुंचे जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि बहुत जल्द भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, इसके लिए संसद में 370 रामभक्तों की आवश्यकता है। उन्होंने जातीय आधार पर दिए जा रहे आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने का समर्थन किया।

कल्कि धाम में पत्रकारों से बातचीत में जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने राममंदिर के ध्वजारोहण के मुहूर्त को पूर्णतः सही बताया और नरेंद्र मोदी के दोबारा सत्ता में आने की भविष्यवाणी की। धर्माचार्यों को संस्कृत का ज्ञान अनिवार्य बताया। संभल के भविष्य को लेकर दावा किया कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होना है। संभल का महत्व आने वाले समय में अयोध्या, मथुरा और चित्रकूट जैसा होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मस्जिदों में मंदिर खोजे जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि धर्माचार्यों की बातों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हमारे एक करोड़ मंदिर तोड़े गए और जब तक वे वापस नहीं मिल जाते, हम विश्राम नहीं करेंगे।

सनातन धर्म को एकजुट करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बहुत जल्द सनातन समाज एकजुट होगा। आज देश सही राह पर आगे बढ़ रहा है। भारत देश हिंदू राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए समाज को सहयोग देना होगा। पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव और हिंदुओं के पलायन के सवाल पर रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि हालात सभी के सामने हैं। संभल में हम कितने प्रतिशत हैं, यह आप स्वयं जानते हैं।

श्री कल्कि कथा वाचन करते रामभद्राचार्य महाराज व आरती करते कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह, डीएम राजेंद्र पैंसिया व आचार्य प्रमोद कृष्णम। ● अमृत विचार

### हमारी संस्कृति में महिलाओं का सम्मान

रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि मैं जगतगुरु भी हीं हूं एक धर्माचार्य हूं। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो ऋग्वेद से लेकर हनुमान चालीसा पर यंत्र सम्पूर्ण वांग्मय पर आधिकारिक वक्तव्य देने में समर्थ है। वाइफ कहकर मैंने निंदा नहीं की थी केवल यह बताया था कि विदेशी संस्कृति में महिलाओं की निंदा है और हमारी संस्कृति महिलाओं का सम्मान है। विदेशी संस्कृति में कहीं बेबी है, कहीं बीवी है केवल भारतीय संस्कृति में महिला न बेबी है न बीबी है वह केवल देवी है तो मैं क्या अनुचित किया था। केवल मेरी प्रतिभा को धूमिल करने के लिए कतिपय भारत में अभी भी जयचंद के अंश अवतार मेरी निंदा करते हैं उन्हें करने दीजिए।

# पिता की मौत के बाद बहन मांगने लगी जमीन में हिस्सा, भाई ने मार डाला

### हत्या करने के बाद अभियुक्त पत्नी और बच्चों को लेकर घर से भाग गया

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- मृतका मुरादाबाद के निजी अस्पताल में नर्स थी और एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी

**अमृत विचार :** पिता के निधन के बाद जमीन में हिस्सा मांग रही बहन की भाई ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी भाई पत्नी व बच्चों के साथ फरार हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल की। एसपी अमित कुमार आनंद ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मृतका संयोगता।

यह घटना थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के गांव नन्हेड़ा अल्यारपुर की है। यहां पर भगवान दास का परिवार रहता है। 16 अक्टूबर को भगवान दास का निधन हो गया था। वह सिंचाई विभाग में चपरासी रहे थे।

उनकी गांव में जमीन है। परिवार में पत्नी हुकुम देवी के अलावा बेटा श्योराज, तीन बेटी शकुंतला, ममता और संयोगता हैं। शकुंतला और ममता की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी संयोगता मुरादाबाद के निजी अस्पताल में नर्स थी और वहीं पर एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी। पिता के निधन के बाद से वह गांव में आकर रहने लगी थी। वह अपने पिता की जमीन में बराबर का हिस्सा मांगती थी। अक्सर इसी बात को लेकर संयोगता और उसके भाई श्योराज के बीच विवाद रहता था।

सोमवार की सुबह संयोगता, श्योराज और माता हुकुम देवी घर पर थे। इस बीच संयोगता और श्योराज के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। हुकुम देवी नहाने के लिए बाथरूम गईं तभी गुस्साये श्योराज ने चारपाई पर बैठी संयोगता के सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया। संयोगता की मौके पर ही मौत हो गई।

हुकुम देवी ने बेटी को लहूलुहान पड़ा देखा तो उनकी चीख निकल गई। हत्या कर भाई श्योराज पत्नी व बच्चों के साथ भाग गया। मां की चीखें सुनकर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही देहात थानाध्यक्ष सनोज प्रताप सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और जांच-पड़ताल की। कुछ ही देर में सीओ सिटी अभिषेक यादव आदि भी पहुंचे और पूछताछ की।

घटनास्थल पर जांच पड़ताल व पूछताछ करते एसपी अमित कुमार आनंद।

## स्कूटी जलाने के आरोप में दारोगा के खिलाफ रिपोर्ट

**मेरठ,एजेंसी:** जिले में कांशीराम कॉलोनी की निवासी एक ब्यूटी पार्लर संचालिका ने बागपत पुलिस लाइन में तैनात एक दारोगा पर घर के बाहर खड़ी स्कूटी और बेटे की मोटरसाइकिल में आग लगाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंतरिक्ष जैन ने बताया कि ब्यूटी पार्लर संचालिका आयशा ने आरोप लगाया कि पुलिस लाइन में तैनात दारोगा स्नेह प्रकाश आजाद उसपर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा था।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि इनकार करने पर 29 नंवबर को आजाद अपने दो साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और वहां खड़ी उसकी स्कूटी और बेटे की मोटरसाइकिल में आग लगा दी। कोतवाली के निरीक्षक योगेश चंद्र ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर दारोगा के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौच व संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत विभिन्न आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि महिला व दारोगा के बीच पुरानी मित्रता है और घटना वाली रात दोनों पक्षों में कहासुनी भी हुई थी।

## शादी समारोह में खाने के काउंटर पर बीफ लिखे होने से तनाव

अलीगढ़, एजेंसी

- सूचना पर पुलिस पहुंची, नमूने जांच के लिए भेजे गए

अलीगढ़ शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया जब मेहमानों ने खाने के काउंटर पर लगे स्टीकर पर बीफ करी लिखा देखा। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रविवार रात दो मेहमान आकाश और गौरव कुमार ने बीफ करी लिखे होने पर आपत्ति जताई और उसका वीडियो बनाने की कोशिश की, जिसके बाद बीच-बचाव के दौरान झगड़ा हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस दल व खाद्य एवं ओषधि प्रशासन (एफडीए) के अधिकारी समारोह स्थल पर पहुंचे और फॉरेंसिक जांच के लिए खाने के नमूने एकत्र किए।

पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह ने बताया कि खाने का ठेका लेने वाले कैटरर और झगड़े में शामिल दो अन्य को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में रात में ही रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट से ही यह पता चलेगा कि मांस किसका था। अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। गौरव कुमार ने कैटरर के खिलाफ एक लिखित शिकायत दी है, जिसमें धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि बीफ शब्द को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है, क्योंकि इसका उपयोग भैंस के मांस और गाय के मांस दोनों के लिए किया जाता है तथा इससे कई बार तनाव की स्थिति बन जाती है। घटना की जानकारी फैलते ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सिविल लाइंस थाने पर इकट्ठा हो गए और कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।

थाने पहुंचे बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता सलमान शाहिद ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर दादागिरी जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया।

# मुरादाबाद सड़क हादसे के घायलों की मेजर खुशबू पाटनी ने की मदद

बरेली/मुरादाबाद, कार्यालय

- दिशा पाटनी की बहन सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर कहा समय पर नहीं पहुंची एंबुलेंस

**अमृत विचार :** मुरादाबाद में रविवार को सड़क हादसा हो गया था। इसके बाद उधर से गुजर रही बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन मेजर खुशबू पाटनी ने घायलों की मदद करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो डाला है। इसमें उन्होंने कहा है कि अगर एंबुलेंस समय पर पहुंचती तो कई घायलों की जान बच सकती थी।

बरेली-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर रविवार की सुबह मेरठ डिपो की बस ने ऑटो को टक्कर मार दी थी। ऑटो में सवार लोग शादी समारोह में जा रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया था, जबकि उसमें बैठे लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय वहां से निकल रही बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन मेजर खुशबू पाटनी हादसा देखकर वह रुक गई। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें सड़क किनारे कई लाशें पड़ी हुई है। एक महिला जोर-जोर से रोती हुई दिख रही है। इसके बाद खुशबू ने कुछ लोगों को दूसरे ऑटो से अस्पताल भिजवाकर उनकी मदद की। उन्होंने वीडियो के माध्यम से कहा कि एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन डेढ़ घंटे का समय एंबुलेंस को आने में लग गया जिससे हादसे में घायल लोगों को समय पर इलाज नहीं मिल सका। उन्होंने इंस्टाग्राम पर डाली वीडियो में कहा कि हादसे के बाद लोग घायलों की मदद करने की जगह उनकी वीडियो बनाते रहे। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हादसे के बाद घायलों की मदद करनी चाहिए ताकि समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बच सके।

### एक साथ उठीं पांच अर्थियां तो रोया पूरा गांव

**कुंदरकी, अमृत विचार :** सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले पांच लोगों का ग्राम अब्दुल्लापुर में ही अंतिम संस्कार किया गया जबकि ग्राम मधुपुरी थाना मैनाठेर निवासी महिला का शव अब्दुल्लापुर से उसके ससुराल वाले ले गए जहां पर उसका अंतिम संस्कार किया गया। थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव अब्दुल्लापुर में सोमवार को मातम पसरा रहा। गांव से जब एकसाथ 5 अर्थियां उठीं तो पूरा गांव रो पड़ा। हर किसी की आंखें नम हो गईं। परिजनों में चीख पुकार मच गई।

## बीएलओ की सोते समय मौत तनाव की बात कह रहे शिक्षक

**संभल, अमृत विचार:** संभल जिले के थाना नखासा क्षेत्र के गांव चौकुनी में सोमवार सुबह एक बीएलओ की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। परिजनों ने मौत का कारण स्पष्ट नहीं बताया है। शिक्षक साथियों का कहना है कि एसआईआर ड्यूटी के कारण वह तनाव में थे।

अरविंद कुमार।

अरविंद कुमार (40) पुत्र नत्तन अमरोहा जनपद के प्राथमिक विद्यालय फैयाज नगर में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात थे और बूथ संख्या 226 पर बीएलओ सहायक भी थे। अरविंद अपनी पत्नी प्रतिभा और दो बच्चों 13 वर्षीय बेटी गरिमा और 10 वर्षीय बेटा लविश के साथ रहते थे। परिवारजनों के अनुसार रोजाना की तरह अरविंद कुमार रात को कमरे में सोये थे।

# बनभूलपुरा हिंसा के 21 आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार :** बनभूलपुरा हिंसा को लगभग 21 महीने होने को हैं और अब सुप्रीम फैसला आने से पहले एक बार फिर बनभूलपुरा में माहौल गर्म है। पुलिस ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंस्तेमाल किए गए हैं और इसी को देखते हुए बनभूलपुरा हिंसा में शामिल 21 लोगों को पुलिस ने एक बार फिर गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा 121 लोगों को नोटिस तामील कराए गए हैं। अब्दुल मलिक को इस हिंसा का मास्टर माइंड माना गया था और मलिक अब भी जेल में है।

8 फरवरी 2024 को बनभूलपुरा के कंपनी बाग से तब हिंसा की शुरुआत हुई थी, जब नगर निगम और प्रशासन की टीम कंपनी बाग में अवैध अतिक्रमण को ढहाने गई थी। जब तक दिन का उजाला था, लेकिन मौखिक विरोध कर रहे थे, लेकिन जैसे ही अंधेरा छाने लगा लोग हिंसक हो गए। पथराव, आगजनी, गोली-बारी की गई। पुलिस कर्मियों को बंधक बना लिया गया और बनभूलपुरा थाने को दंगाइयों ने आग के हवाले कर दिया। इस मामले में तीन मुकदमे दर्ज हुए थे। पहला मुकदमा बनभूलपुरा थाना, दूसरी मुखानी थाना और तीसरा मुकदमा नगर निगम की ओर से दर्ज कराया गया था। सभी मुकदमे बनभूलपुरा थाने में दर्ज हुए थे और मामले पांच माह बाद 107 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें तमाम लोगों को कोर्ट ने जमानत दे दी।

प्रस्तावित सुप्रीम फैसले के मद्देनजर बनभूलपुरा क्षेत्र में सोमवार को पैदल मार्च करते पुलिस और पीएसी के अधिकारी और जवान। ● अमृत विचार

### सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले बनभूलपुरा में हाई अलर्ट

**हल्द्वानी, अमृत विचार :** बनभूलपुरा में रेलवे भूमि पर बने हजारों अवैध निर्माणों से जुड़ा बहुचर्चित मामला अब निर्णायक मोड़ पर है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अहम सुनवाई होनी नियत है, जिसके मद्देनज़र इलाके में सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन सतर्क है। पुलिस-प्रशासन ने सोमवार सुबह से फुट मार्च, सत्यापन और सघन चेकिंग अभियान चलाकर माहौल को नियंत्रित रखने की तैयारी शुरू कर दी। रेलवे के मुताबिक, बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे लगभग 29 एकड़ जमीन पर करीब 4365 अतिक्रमण किए गए हैं। यह मामला लंबे समय से अदालत में लंबित है और अब शीर्ष अदालत के फैसले से ही आगे की दिशा तय होगी। कोर्ट में संभावित सुनवाई को देखते हुए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही रूट डायवर्जन भी रहेगा। संबंधित क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात की जा चुकी है और सभी टीमों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करा दिए गए हैं। बनभूलपुरा को चार सेक्टरों में बांटकर व्यापक सत्यापन और जांच अभियान चलाया गया।

**मांग** परिवार बोला-बाहर रहने से बढ़ रहा खतरा, जेल में ही हो इलाज

# आसाराम की जमानत खत्म करने की अपील

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- परिजनों का दावा-समर्थक दे रहे धमकियां, सुरक्षा बढ़ाई गई

**अमृत विचार:** जिले की दुष्कर्म पीड़िता के पिता ने राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को मिली छह माह की जमानत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि वह बीमार होने का नाटक कर रहा है। ऐसे में उसे जेल से छोड़ने का औचित्य नहीं है और उसका इलाज भी अन्य कैदियों की तरह जेल के अंदर ही होना चाहिए।

पीड़िता के परिजन ने अदालत को पुनर्विचार याचिका में बताया आसाराम को जेल से बाहर रहने देना उनके परिवार के लिए खतरा है। उसके समर्थक कई बार परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे चुके हैं, इससे सभी डरे हुए है। राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को उम्र और स्वास्थ्य का तर्क देते हुए छह माह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। इसके बाद 6 नवंबर को गुजरात हाईकोर्ट ने भी एक अन्य मामले में जमानत दे दी। सुनवाई में आसाराम की ओर से कहा गया था कि वह हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहा है। पीड़िता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश वकील एल्जो जोसफ ने बताया कि अगस्त में बने मेडिकल बोर्ड ने जांचकर साफ कहा था कि आसाराम स्टेबल है और उसे अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है।

शाहजहांपुर निवासी पीड़िता का परिवार लंबे समय तक आसाराम के संपर्क में था। लड़की छिंदवाड़ा स्थित आश्रम में 12वीं की पढ़ाई कर रही थी। वर्ष 2013 में एक दिन क्लास के दौरान वह बेहोश हो गई, जिसके बाद साधकों ने इसे भूत-प्रेत का असर बताया और कहा कि इसका निवारण केवल आसाराम कर सकता है। 14 अगस्त 2013 को उसे छिंदवाड़ा से लगभग एक हजार किलोमीटर दूर जोधपुर के मनई आश्रम भेजा गया। 15 अगस्त की रात कथित इलाज के दौरान आसाराम ने कुटिया में उसके साथ दुष्कर्म किया। 20 अगस्त को पीड़िता ने दिल्ली में एफआईआर दर्ज कराई। 31 मार्च 2013 को आसाराम गिरफ्तार किया गया। जोधपुर की अदालत ने 25 अप्रैल 2018 को उसे उम्रकैद की सजा सुनाई और वह तब से सेंट्रल जेल में बंद है। 7 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर 31 मार्च 2025 तक जमानत दी थी।

उल्लेखनीय है कि यौन शोषण के आरोपी कथावाचक आसाराम को उच्च न्यायालय से छह महीने की मिली जमानत को रद्द करने के लिए पीड़िता के पिता ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी।

### हाईकोर्ट से मिली राहत, पर शर्तें भी लगीं

पीड़िता के पिता ने कभी अपनी जमीन आसाराम ट्रस्ट के नाम कर दी थी और निर्माण भी खुद कराया था। बाद में जमीन वापस लेने की कोशिशें की गईं, लेकिन सफलता नहीं मिली। परिवार को बदनाम करने के लिए शहर में आसाराम की किताबें तक बांटी गईं, जिनमें उसे निर्दोष बताया गया था। अब पीड़िता 27 वर्ष की हो चुकी है और दो साल के बच्चे की मां है। एक भाई पढ़ाई कर रहा है और दूसरा पिता के साथ कारोबार संभालता है। मां करीब 12 साल से घर से बाहर नहीं निकलीं।

## संस्कृत के उत्थान के लिए बनेगा उच्चस्तरीय आयोग: धामी

**देहरादून, अमृत विचार:** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हरिद्वार में अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्कृत भाषा के उत्थान एवं विकास के लिए उच्चस्तरीय आयोग के गठन की घोषणा की।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और विद्वानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'भारतीय ज्ञान परंपरा वैश्विक ज्ञान के विकास में संस्कृत का योगदान' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित यह सम्मेलन भारतीय सभ्यता की गौरवमयी जड़ों को विश्व पटल पर मजबूती से प्रस्तुत करता है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के विद्वानों द्वारा संस्कृत की समृद्ध ज्ञान-परंपरा पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा, जो एक प्रेरणादायी पहल है।

## बेटे ने दोस्तों को सुपारी दी कराई पिता की हत्या

संवाददाता, हरिद्वार

- पिता नहीं देना चाहता था प्रॉपर्टी तो एक स्कॉर्पियो और 30 लाख की सुपारी देकर करा दी हत्या

**अमृत विचार:** कार में लिफ्ट लेकर रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी भगवान सिंह की हत्या करने के मामले का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बहादराबाद पुलिस ने 24 घंटे में केस वर्कआउट करते हुए रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी के पुत्र यशपाल (21) और उसके दो दोस्तों राजन उर्फ ललित मोहन व शेखर सिंह निवासी हरिद्वार को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने सोमवार को बताया कि, यशपाल ने थाना बहादराबाद में रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि बीती शनिवार देर रात वह पिता भगवान सिंह के साथ रोशनाबाद में एक विवाह समारोह में जा रहा था। तभी एक अज्ञात युवक ने जटवाडा पुल पर कार में लिफ्ट मांगी और मेरे पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने यशपाल से प्रारंभिक पूछताछ की तो वह सही से नहीं बता पाया कि किसकी शादी में जा रहा था। शक होने पर थाने लाकर गहनता से पूछताछ की गई तो सामने आया कि, किसी दोस्त की शादी नहीं थी और मास्टरमाइंड यशपाल ने दोस्तों के साथ मिलकर पिता की हत्या की साजिश रची थी। एसएसपी ने बताया कि, भगवान सिंह के पास करोड़ों की संपत्ति थी। बेटे यशपाल की गलत संगत और आदतों के कारण पिता ने उसके नाम संपत्ति करने से मना कर बेदखल करने को कह दिया था। इससे नाराज होकर संपत्ति हथियाने के लिए यशपाल ने अपने दोस्तों ललित व शेखर के साथ मिलकर अपने ही पिता की हत्या करने की योजना बनाई।

## वरमाला की रस्म के बाद दुल्हन प्रेमी के साथ फरार

**उन्नाव,एजेंसी:** उन्नाव जिले में एक शादी समारोह में उस समय हंगामा मच गया जब वरमाला की रस्म के तुरंत बाद दुल्हन कथित तौर पर अपने प्रेमी के साथ भाग गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना शनिवार देर रात पुरवा पुलिस थाने के एक गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, अजयपुर गांव में एक बारात पहुंची थी, जहां वर और वधू पक्ष के परिवारों ने पारंपरिक द्वार चार और अन्य रस्में पूरी कीं। दूल्हा-दुल्हन ने रिवाज के मुताबिक एक-दूसरे को वरमाला पहनायी। इसके तुरंत बाद दुल्हन अपने कमरे में चली गई जबकि दूल्हे का परिवार दूसरी तैयारियों में व्यस्त हो गया।

बाद में जब परिवार के सदस्य फेरे की रस्म के लिए दुल्हन को बुलाने के लिए गए तो वह कमरे में नहीं मिली।

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार,2 दिसंबर 2025
बरेली देहात

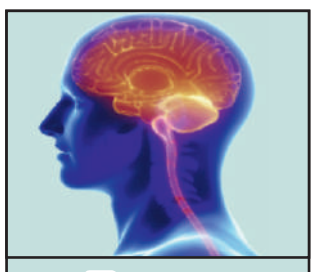

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

न्यूज ब्रीफ

### शिकायत का गलत निस्तारण, सचिव को पत्र भेजा

**बहेड़ी, अमृत विचार :** स्कूल की अनियमितताओं की शिकायत मुख्यमंत्री से करने के बाद एसबीएसए पर शिकायत का गलत तरीके से निस्तारण करने का आरोप लगाते हुए शिक्षा सचिव को फिर से शिकायती पत्र भेजा गया है। ऐंठपुरा निवासी खरगेश कुमार का कहना है कि विकास खण्ड बहेड़ी के छितौनियां रोड भिलैईया अड्डा स्थित एक विद्यालय के विरूद्ध मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी। स्कूल की मान्यता आठवी क्लास तक होने के बाद प्रबंधक 12वीं की कक्षाएं चलाकर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। आरोप है कि 19 अगस्त और 25 अक्टूबर को दिये गये शिकायती पत्रों को बिना किसी जांच के निरस्तारित कर दिया गया है। पत्र में मामले की जांच कर स्कूल संचालक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है।

### जेई पर कमीशन मांगने का आरोप

**नवाबगंज, अमृत विचार :** क्षेत्र के मसीत वलीनगर गांव की ग्राम प्रधान जमुना देवी ने ब्लॉक में तैनात जेई पर विकास कार्यों को पास करने के बदले 15 प्रतिशत कमीशन मांगने का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल और सीडीओ को भी पत्र भेजा है।

# गन्ना ट्राली और कार की भिड़ंत में एक की मौत

## कोहरे में बिना रिफ्लेक्टर लगे चल रहीं गन्ना भरी ट्रैक्टर-ट्राली

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

**अमृत विचार :** हाइवे पर गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली और कार की भिड़ंत में फील्ड आफिसर की मौत हो गई। देर रात हुए इस हादसे में पीलीभीत के कार चालक घायल हुए हैं।

रविवार देर रात हाईवे पर गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली एवं कार की भिड़ंत हो गई। इसमें एक युवक की मौत हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। मृतक की शिनाख्त बदायूं के दातागंज निवासी संजीव कुमार के रूप में हुई है जो ग्राम उचसिया स्थित एक मेडिकल कॉलेज में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। था । कार चला रहे पीलीभीत के बीसलपुर निवासी विक्रम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका इलाज बरेली के एक अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है कि संजीव कुमार और विक्रम सिंह अपनी निजी कार से बरेली से फतेहगंज पूर्वी की ओर जा रहे थे। उसी दौरान सामने से आ रहे वाहन से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अपनी लेन से दूसरी लेन में जा पहुंची और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर भीषण जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार से घायल को निकालकर अस्पताल भिजवाया और जाम खुलवाया।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। ● अमृत विचार

### कार-बाइक की टक्कर में युवक की मौत

**मानपुर, अमृत विचार :** मानपुर बहेड़ी रोड पर कनकटी गांव के पास एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक सुरजीत की मौत हो गई। शाम करीब 6 बजे एक तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। सुरजीत कुतुबपुर गांव के निवासी थे और शीशगढ़ बहेड़ी रोड पर मानपुर की तरफ से अपने घर लौट रहे थे। हादसा कनकपुरी के पास एक स्कूल के सामने हुई तेज टक्कर से सुरजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल सुरजीत को बहेड़ी अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक सुरजीत मजदूरी कर दो छोटे बच्चे और पत्नी का परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है। इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक युवक का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया कि तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

### वृद्धा के स्थान पर विधवा पेंशन बनवाने का आरोप

**आंवला, अमृत विचार :** महिला ने एक व्यक्ति पर वृद्धा पेंशन बनवाने के नाम पर विधवा पेंशन बनवाने और पेंशन ठीक कराने के नाम पर डाकखाने में फर्जी खाता खुलवाने का आरोप लगाया है। महिला ने आरोपी व्यक्ति को पकडकर पुलिस को सौंपकर पुलिस को शिकायत दी है।

मोहल्ला कच्चा कटरा फूटा दरवाजा निवासी अकीला वेगम पत्नी हनीफ ने बताया कि अलीनगर गांव निवासी एक व्यक्ति महिलाओं की वृद्धा पेंशन बनवाने का काम करता है। उक्त व्यक्ति ने उससे कई बार पेंशन बनवा देने की बात कहते हुए पहली किश्त तीन हजार रुपये लेने की बात कही और आधार की छाया प्रति ले गया। पेंशन शुरु होते ही वह पहली किस्त भी ले गया। लेकिन उक्त व्यक्ति ने उसकी वृद्धा पेंशन की जगह विधवा पेंशन बनवा दी। व्यक्ति से नाराजगी जताई तो उसने उसे ठीक कराने की बात कही लेकिन अभी तक ठीक नहीं कराया। सोमवार को वही व्यक्ति पेंशन ठीक कराने की कहकर डाकघर ले गया। वहां उसका फर्जी नाम से खाता खुलवा दिया। अनपढ होने के कारण उक्त व्यक्ति ने उसके साथ धोखाधड़ी की है।

# हत्या कर पुलिया के नीचे फेंका महिला का शव


पुलिया के नीचे झाड़ियों से शव को निकालते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- सिमराबोरी पुलिया के नीचे बोरी में शव मिलने से फैली सनसनी

संवाददाता, फरीदपुर

**अमृत विचार :** महिला का शव को बोरे में बंद करके पुलिया के नीचे फेंक दिया गया। चेहरे पर तेजाब डालकर पहचान छिपाने का प्रयास किया गया है। लगातार दूसरे दिन पुलिया के नीचे शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। माना जा रहा है कि महिला की हत्या कर शव को फेंका गया है।

रविवार को फरीदपुर क्षेत्र में सुकटिया पुलिया के नीचे युवक का शव मिला था। इसकी भी हत्या की गई थी। सोमवार को फिर सिमराबोरीपुर में पुलिया के नीचे महिला का शव मिला है। माना जा रहा है महिला की भी हत्या करके शव को फेंका गया है। शव काफी पुराना है। शव से दुर्गंध उठी तो राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर जाकर शव को झाड़ियों से निकाला है।

फरीदपुर थाना क्षेत्र में पुलिया के नीचे बोरे में बंद मिले महिला के शव का आधा हिस्सा पैरों की ओर से बोरे में बंद था और चेहरे पर तेजाब डालकर पहचान मिटाने की कोशिश की गई थी। महिला ने साड़ी और कार्डिगन पहना था तथा एक हाथ में दो कंगन थे। लगभग 10–15 दिन पुराने शव से दुर्गंध आने पर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास के गांवों में गुमशुदगी की जानकारी जुटाना शुरु कर दिया है। शव बुरी तरह क्षत-विक्षित होने के कारण पहचान नहीं हो सकी, महिला की उम्र लगभग 32–35 वर्ष प्रतीत होती है।

# तालाब में गिरकर डूबी कार, दो दोस्त बचे

संवाददाता, मीरगंज

**अमृत विचार :** शादी समारोह से लौट रहे दो युवक कार सहित तालाब में गिर गये। रात में दोनों युवक तालाब से निकलकर प्रधान के घर पहुंच गये। सोमवार को क्रेन की सहायता से तालाब से कार को निकाला गया।

देर रात शादी समारोह से कार से लौट रहे दो दोस्त कार सहित नगरिया सादात स्टेशन के पास स्थित तालाब में गिर गये। बताते हैं कि शादी से लौट रहे युवक नशे में थे और अंधेरा होने के कारण सड़क किनारे तालाब के पास बड़ी बड़ी झाड़ियों के चलते तालाब दिखाई नहीं दिया और कार तालाब में गिर गई। कार को गांव गुगई निवासी मेजबान उर्फ डंपी चला रहा था। उसके साथ उसका दोस्त अरविंद था। कार डूबने लगी तो दोनों दोस्त कार से कूद गए। रात में दोनों ने प्रधानपति मनोज सक्सेना को फोन किया तो वह रात में दोनों को गांव ले आये। सोमवार सुबह दोनों लोग परिवार सहित तालाब पर पहुंचकर गांव नगरिया सादात के ग्रामीणों की मदद से कार को तलाशने लगे। क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया।

### जबड़े और हाथ का कंकाल मिलने से मची सनसनी

**क्योलडिया, अमृत विचार :** गांव सतवन पट्टी गांव से 10 महीने पहले लापता हुई सोवित निशा हत्याकांड में हर रोज नए सुराग सामने आ रहे हैं अब सोमवार को जबड़ा और हाथ का कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

सोवितनिशा की गुमशुदगी के नौ माह बाद जंगल के रास्ते रविवार को गन्ने के खेत में मिली बाल सहित चोटी का डीएनए उसकी मां से मैच हो गया। शुक्रवार को पैर का कंकाल मिलने के बाद सोमवार को जंगल में दो और कंकाल पुलिस को मिले हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अवशेष को डीएनए टेस्ट के लिए भेजा गया है ।

# बाइक भिड़ने से अधिवक्ता व युवक में विवाद भड़का

संवाददाता, नवाबगंज

- मेडिकल को पहुंचे घायल युवक की अधिवक्ताओं ने की धुनाई
- युवकों और ग्रामीणों ने पहले अधिवक्ता से की थी मारपीट

**अमृत विचार :** तहसील क्षेत्र में सोमवार को हुए सड़क हादसे के बाद मारपीट और हंगामे का मामला तूल पकड़ लिया। अधिवक्ता और ग्रामीण युवक की बाइक आमने-सामने भिड़ने से शुरू हुआ विवाद अस्पताल तक पहुंच गया, जहां घायल युवक की पिटाई कर दी।

तहसील क्षेत्र के एक गांव का अधिवक्ता अपनी बाइक से तहसील आ रहे थे। बरेली–पीलीभीत रोड पर पहुंचने पर सामने से ईंधजागीर गांव का युवक अपनी बाइक लेकर आ गया। दोनों बाइकों की जोरदार भिड़ंत के बाद मौके पर ही कहासुनी मारपीट में बदल गई। युवक के साथ बाइक पर बैठे दो अन्य लोगों ने भी अधिवक्ता से हाथापाई की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवकों को सीएचसी भिजवाया। कुछ देर बाद अधिवक्ता भी अपने साथियों के साथ अस्पताल पहुंचे। वहां घायल युवक को देखते ही अधिवक्ताओं ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। जान बचाने के लिए युवक को उपचार कक्ष में छिपना पड़ा। हंगामा बढ़ता देख स्वास्थ्य कर्मियों ने तत्काल कोतवाली में फोन कर पुलिस को बुलाया।

सूचना मिलते ही कस्बा इंचार्ज सुनील कुमार, उपनिरीक्षक राजेश कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करते हुए घायल युवक को कोतवाली ले आए।

एडवोकेट प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह गंगवार, सचिव पुष्पाल सिंह और कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र पटेल सहित दर्जनों अधिवक्ता कोतवाली पहुंचे। उन्होंने अधिवक्ता के साथ मारपीट और लूटपाट का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की।वहीं घायल युवक की ओर से भी अधिवक्ता और उनके साथियों पर पिटाई का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। समाचार लिखे जाने तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी थी।


घटना के बाद थाने पहुंचे अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO+TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

# पंचायत घर और स्कूल का ताला तोड़कर चोरी

संवाददाता, शीशगढ़

**अमृत विचार :** गांव पदमी में चोरो ने ताला तोड़ कर पंचायत घर से बैट्रा इन्वेटर और सरकारी स्कूल मे ताला तोड़कर गैस सिलेंडर, टीवी आदि सहित जरूरी सामान चोर चोरी कर ले गए।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लेखराज वर्मा ने बताया कि कुछ साल पहले भी चोरी हुई थी। अब फिर से चोर ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है। मानपुर चौकी इंचार्ज जितेंद्र धामा ने बताया कि चोरी की घटना की सूचना मिली थी, जांच की जा रही है।

**आरोपी को भेजा जेल**

**मीरगंज,** गांव तिलमास में चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने के दौरान ग्रामीणों ने एक युवक दबोच लिया, उसके दो अन्य साथी फरार हो गये।

# विवाहिता से मारपीट, 10 पर रिपोर्ट

संवाददाता, बहेड़ी

**अमृत विचार :** खेती की जमीन गिरवी रखकर बेटी की शादी करने के बाद ससुराल वाले दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। आठ माह पहले हुई शादी में ससुरालवालों की प्रताड़ना से परेशान विवाहिता ने बहेड़ी कोतवाली में ससुराल पक्ष के दस लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है।

कोतवाली बहेड़ी के मुरारपुर गांव निवासी विवाहिता कीशादी 3 मार्च को अखिलेश पुत्र राम चरन लाल निवासी ग्राम मढौली कोतवाली मीरगंज के साथ हुई थी। शादी में पिता ने अपनी कृषि भूमि गिरवी रखकर दान दहेज तथा मोटर साईकिल दी थी।

शादी के कुछ दिन बाद से विवाहिता के ससुरालीजन दहेज कम लाने को लेकर ताना देने लगे। पिछले दिनों तो ससुरालीजनों ने उसे पीट दिया। विवाहिता ने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर बहेड़ी पुलिस ने पति अखिलेश,ससुर रामचरन लाल, सास मुन्नी देवी, जेठ मुकेश, जेठानी नीतू, चचेरे जेठ दिनेश, ननद चित्रा, नन्दोई वेद प्रकाश, राजकुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### विवाहिता को घर से निकला

**भमोरा, अमृत विचार :** कैंट थाना क्षेत्र के गांव जल्लापुर निवासी सीमा ने बताया कि उसकी शादी 6 वर्ष पूर्व भमोरा थाना क्षेत्र के गांव मिलक मझरा निवासी विपिन से हुई थी ।पुत्री के जन्म के बाद ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे। इसी दौरान पहने हुए कपड़ों में ही उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। थाना पुलिस को तहरीर दे ससुरालीजन पर कार्रवाई की मांग की।

# बिजली राहत शिविरों का किया शुभारंभ

संवाददाता, नवाबगंज

**अमृत विचार :** सरकार की योजना का बिजली उपभोक्ता ज्यादा लाभ उठाएं इसके लिए क्षेत्रीय विधायक भी सक्रिय हैं। योजना के बारे में बताने का शिविर हो या पहली दिसंबर से योजना लागू होने का दिन विधायकों ने राहत कैंप का उद्घाटन किया और उपभोक्ताओं को योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह पहली योजना है जिसमें सौ फीसदी सरचार्ज माफ होने के बाद पूरा बिल जमा करने पर 25 फीसदी की अतिरिक्त छूट भी दी जा रही है। बिजली अफसर भी योजना की सफलता के लिए प्रयासरत हैं।

सोमवार को विधायक डॉक्टर एम.पी. आर्या ने फीता काटकर कैंप का उद्घाटन किया। पहले ही दिन बड़ी संख्या में उपभोक्ता पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने में जुटे रहे।

कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता ई. ज्ञानेंद्र सिंह, नोडल अधिशाषी अभियंता रमेश कुमार, एसडीओ राजेन्द्र सिंह, मोहित वर्मा, नीरज कुमार सहित समस्त विद्युत विभाग का स्टाफ मौजूद रहा।

**भमोरा** में आलमपुर जाफराबाद ब्लॉक प्रमुख आरती यादव यादव ने बिजली बिल राहत कैंप का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान वेद प्रकाश यादव, जेई विजय प्रताप,मनीष मौर्य,अर्जुन सिंह आदि लोग रहे। पहले दिन 51 कनेक्शन पंजीकृत किए गए।

**फतेहगंज पश्चिमी** में विधायक डीसी वर्मा ने सोमवार को स्थानीय विद्युत सब स्टेशन पर बिजली बिल राहत योजना कैंप का फीता काटकर उद्घाटन किया।कैंप के मुख्य अतिथि विधायक डीसी वर्मा और अधिशासी अभियंता मनोज कुमार ने राहत योजना के बारे में बताया। तीन चरण में चलने वाले अभियान के पहले चरण में एक से 31 दिसंबर तक 100 फीसदी ब्याज और 25 फीसदी मूलधन में माफी दे जाएगी। दूसरे चरण एक से 31 जनवरी तक 100 फीसदी ब्याज और 20 फीसदी मूलधन में छूट दी जाएगी। जबकि तीसरे चरण एक से 28 फरवरी तक 100 फीसदी ब्याज और 15 फीसदी मूलधन में माफी दी जाएगी। इसके अलावा विद्युत चोरी के मामले में लगे जुर्माना में 50 फीसदी छूट दी जाएगी। विद्युत बिल बकाया धारकों दो हजार जमा करके पंजीकरण कराना जरूरी होगा। एक मुश्त जमा करने वाले बकाया धारकों को छूट देने बाद बची जमा राशि में ही पंजीकरण हो जाएगा। पहले दिन 18 लोगों ने पंजीकरण कराया है। इस मौके पर अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार एसडीओ सूर्यप्रताप, जेई रमेश चन्द्र,संजय सिंह चौहान, सभासद अबोध सिंह, मोनू, सतीश चन्द्र महेश्वरी, अंकिता सक्सेना, आदिल, आदि रहे।


कैंप का उद्घाटन करते विधायक डॉ. एमपी आर्य।


विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने राहत कैंप का उदघाटन किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र अजर रजा खान एवं उसकी पत्नी कमरूनिशा को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **फरजाना पत्नी स्व. तफज्जाल निवासी ग्राम उड़ला जागीर, पो. पी.ए.सी., थाना बिथरी चैनपुर जिला बरेली**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

**वैधानिक सूचना :**– समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

## न्यूज ब्रीफ

### मुख्य चौराहे पर वाहन चेकिंग कर काटे चालान

**नवाबगंज, अमृत विचार :** मुख्य चौराहे पर सोमवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया गया। कोतवाल अरुण कुमार के नेतृत्व में उतरी पुलिस टीम ने आते-जाते वाहनों को रोककर एक-एक कर कागज़ात और हेलमेट की कड़ी जांच की। कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि बिना हेलमेट, बिना नंबर प्लेट, धुंधले नंबरों वाली बाइकें और कागज़ात अधूरे होने पर पुलिस ने दर्जनों मोटरसाइकिल चालकों के चालान काटे। चेकिंग के दौरान कई वाहन सीज़ भी किए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया कि अभियान जारी रहेगा।

### सीएचसी पर 32 महिलाओं की नसबंदी सफल

**मीरगंज, अमृत विचार :** सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मीरगंज पर महिला नसबंदी शिविर लगाया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ वैभव राठौर ने बताया कि शिविर में 38 पंजीकरण किए गए । जिसमें से टीम ने 32 महिलाओं की सफल नसबंदी की । शिविर में सीएचसी से डॉ अनीता रानी , डॉ वंशिका गंगवार , प्रमिला देवी, साक्षी सिंह आदि स्टाफ उपस्थित रहा ।

# सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति का शुरू किया विरोध

## प्रांतीय आह्वान पर ग्राम विकास और ग्राम पंचायत अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर किया विभागीय कार्य, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार:** प्रांतीय आह्वान पर सोमवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में सचिवों ने काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन उपस्थिति और गैर-विभागीय कार्यों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष और ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष ने सीडीओ देवयानी और डीपीआरओ को ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा सभी ब्लाकों में खंड विकास अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चार दिसंबर तक सभी सचिव काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करेंगे। पांच दिसंबर को जनपद मुख्यालय पर धरना प्रदर्शित किया जाएगा और विभागीय वाट्सएप ग्रुप छोड़े जाएंगे। ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्रवीर ने बातया कि 10 दिसंबर को सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग बंद कर भत्ते अनुसार वाहन का प्रयोग करेंगे। 15 दिसंबर को सभी सचिव भुगतान डोंगल विकास खंड कार्यालय में सहायक विकास अधिकारी को सौंपेंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान, सभी सचिवों ने अपने हाथों पर काली पट्टी बांधी इसके बाद, सचिवों ने बैनर लेकर विकास खंड परिसरों के सामने सांकेतिक प्रदर्शन भी किया। सचिवों ने स्पष्ट किया कि ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर-विभागीय कार्यों के कारण सचिवों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ गया है। इसलिए जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, यह आंदोलन जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन में सचिव राजीव यादव, करन सिंह, कमल कुमार, अरविंद गंगवार, गजेंद्र वर्मा, मनोज पटेल , मुकेश कुमार, विवेक गंगवार, पुष्पेंद्र गंगवार, मोरपाल गंगवार, नरेश राठौर, रेखा रानी गंगवार, छत्रपाल गंगवार, रहे। **शेरगढ़** में ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष विकास गंगवार प्यारेलाल यदुवंशी, नावेद खान,संजीव सिंह, श्रीपाल गंगवार, श्रीकृष्ण,विकास,सुनील मौर्य आदि रहे।

### बिथरी में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन

बिथरीचैनपुर में सचिव और ग्राम विकास अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान शिखर गुप्ता,विवेक गंगवार,मोरपाल गंगवार,युधिष्ठर सिंह,देवेंद्र सिंह,चंद्रभान सिंह,पुष्पेंद्र गंगवार,सुरेंद्र गंगवार,विपिन कुमार,छवि पटेल,कांता यादव,केशव, उज्ज्वल ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

**क्योलड़िया :** में भदपुरा विकास खंड परिसर में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अमित कुमार आर्य, पुष्पेंद्र सिंह, संगीता देवी, नरेश पाल सागर आदि रहे।

शेरगढ़ ब्लाक में प्रदर्शन करते ग्राम पंचायत सचिव। ● अमृत विचार

डीपीआरओ को ज्ञापन देते ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र वीर व अन्य।

### मीरगंज में पंचायत सचिवों ने जताया विरोध

मीरगंज में ग्राम पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी और अन्य विभागों का कार्य ग्राम सचिवों से कराने के विरोध में सोमवार को काला फीता बांधकर प्रदर्शन किया। इस दौरान गजेंद्र वर्मा, सुशील कुमार, विशाल कुमार, प्रियंका, योगेश कुमार, अमित पटेल, यश प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

बिथरी चैनपुर में प्रदर्शन करते सचिव और ग्राम विकास अधिकारी। ● अमृत विचार

### कूड़ा डालने गई महिला को घर में खींच ले गया युवक रिपोर्ट

**क्योलड़िया, अमृत विचार :** सुबह गांव के बाहर कूड़ा डालने गई महिला का हाथ पकड़कर युवक अपने घर खींच ले गया और वहां उससे छेड़छाड़ की। आरोपी के साथ उसके बेटे ने भी महिला को गाली देते हुए उसकी जगह पर कूड़ा डालने का विरोध करते हुए जातिसूचक शब्द कहे। थाना क्षेत्र के गांव भौआ बाज़ार की महिला सुबह चार बजे गांव के बाहर घर का कूड़ा सरकारी जगह पर डालने गई थी। इसी जगह पर गांव की अन्य महिलाएं भी कूड़ा डालती हैं।

इसी दौरान गांव के ही आरोपी माखनलाल ने महिला का हाथ पकड़ कर घर में उठा ले गया और छेड़छाड़ करने लगा। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने जातिसूचक गालियां देते हुए उसके साथ मारपीट की। इसमें उसके बेटे ने भी साथ दिया। महिला ने घर आकर पति को जानकारी दी। महिला ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच पडताल शुरू कर दी ।

# एसआईआर में कार्य पूरा करने पर सुपरवाइजर सम्मानित

एसआईआर में बहेड़ी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सुपरवाइजरों को सम्मानित किया

संवाददाता, बहेड़ी

**अमृत विचार :** तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम इशिता किशोर एसआईआर अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले सुपरवाइजरों को सम्मानित किया।

इस दौरान एसआईआर में शत प्रतिशत कार्य संपन्न करने वाले सुपरवाइजरों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाते दिया हैं। इस दौरान तहसील के की प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य मौजूद रहे।

### मीरगंज के 63 बूथों के बीएलओ सम्मानित

**मीरगंज, अमृत विचार :** मीरगंज विधानसभा में 30 नवंबर से पहले ही 63 बूथों के बूथ लेबल अधिकारियों (बीएलओ) ने अपने-अपने क्षेत्रों में पुनरीक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय दिया है। एसडीएम मीरगंज ने सभी बीएलओ का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र दिए हैं। इस अवसर पर तहसीलदार मीरगंज आशीष कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार, नन्हें लाल, अनिल कुमार, गिरजा शंकर तथा संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

# शाही थाने का हिस्ट्रीशीटर है लूट का शिकार सराफ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** पुलिस शुरुआती जांच में सराफ के साथ हुई लूट की घटना को उसके पूर्व के रिकार्ड को देखकर संदिग्ध मान रही है। सराफ ने इससे पहले भी 2012 में अपने साथ 7 किलो चांदी की लूट का मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन वह पुलिस की जांच में फर्जी निकला था। जिसे चार दिन बाद पुलिस ने एक्सपंज कर दिया था। इसके अलावा सराफ थाना शाही का हिस्ट्रीशीटर भी है। वह आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि कस्बा शाही के मोहल्ला ठाकुरद्वारा निवासी सुभाष रस्तोगी शाही थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसने सराफ के घर पर डकैती डाली थी, जबकि वह आर्म्स एक्ट के एक मामले में जेल भी जा चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सराफ सुभाष रस्तोगी ने 2012 में भी इसी तरीके से 7 किलो चांदी लूटने का मुकदमा लिखवाया था। जो जांच में फर्जी पाए जाने के बाद चार दिन बाद एक्सपंज कर दिया गया था। सराफ ने सोमवार को जिस जगह पर लूट का दावा किया है, वर्ष 2012 में भी वहीं पर अपने साथ लूट होना बताया था। इसके अलावा सराफ ने पुलिस को बताया कि दो बाइक पर छह बदमाश आए थे, जबकि सराफ की बेटी का कहना है कि बाइक पर तीन बदमाश थे। पुलिस सभी के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है। एसएसपी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही लुटेरों की पहचान कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सराफ के साथ मौके पर सीओ बहेड़ी डॉ. अरुण कुमार सिंह ने पुलिस के साथ जांच की। पुलिस ने आसपास के इलाकों में बदमाशों की कांबिंग की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस टीमें मामले की जांच कर रही हैं। बदमाशों की मारपीट में घायल हुए सर्राफ को सीएचसी में उपचार के लिए ले जाया गया।

शेरगढ़ शाही मार्ग पर वारदात के बाद लोगों की जमा भीड़। ● अमृत विचार

- **आर्म्स एक्ट में भी जा चुका है जेल**
- **वारदात को संदिग्ध मान रही पुलिस**
- **पुलिस कर रही जांच, किया घटना के जल्द खुलासे का दावा**

### सराफ को बचाने पहुंचे युवक से भी मारपीट

हमले के दौरान पास के गांव जिया नगला का एक व्यक्ति उन्हें बचाने पहुंचा, लेकिन आरोप है कि बदमाशों ने उसे भी पीटकर भगा दिया। वारदात के बाद सराफ के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि सूचना के करीब डेढ़ घंटे बाद शेरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची, जबकि शाही थाने की पुलिस पहले ही घटनास्थल पर पहुंच गई थी। सरेशाम हुई घटना से बाजार में दहशत फैल गई और लोग अपनी दुकानें बंद कर जल्दबाजी में घर लौटने लगे। साप्ताहिक बाजार में भगदड़ का माहौल बन गया।

# टेंडर के बाद बड़ा तालाब की सफाई अटकी

संवाददाता, नवाबगंज

- **कॉलेज प्रबंधन परिसर में अस्थायी मार्ग दे दे तो भारी मशीन से कार्य संभव**

**अमृत विचार :** नगर के बीच स्थित जेपीएन कॉलेज वाला बड़ा तालाब दशकों से साफ-सफाई के अभाव में पूरी तरह से कीचड़ से पट चुका है। स्थिति यह है कि तालाब से सटी बस्तियों की पानी निकासी व्यवस्था ठप हो गई है और गलियां गंदे पानी से भरी पड़ी हैं, ।

पालिका अध्यक्ष ने जनता को इस अव्यवस्थ से राहत देने के लिए तालाब को योजना में चयनित करवाया और 40 लाख रुपये भी मंजूर करवाए। टेंडर भी फाइनल हो गया लेकिन कार्य अभी तक शुरु नहीं किया गया है। पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर के प्रयासों से तालाब को अमृत सरोवर योजना में चयनित किया गया था। शासन से 40 लाख रुपये से अधिक की धनराशि भी अवमुक्त हो चुकी है। सफाई व सौंदर्यीकरण का ठेका भी हो चुका है, लेकिन तीन माह बीत जाने के बाद भी कोई कार्य आगे नहीं बढ़ सका। इसकी वजह तालाब तंग गलियों के बीच में है। जहां तक जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे भारी वाहन नहीं पहुंच पा रहे। इस कारण से ठेकेदार प्रारंभिक प्रयासों के बाद ही काम छोड़ने की स्थिति में आ गया है। पालिका अध्यक्ष राठौर ने बताया कि मौजूदा हालात में वे किसी अभिनव समाधान की तलाश में हैं। उन्होंने संकेत दिए कि यदि संभव हुआ तो जेपीएन कॉलेज प्रबंधन से वार्ता कर कॉलेज परिसर से होकर अस्थायी व वैकल्पिक मार्ग तैयार कराया जाएगा, ताकि भारी मशीनरी तालाब तक पहुंच सके और सफाई कार्य शुरू कराया जा सके। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही इस समस्या का समाधान निकालकर बस्ती को गंदे पानी व जलभराव की समस्या से राहत दिलाई जाएगी।

## न्यूज डायरी

### कैबिनेट मंत्री ने गौशाला का किया निरीक्षण

**आंवला, अमृत विचार :** पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद के गांव भीमपुर स्थित गौशाला का निरीक्षण किया। मंत्री ने गौवंश की पूजा-अर्चना कर और उन्हें गुड़ खिलाया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे कम से कम एक गाय अवश्य पालें और दूध निकालने के बाद गायों को खुले में न छोड़ें। मंत्री ने अधिकारियों को गौशाला में नियमित साफ-सफाई और निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने गौशाला की टूटी हुई बाउंड्रीवाल को शीघ्र बनवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि गौवंश को किसी भी हालत में भूखा न छोड़ा जाए और अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई तेज की जाए। मंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि पशुपालन और गौसेवा को खेती का अहम हिस्सा मानते हुए सतत प्रयास जारी रखे जाएं।

### आंवला में की गयी बाबा श्याम की प्राण प्रतिष्ठा

**आंवला, अमृत विचार :** कस्बा के मोहल्ला पक्का कटरा स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर में बाबा श्याम भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। सोमवार को भक्तों ने भव्य निशान यात्रा निकाली। इस दौरान भक्तों ने श्री श्याम बाबा के जयकारे लगाते हुए नगर का वातावरण भक्तिमय बना दिया ।निशान यात्रा ठाकुरद्वारा से आरंभ होकर महाराजपुरम, रामनगर रोड, छोटी बाजार, भुर्जी टोला होते हुए पुन : पक्के कटरा स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान भक्त खाटू श्याम के भजनों पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम में मंदिर महंत संजीव शर्मा, मिंटू शर्मा, लल्ला शर्मा, नितिन अग्रवाल, अंकित गर्ग, गोपाल गुप्ता, पीयूष शर्मा, लालू शर्मा, सचिन अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, कपूर बाबू गुप्ता समेत भारी संख्या में श्याम भक्त उपस्थित रहे।

### द्वारिकेश मिल ने 2198.94 लाख का किया भुगतान

**बरेली, अमृत विचार :** द्वारिकेश चीनी मिल ने इस पेराई सत्र में 24 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने का किसानों को 2198 .94 लाख रुपये का भुगतान सोमवार को कर दिया। चीनी मिल अब तक 4377 .13 लाख रुपये का गन्ना मूल्य का भुगतान कर चुकी है। मिल प्रबंधन ने किसानों को चीनी मिल की चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताते हुए अधिक से अधिक क्षेत्र में गन्ने की बुवाई करने का अनुरोध किया है। साथ ही साथ चीनी मिल को साफ-सुथरा और ताजा गन्ना ही आपूर्ति करने की अपील की।

### वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण को लगा शिविर

**नवाबगंज, अमृत विचार :** वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराने की प्रक्रिया की समय सीमा निकट होने से सोमवार को कस्बे में विशेष कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मुतवल्लियों ने सहभागी बनकर अपनी वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण कराया ।नगर स्थित हाजी जमील स्कूल में आयोजित इस कैम्प में ग्राम गरगैया, रसूला तालिब हुसैन, बहोरनगला सहित कस्बे की कई मस्जिदों के मुतवल्लियों ने दस्तावेज़ों के साथ पहुंचकर अपनी संपत्तियों का ऑनलाइन पंजीयन कराया। कैम्प में अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन के सदर असलम अंसारी, एजाज़ अहमद, आफाक आलम, इस्तेखार हुसैन, रियाजउद्दीन, पूर्व प्रधान मो. हारून, जावेद अख्तर, मेराज अहमद, यासीन खां, इकरार भाई, हाजी अशफाक अहमद अंसारी, अरशद अंसारी आदि मौजूद रहे।

# छात्र-छात्राओं ने सिंबल बनाकर विश्व एड्स दिवस मनाया

मीरगंज में छात्र छात्राओं ने एड्स सिंबल बनाया ● अमृत विचार

एड्स दिवस पर जागरूकता संगोष्ठी करते रूहेलखंड पीएचसी के डाक्टर।

कार्यालय संवाददाता, मीरगंज

**अमृत विचार :** स्वामी दयानन्द सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परोरा में छात्र-छात्राओं ने इकट्ठा होकर एड्स सिंबल बनाकर जागरुक किया।

कॉलेज के प्रधानाचार्य आदेश पाल गंगवार ने बताया कि एचआईवी पॉजिटिव लोगों को अपनी बीमारी नहीं छुपाना चाहिए, जिससे समय से उसका उपचार हो जाये तभी हमारा देश एड्स मुक्त होगा।कॉलेज के निदेशक पंकज गंगवार ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जागरूक करना था जो इस बीमारी से पीड़ित हैं इस मौके पर प्रबंधक डॉ सत्यवीर गंगवार ,राजेश गंगवार, देवेश, नीलम, सुनीता गंगवार, लक्ष्मण, नूतन लाल, संजीव गंगवार, राकेश पाठक, योगेंद्र गंगवार, प्रेमप्रकाश, अनुज, लाल बहादुर, सुरेंद्र, यशवीर, ओमेन्द्र, रेवतीनंदन आदि रहे। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सोमवार को अनुबिस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक करना, इससे बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा समाज में फैल रही गलत धारणाओं को दूर करना था। इस अवसर पर गया राम ,अंश, रितु यादव, प्रेम वर्मा, उपासना मिश्रा, स्वाति विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने लोगों को एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की।रैली के दौरान छात्रों ने पोस्टर, नारे और पर्चों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित जीवनशैली अपनाने, जागरूक रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने का संदेश दिया।

### एड्स से बचने के लिए संयम की आवश्यकता

**रिठौरा।** विश्व एड्स दिवस के मौके पर सोमवार को नगर के रूहेलखंड मेडीकल कॉलेज में अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ रश्मि कात्याल के नेतृत्व में विशेष जन-जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ अनिकेत शुक्ला ने एड्स के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की। एड्स से बचने के लिए संयम की आवश्यकता है। इस मौके पर डॉ वीर वैभव चौहान, डा. नैन्सी, डा.निखिल सक्सेना, डा.पुनिका अग्रवाल, डा. निशा, डा. सलिन, डा. प्रांजल महेश्वरी, डा.पुनिका अग्रवाल, डा. सलिन यादव, डा.रोशन, डा. सार्थक गुप्ता ने भी संगोष्ठी में अपने -अपने विचार रखे। इस मौके पर कासिम हुसैन, कुलदीप गंगवार, अनिल कुमार, पूजा शर्मा, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

# बसों का समय निर्धारित न होने से ग्रामीण परेशान

संवाददाता, शेरगढ़

बरेली से शीशगढ़ और शेरगढ़ को चार-चार बसें चलाई जा रही हैं। इस समय बसों को पर्याप्त यात्री भी नहीं मिल पा रहे हैं। यात्रियों के मुताबिक बसों को बढ़ाया जाएगा। क्षेत्र वासियों की मांग के अनुरूप बसों के आने जाने के समय का निर्धारण (टाईम टेबल) में परिवर्तन किया जाएगा। - ए .के .वाजपेई ,एआरएम रोहिलखंड बरेली

**अमृत विचार :** इलेक्ट्रिक बस सेवा बंद होने के बाद से क्षेत्र में परिवहन की समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है। बरेली से फतेहगंज पश्चिमी, शाही और शेरगढ़ के रास्ते बहेड़ी को रोडवेज बस सेवा की व्यवस्था भी लोगों के लिए नाकाफी साबित हो रही है। सबसे बड़ी समस्या बसों का समय निर्धारण नहीं होने के चलते आ रही है। क्षेत्र वासियों ने परिवहन विभाग के अधिकारियों से बरेली-शेरगढ़-बहेड़ी रोड पर बसों की संख्या बढ़ाने के साथ ही बसों का (टाइम टेबल) समय निर्धारण की मांग की है।

बीते 2 वर्ष पहले बरेली से शेरगढ़ को शुरु इलेक्ट्रिक बस सेवा अचानक बंद कर दी गई है विधायक डा. डीसी वर्मा के प्रयास से जनता की सुविधा के लिए तत्काल रोडवेज बस सेवा शुरू की गई। लेकिन यह सेवा क्षेत्र वासियों के लिए बाधा बनी है। इन बसों की कोई समय सारिणी नहीं होने डग्गामार वाहनों पर ही लोग आवागमन करने को मजबूर हो रहे हैं। भगवान दास गंगवार का कहना है कि शेरगढ़ से बहेड़ी और बरेली को बड़ी संख्या में लोग तहसील और कलेक्ट्रेट स्कूली बच्चे भी स्कूल कॉलेजों में पढ़ाई के लिए पहुंचते हैं। व्यापारी भी शेरगढ़ से उत्तराखंड और बरेली आदि को जाते हैं। लेकिन इलेक्ट्रिक बस बंद होने से व्यापारियों को जोर का झटका लगा है। अब रोडवेज बस सेवा व्यवस्थित नहीं होने से समस्या आड़े आ रही है। बसों की संख्या भी पर्याप्त नहीं होने से दिक्कत पैदा हो रही है। क्षेत्र वासियों की मांग है कि बरेली से शेरगढ़ होते हुए बहेड़ी मार्ग पर बसों की संख्या में इज़ाफा करते हुए बसों के आने-जाने का समय निर्धारण किया जाए । क्षेत्रवासी दिनेश शर्मा, डॉ नत्थूलाल गंगवार, धर्मेन्द्र कुमार मौर्य, हीरेंद्र गंगवार, आदेश गंगवार, प्यारेलाल यदुवंशी,नत्थू लाल कश्यप,राजीव बाजपेई, ओम प्रकाश चंद्रा, आदि ने समस्या समाधान की मांग की है।

### घंटों इंतजार के बाद भी नहीं चलती बस

**शीशगढ़ ,अमृत विचार :** कस्बे से बरेली के चलने वाली रोडवेज बसों का समय निर्धारित न होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ई- बसों के बंद होने के बाद से कस्बे से बरेली आने जाने के लिए दस रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों के संचालन का समय निर्धारित न होने से यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बस न आने के कारण यात्रियों को डग्गामार वाहनों से अपने गंतव्य स्थान पर जाना पड़ता है।

**ब्रीफ न्यूज**

### हॉस्टल में लटका मिला छात्र का शव

**भुवनेश्वर।** ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान में रविवार रात एक कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह पिछले नौ महीनों में इस संस्थान में तीसरी आत्महत्या की घटना है। पुलिस ने बताया कि बीती रात आत्महत्या करने वाला छात्र राहुल यादव छत्तीसगढ़ का रहने वाला था। हॉस्टल में मृतक के कमरे का दरवाज़ा खोलने के बाद उसका शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने कहा कि मृतक का शव पंखे से लटका हुआ मिला। इसी संस्थान के हॉस्टल में 16 फरवरी को इंजीनियरिंग की एक 20 वर्षीय नेपाली छात्रा का शव उसके कमरे के पंखे से लटका मिला था।

### हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

**अमृतसर।** पंजाब में, काउंटर इंटेलिजेंस-अमृतसर ने पाकिस्तान से जुड़े एक क्रॉस–बॉर्डर नारकोटिक्स स्मगलिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 25 करोड़ रुपये की पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान–बेस्ड हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहा था, और उसने बॉर्डर पार से नारकोटिक्स कंसाइनमेंट हासिल किया था।

# ईसी ने बंगाल, तमिलनाडु में मताधिकार से वंचित करने के दावों को अतिरंजित बताया

## विशेष गहन पुनरीक्षण में आरोपों को लेकर उच्चतम न्यायालय में निर्वाचन आयोग ने रखा अपना पक्ष

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- कहा-मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाने के आरोप राजनीति से प्रेरित

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में मतदाता सूचियों के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उच्चतम न्यायालय में दृढ़ता से बचाव करते हुए कहा कि वास्तविक मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए जाने के आरोप अतिरंजित, अटकलों पर आधारित तथा राजनीति से प्रेरित हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें क्रमशः तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराए जाने को चुनौती दी गई थी।

शीर्ष अदालत में अलग-अलग हलफनामे दाखिल करते हुए निर्वाचन आयोग के सचिव पवन दीवान ने एसआईआर कराने के आयोग के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया। टीएमसी की सांसद डोला सेन और अन्य की याचिका पर 26 नवंबर को दायर 81 पृष्ठों के जवाबी हलफनामे में निर्वाचन आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल में व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित करने का आरोप निहित राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए लगाया जा रहा है। इसमें कहा गया, यह निवेदन किया जाता है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16, 19 और 22 के साथ अनुच्छेद 324 और 326 के नियम 21 ए के साथ सामंजस्यपूर्ण अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि भारत निर्वाचन आयोग को संवैधानिक मताधिकार प्रदान करने के लिए मतदाताओं की नागरिकता सहित पात्रता का आकलन करने की शक्तियां प्राप्त हैं। एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में जारी दिशानिर्देश संवैधानिक हैं और मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के हित में हैं, जो स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए एक पूर्वापेक्षा है और संविधान की एक मूलभूत विशेषता है।

आयोग ने कहा कि इस तरह के संशोधन करने की उसकी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 और 326 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियमों के विभिन्न प्रावधानों में दृढ़तापूर्वक निहित हैं। अपने हलफनामों में निर्वाचन आयोग ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के सभी चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण भारत निर्वाचन आयोग में निहित है।" इसमें कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधान मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने से संबंधित सभी मामलों में निर्वाचन आयोग के पूर्ण अधिकार का आधार है। हलफनामों में कहा गया है कि वर्तमान एसआईआर 24 जून और 27 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के तहत संचालित की जा रही है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुच्छेद 324 और धारा 21(3) के तहत आयोग को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया गया है।

### बीस वर्षों के अंतराल पर किया जा रहा एसआईआर




दो अलग–अलग हलफनामों में, निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु में एसआईआर का बचाव किया। आयोग ने दोहराया कि देशव्यापी एसआईआर 20 वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद किया जा रहा है। अखिल भारतीय एसआईआर की शुरुआत 24 जून के आदेश के माध्यम से बिहार से हुई थी। इसके अनुसार, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों को शामिल करते हुए, चरण–2 की शुरुआत 27 अक्टूबर को एक अनुवर्ती आदेश के बाद हुई। इसमें कहा गया है कि यह न्यायालय तमिलनाडु राज्य में बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित किए जाने और एसआईआर के अनुचित कार्यान्वयन की आशंका के संबंध में वर्तमान रिट याचिका में याचिकाकर्ता के अत्यधिक अटकलबाजीपूर्ण और अतिरंजित तर्कों को स्वीकार करने में अनिच्छुक होगा।

# केंद्रीय सहायता न मिलने से हिमाचल में वित्तीय संकट

**धर्मशाला/शिमला, एजेंसी**

- मुख्यमंत्री बोले-विधायकों को वेतन-भत्ते के लिए करना होगा इंतजार
- केंद्र सरकार से वित्तीय मदद मिलने पर हो सकता है भुगतान : सुक्खू

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा है, इसलिए विधायकों को स्थानीय क्षेत्र विकास निधि की तीसरी किस्त और बढ़े हुए वेतन-भत्तों को प्राप्त करने के लिए इंतजार करना होगा। विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर द्वारा विधायकों को स्थानीय क्षेत्र विकास निधि जारी न किए जाने पर उठाए गए व्यवस्था के प्रश्न का जवाब देते हुए सुक्खू ने कहा कि यह निधि विधायकों का विशेषाधिकार है, लेकिन सरकार तीसरी किस्त जारी करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसके वित्तीय संसाधन सीमित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह विधायकों की चिंता से अवगत हैं, चूंकि धन की समस्या है, इसलिए विधायकों को इस महीने भी बढ़े हुए वेतन और भत्ते नहीं मिल पाएंगे। सुक्खू ने कहा कि अगर राज्य को केंद्र से वित्तीय सहायता मिलती है, तो विधायकों को तीसरी किस्त जारी की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने हिमाचल प्रदेश के राजस्व घाटा अनुदान को 11,000 करोड़ रुपये से घटाकर 3,200 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश द्वारा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने के बाद केंद्र ने राज्य की उधार सीमा घटाकर 4,800 करोड़ रुपये कर दी है और 1,600 करोड़ रुपये का एक अन्य अनुदान भी रोक दिया गया है।

### केंद्र के समक्ष उठाया था भुगतान का मुद्दा

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने विवेकपूर्ण तरीके से सभी गैर–जरूरी खर्चों में कटौती की है, ताकि वह वेतन और पेंशन का भुगतान जारी रख सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अनुदान और ऋण सीमा में कटौती का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाया था, लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूछा कि जब अन्य राज्यों में इसे बंद किया जा रहा है, तो हिमाचल प्रदेश सरकार ने ओपीएस को फिर से क्यों शुरू किया है।

# नौसेना के पास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव

**पुणे, एजेंसी**

- जनरल बी.सी. जोशी मेमोरियल व्याख्यान में बोले नौसेना प्रमुख


एडमिरल दिनेश त्रिपाठी।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी भारतीय नौसेना के पास नहीं हैं जिनमें प्रणोदन प्रणाली, एयरो इंजन, पानी के अंदर कार्य करने वाली विशिष्ट क्षमताएं शामिल हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने छात्रों से इस कमी या विषमता को दूर करने में मदद करने का आग्रह किया।

एडमिरल त्रिपाठी ने समुद्री शक्ति और आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार देना एक भारतीय नौसेना परिप्रेक्ष्य नामक विषय पर जनरल बी.सी. जोशी मेमोरियल व्याख्यान देते हुए यह बात कही। इसका आयोजन सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया था। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि नौसेना ने इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस कार्यक्रम में 198 नवाचारों का नेतृत्व किया। कहा कि हमने कई क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन कुछ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां आज भी हमसे दूर हैं।

# वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम इन्कार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें।

हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। इससे पहले एक वकील ने कहा था कि वक्फ के अनिवार्य पंजीकरण की छह महीने की अवधि समाप्त होने वाली है। उच्चतम न्यायालय ने 15 सितंबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र ने दुरुपयोग को देखते हुए 'वक्फ बाय यूजर' प्रावधान को हटा दिया और प्रत्याशित रूप से यह 'मनमाना' नहीं था। वक्फ बाय यूजर से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो।

### असम में विशेष संक्षिप्त संशोधन कराने के चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती



**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें असम में चुनाव नामावली का केवल विशेष संक्षिप्त संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिहार सहित 12 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन कराया जा रहा है। यह याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल चौधरी ने दायर की है। याचिका में 17 नवंबर को जारी चुनाव आयोग के आदेश पर सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि जहां एक ओर छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन संशोधन का निर्देश दिया गया है, वहीं असम में कम स्तर का संशोधन चुना गया है। यह फैसला आयोग के अपने ही रुख के खिलाफ है। बिहार में एसआईआर के आदेश और सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा था कि पूरे देश में विशेष गहन संशोधन किया जाएगा। पूर्व असम गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिन्हा की रिपोर्ट और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री इंद्रजीत गुप्ता के बयानों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि 1997 में ही असम में 40 से 50 लाख अवैध घुसपैठिए थे।

### आपदा तैयारियों के मुद्दे पर केंद्र को नोटिस

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब चार हफ़्तों के भीतर दिया जाए।

### सेना की गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान भेजने में गिरफ्तार

**जयपुर।** राजस्थान सीआईडी की जयपुर इकाई ने भारतीय सेना से संबंधित सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं एकत्रित कर उन्हें पाकिस्तानी आकाओं को भेजने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, पंजाब के फिरोजपुर निवासी प्रकाश सिंह उर्फ बादल को श्रीगंगानगर जिले से पकड़ा गया। महानिरीक्षक प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि सीआईडी, पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों की सतत निगरानी कर रही थी तभी पता चला कि प्रकाश सिंह उर्फ बादल सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और राजस्थान, पंजाब एवं गुजरात क्षेत्रों से सेना से संबंधित गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी आकाओं को भेज रहा था।

IS15700:2018

**उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद**
**कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक**
**122, सिविल लाइन्स, बरेली**

**सर्व साधारण को सूचना**

परिषद की राजेन्द्र नगर योजना सं0-2, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-ए-1187 आवास विकास परिषद द्वारा श्री हरी मुरारी अग्रवाल को आवंटित किया गया था। श्री हरी मुरारी अग्रवाल द्वारा अपना मुख्यारेआम श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी श्री चरनजीत भाईखेल को नियुक्त कर दिया श्रीमती सुदेश कुमारी द्वारा मुख्यारेआम के आधार पर भूखण्ड का विक्रय श्री चरनजीत भाईखेल पुत्र स्व0 श्री आयाराम को कर दिया गया। श्री चरनजीत भाईखेल पुत्र स्व0 श्री आयाराम द्वारा पंजीकृत वसीयत श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में कर दी थी। अब श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री चरनजीत भाईखेल की मृत्यु दिनांक 17.6.2023 को हो चुकी है तथा उनकी मृत्यु उपरान्त वसीयत के आधार पर भूखण्ड का अन्तरण अपने पक्ष में कराने हेतु परिषद नियमानुसार निम्न प्रपत्र ऑनलाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं।

अतः एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है राजेन्द्र नगर यो0सं0.2, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-ए-1187 का अन्तरण श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0-ए-1187 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से
सम्पत्ति प्रबन्धक

**कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा**

पत्रांक : 1521/30-1/नि०नि० 2025-2026/ दिनांकः 01 दिसम्बर, 2025

**कोटेशन सूचना**

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम अल्मोड़ा क्षेत्रान्तर्गत बन्ध्याकरण हेतु बंदरों को पकड़कर वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाये जाने हेतु इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों के कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। कोटेशन की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी दिनांक 02.12.2025 से 17.12.2025 तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा के वन अनुभाग से तक प्राप्त की जा सकती है। कोटेशनदाताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित कोटेशन दिनांक 18.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाले कोटेशनों पर विचार नही किया जायेगा। प्राप्त कोटेशन तद्दिनांक को अपराह्न 2:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं व नगर आयुक्त नगर निगम अल्मोड़ा तथा मा० महापौर नगर निगम अल्मोड़ा द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष के सम्मुख खोले जायेंगे। कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को निहित होगा।

नगर आयुक्त, नगर निगम, अल्मोड़ा — महापौर, नगर निगम, अल्मोड़ा

**राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)**
**National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)**
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार | Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Govt. of India
NIELIT Extn. Centre, Pilibhit, Uttar Pradesh-262001 | विस्तार केंद्र, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश-262001, Phone/दूरभाष- 05882-299295

सीनियर रिसोर्स पर्सन (एस एण्ड टी) (सीएस/आईटी), सीनियर रिसोर्स पर्सन (एस एण्ड टी) (इलेक्ट्रॉनिक्स), फ्रन्ट ऑफिस काउन्सलर (एफ ओ सी) एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर के पदों हेतु वॉक–इन–इंटरव्यू पूर्णतः अनुबंध आधार पर

पात्र उम्मीदवार उपर्युक्त पदों के लिए 05 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे (रिपोर्टिंग समय) तक, एनआईईएलआईटी एक्सटेंशन सेंटर पीलीभीत, ड्रमंड गवर्नमेंट इंटर कॉलेज कैम्पस, निकट गौहनिया चौराहा, पीलीभीत–262001 (उ.प्र.) पर वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए उपस्थित हो सकते हैं। पद पूर्णतः संविदा के आधार पर हैं जोकि प्रारम्भ में 01 (एक) वर्ष की अवधि के लिए तथा आगे का अवधि विस्तार सक्षम प्राधिकारी की आवश्यकता, प्रदर्शन एवं विवेकानुसार है। पद का नाम, पदों की संख्या, पात्रता, आयु सीमा तथा मासिक परिलब्धियाँ आदि के विवरण हेतु https://www.nielit.gov.in/gorakhpur/recruitments अथवा https://www.nielit.gov.in/lucknow/recruitments देखें। उम्मीदवारों को 05 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए उपस्थित होने से पहले पात्रता मानदंड एवं नियम और शर्तों की सावधानीपूर्वक समीक्षा कर लेनी चाहिए।

विज्ञापन सं- NHQ-12/23/2024-NIELIT (3149791) — निदेशक

### पश्चिम बंगाल : बीएलओ के प्रदर्शन के बीच सीईओ कार्यालय के बाहर तनाव

**कोलकाता।** प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध में नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी। पुलिस ने शुभेंदु के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए। समिति के सदस्य बीएलओ के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

# नए सभापति सभी को दें बोलने का अवसर

**नई दिल्ली, एजेंसी**



राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया।

राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सितंबर में चंद्रपुरम पोनुसामी (सी. पी.) राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको बधाई देता हूं और भरोसा है कि इस सदन का हर सदस्य इसकी परंपराओं का सम्मान करेगा और आपकी गरिमा को बनाए रखेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के एचडी देवेगौड़ा ने उम्मीद जतायी कि वह इस सदन की लम्बी परंपरा के अनुसार इसका संचालन करेंगे। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। द्रमुक के तिरुचि शिवा, आप के राघव चड्ढा, माकपा के जान ब्रिटास, जद(यू) के रामनाथ ठाकुर, सपा के जावेद अली खान, राकंपा के प्रफुल्ल पटेल और राकंपा (एसपी) की फौजिया खान ने सभापति से सदन में बोलने देने की उम्मीद जताई।

### डब्ल्यूएमओ को हवाईअड्डे पर जीपीएस स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने का सरकार ने दिया निर्देश

**नई दिल्ली।** सरकार ने सोमवार को कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' होने की खबर है, और वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) को 'स्पूफिंग' के स्रोत का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने राज्यसभा को बताया कि कुछ उड़ानों ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस–पास जीपीएस स्पूफिंग की सूचना दी, जब वे रनवे 10 पर पहुंच रहे थे, और जीपीएस आधारित विमान उतारने की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहे थे। नायडू ने कहा, दूसरे रनवे पर, जहां पारंपरिक नौवहन प्रणाली चालू थी, उड़ानों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे हवाई अड्डा है।

### चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन की तैयारी में विपक्षी दल

**नई दिल्ली।** विपक्षी गठबंधन के घटक दल संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सांसद मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में हैं। विपक्षी सदस्यों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। विपक्षी दलों के नेताओं ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की।

### ईडी ने मसाला बॉण्ड मामले में सीएम विजयन व इसाक को भेजा नोटिस

**नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम।** ईडी ने केआईआईएफबी मसाला बॉण्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन से संबंधित कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत यह नोटिस 12 नवंबर को जारी किया था। उन्होंने बताया कि यह नोटिस केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) व उसके प्राधिकारियों द्वारा फेमा प्रावधानों और आरबीआई के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ है। केआईआईएफबी के अध्यक्ष के रूप में विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री इसाक व केआईआईएफबी के सीईओ अब्राहम के अलावा संस्थान को भी नोटिस जारी किए गए हैं।

**अनुमान रिपोर्ट** — सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक एड्स संबंधी मौतें 80 प्रतिशत घटीं

# 2010 से एचआईवी संक्रमितों में 48 .7 प्रतिशत की कमी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारत में 2010 से 2024 के बीच एचआईवी संक्रमण के नए वार्षिक मामलों में 48.7 प्रतिशत और एड्स से संबंधित मौतों में 81.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

सरकार ने यह आंकड़ा जारी किया है। इन आंकड़ों से यह भी पता चला है कि माताओं से बच्चों में एचआईवी संक्रमण के मामलों में 74.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत एचआईवी अनुमान 2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एचआईवी महामारी राष्ट्रीय स्तर पर कम बनी हुई है, और नए संक्रमण तथा एड्स से संबंधित मौतें वैश्विक औसत की तुलना में तेजी से घट रही हैं। इसके बावजूद, कुछ राज्यों में संभवतः टीके के जरिए नशीली दवाओं के उपयोग और लापरवाह यौन व्यवहार के कारण संक्रमण में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2030 तक एचआईवी-एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य 3.3 को प्राप्त करने की राह पर है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में एचआईवी (पीएलएचआईवी) से पीड़ित लगभग 25.61 लाख लोग हैं। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 3.99 लाख मरीज हैं। आंध्र प्रदेश (3.10 लाख) और कर्नाटक (2.91 लाख) भी प्रमुख रूप से प्रभावित हैं। कुल संक्रमितों में 13.97 लाख पुरुष और 11.64 लाख महिलाएं हैं।



विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान के तहत कोलकाता में सार्वभौमिक प्रतीक लाल रिबन के चारों ओर दीये जलाते हुए युवा।

### देश में 74 प्रतिशत रोगी नौ राज्यों में

उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, बिहार, गुजरात और पंजाब में एक लाख से दो लाख पीएलएचआईवी दर्ज किए गए हैं। इन नौ राज्यों में देश के कुल पीएलएचआईवी रोगियों का 74 प्रतिशत हिस्सा है। एक अधिकारी ने बताया कि आइजोल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मिजोरम में अक्टूबर 1990 में पहली बार एड्स का मामला सामने आने के बाद से अब तक 5,600 से अधिक लोगों की मौत एड्स से हो चुकी है। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मिजोरम स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी की परियोजना निदेशक जेन आर. राल्टे ने बताया कि अब तक राज्य में 33,641 लोग एचआईवी से संक्रमित हो चुके हैं। राल्टे ने कहा कि कुल 33,641 संक्रमितों में से 5,600 से अधिक लोग इस वायरस से जुड़ी जटिलताओं के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं।

# कुमार के समोसे : 2 पैसे से लेकर 10 रुपये तक का सफर

सिनेमा प्रेमियों को शायद अब भी याद होगा... एक समय था जब शहर के तमाम सिनेमा हालों में इंटरवल के समय आवाज लगा करती थी-कुमार के समोसे, ले लो भाई कुमार के समोसे....आज वक्त बदल गया, सिनेमा हाल खामोश हैं, एक-एक कर लगभग सभी हाल बंद हो चुके हैं और वहां नए-नए व्यवसाय खुल गए हैं या खुलने की तैयारी में हैं। लेकिन कुमार के समोसे आज भी मौजूद हैं और जो इसके मुरीद हैं वह आज भी कुतुबखाना आते हैं तो समोसे खाए बिना नहीं रहते।

इन समोसों की यात्रा भी कम रोचक नहीं है। जगह वही, भट्टी वही और मसाले वही, लेकिन समोसों की यात्रा अभी भी अनवरत जारी है। इसके प्रेमी आज भी हैं। आज इस दुकान को तीसरी पीढ़ी के दीपक गुप्ता संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज से लगभग 70 साल पहले नंदूलाल गुप्ता ने तख्त और एक छोटी सी भट्टी के साथ दुकान खोली थी। 2 पैसे में एक समोसे के साथ यह लोगों की पसंद बना और आज 10 रुपये में एक समोसा हाथों-हाथ बिक रहा है। इस समोसे की खासियत यह है कि इसमें तीन तरह के मसाले इस्तेमाल होते हैं जिन्हें घर पर ही तैयार किया जाता है। आम नमक की जगह काले नमक का इस्तेमाल होता है जो इसे नया लुक देता है। इन मसालों का राज दीपक गुप्ता ने नहीं बताया लेकिन मसालों की शुद्धता की गारंटी जरूर दी।

सुबह करीब 11.30 से रात 8.30 तक आप यहां आकर समोसों का आनंद ले सकते हैं। दुकान आज भी कुमार सिनेमा परिसर में ही है और नंदूलाल गुप्ता के सपनों को उनकी यह पीढ़ी बखूबी संभाल रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि एक समय दुकान पर इतनी भीड़ रहती थी कि लोगों को समोसों के लिए लाइन लगानी पड़ती थी। तंग गलियों में मौजूद जगत सिनेमा और हिंद सिनेमा तक कुमार के समोसे बेचे जाते थे। लोग इंटरवल के समय कुमार के समोसों का इंतजार करते थे। बड़ी सी भट्टी पर बढ़ी सी कढ़ाई चढ़ी रहती थी और समोसे लगातार सिकते रहते थे। भट्टी आज भी वही है और समोसे आज भी लगातार सिकते रहते हैं। समय का चक्र बदला लेकिन आज भी लोग कुमार के समोसों के मुरीद हैं और थैलियां भर-भर कर घर भी ले जाते हैं। अगर आप भी इन समोसों का आनंद लेना चाहते हैं तो आपको भी कोतवाली के पास कुमार सिनेमा तक आना होगा।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

# अजंता स्वीट्स:1986 से अब तक एक ही स्वाद

अजंता स्वीट्स, बस नाम ही काफी है। 1986 में राम अवतार आहूजा ने एक बड़ा सपना लेकर शहामतगंज के कालीबाड़ी रोड पर पुलिस चौकी के सामने छोटी सी दुकान खोली थी। उस वक्त उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं रहा होगा कि आगे चलकर इसकी जड़ें इतनी गहरी हो जायेंगी कि मिठाइयों की दुनिया में इसकी ख्याति चारों ओर फैल जायेगी। आज यह शहर ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। शुरु में यह बेकिंग उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। आज यह दुकान अपनी स्वादिष्ट मिठाइयों और बेकरी उत्पादों के लिए जानी जाती है। राम अवतार आहूजा के बेटे अमित आहूजा से आज विकास भवन के सामने रामपुर गार्डन में उनकी आलीशान दुकान में मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि छोटे स्तर से काम शुरु करते वक्त उनके पिता को कई साल तक संघर्ष करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज इसी का फल है जो अजंता स्वीट्स लोगों में अपनी पहचान बना चुका है। उनका कहना है कि अगर लक्ष्य साफ हो और उसमें मजबूत इच्छा शक्ति हो तो राह आसान होती चली जाती है। इसी का नतीजा है जो आज यह करोड़ों के सालाना टर्नओवर के साथ अजंता स्वीट्स से इंड्स अजंता प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन चुकी है।

अमित ने बताया कि अजंता स्वीट्स के आउटलेट लखनऊ और रामपुर में भी हैं। इसके अलावा पीलीभीत व पूरनपुर में फ्रेंचाइजी के साथ ही बरेली में 15 विभिन्न जगहों पर आमजन की पहुंच अजंता स्वीट्स तक है। इसकी मदर यूनिट आज भी शहामतगंज वाली ही है। रामपुर और लखनऊ के अलावा बरेली में इसके तीन आउटलेट हैं। उन्होंने बताया कि हम गुणवत्ता और शुद्धता का पूरा ध्यान रखते हैं। शहर में मिठाइयों आदि की आपूर्ति के लिए हमने एक बेस किचन डोहरा रोड पर स्थापित किया है। यहीं से सभी जगह मिठाइयां और नमकीन की आपूर्ति की जाती है।

अमित आहूजा ने जब से कंपनी की बागडोर संभाली है वह इसे नई उंचाइयों की ओर ले जाने को नित नई सोच के साथ प्रयास करते रहते हैं। अजंता की सबसे प्रसिद्ध मिठाइयों में देसी घी की सोन पापड़ी और बेसन की बनी पतीसा सोन पापड़ी है। इसकी काफी डिमांड रहती है। नमकीन में हींग वाली देसी घी से बनी काजू दालमोंठ भी लोगों की पसंद बन चुकी है। स्थानीय स्तर पर जमेटो से आप इन्हें घर पर भी मंगा सकते हैं। आनलाइन मंगाने के लिए कंपनी ने अमेजन से टाईअप किया है। अजंता के दो लोकप्रिय आइटम और हैं इनमें से एक जूली नाम की बंगाली मिठाई तो दूसरी गुजराती डिस ढोकला है। बेकरी और कन्फेक्शनरी में भी अजंता के पास ढेरों उत्पाद हैं। अब तो अजंता ने कई जगह चाट कार्नर भी खोल लिए हैं।

अजंता स्वीट्स की दुकान में सबसे कम रेट वाली मिठाई पेठा है जो 340 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। यहां की सबसे महंगी मिठाई पिस्ते वाली लौज है जो 4500 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। इसका स्वाद लाजवाब है। नार्मल मिठाई मिक्स में 640 रुपये प्रति किलो आप खरीद सकते हैं। दुकान पर कई प्लेवर की आइसक्रीम का भी आप आनंद ले सकते हैं। गिफ्ट पैक भी यहां उपलब्ध हैं। अजंता स्वीट्स पर अभिनेता विक्रम कोचर, आयुष्मान खुराना के भाई अपार शक्ति खुराना और कुमुद मिश्रा भी आ चुकी हैं। कुल मिलाकर अजंता स्वीट्स का सफर अभी जारी है और इनके मौजूदा के डायरेक्टर अमित आहूजा इसकी पहचान पूरे देश और विदेश में भी पहुंचाने की मंशा के साथ काम कर रहे हैं।

बरेली शहर अपने पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध विरासत को संजोए हुए है, साथ ही आधुनिक खान-पान के तौर-तरीकों को भी खुले हाथों अपना रहा है। बरेली की गलियों में आज भी वही पुरानी खुशबू मिलती हैं, जो पीढ़ियों से लोगों को अपनी ओर खींचती रही हैं। बड़ा बाज़ार और श्यामगंज की गलियों में मिलने वाली चटपटी चाट, आलू टिक्की और पानी-पूरी का मज़ा लेने के लिए शाम होते ही भीड़ उमड़ पड़ती है। परंपरा की बात आती है तो यहाँ के कबाब सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि मुगलई और अवधी व्यंजनों की सदियों पुरानी विरासत का हिस्सा हैं। बरेली के पारंपरिक कबाब अपनी अनूठी खुशबू, मसालों के संतुलन के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ साथ युवा वर्ग की पसंद ने अपनी अलग पहचान बनायी है। युवाओं को लुभाने के लिए बरेली में कई नए और ट्रेंडी रेस्तरां और कैफे खुल गए हैं। डोमिनोज, पिज्जा हट और केएफसी जैसे बड़े फास्ट-फूड चेन ने शहर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। पाम बिस्ट्रो, क्वालिटी रेस्टोरेंट, पिंड बलूची, कासा डिवाइन, कार्विंग 24X 7 जैसे नए रेस्टोरेंट युवा वर्ग की पसंद बन रहे हैं।

# दीनानाथ की कुल्हड़ वाली लस्सी

दूध-दही नहीं, सीधे लस्सी और वह भी दीनानाथ की। आप नावल्टी आएं और दीनानाथ की लस्सी का स्वाद न लें यह तो हो नहीं सकता। 1962 में स्थापित यह ठिकाना नॉवल्टी चौराहा, सिविल लाइंस में पुराने बस अड्डे के पास है और अपनी पारंपरिक लस्सी के लिए जाना जाता है। दुकान में कई प्रकार की लस्सी हमेशा उपलब्ध रहती है। इसमें सादा और स्पेशल लस्सी तक शामिल हैं। अब तो यहां शुगर-फ्री लस्सी तक उपलब्ध है। इसकी शुरुआत 1962 में दीनानाथ जायसवाल ने की थी और अब यह तीसरी पीढ़ी द्वारा चलाया जा रहा है। लाजवाब लस्सी को दूध से दही जमाकर, चीनी और चिरौंजी के साथ फेंटकर और फिर ड्राई फ्रूट्स के साथ कुल्हड़ में परोसा जाता है।

बरेली के अलावा, आसपास के शहरों और यहां तक कि उत्तराखंड से भी लोग भी जब भी बरेली आते हैं इस दुकान पर इसकी लस्सी पीने आते हैं। आप यहां सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक लस्सी का आनंद ले सकते हैं। यहां तीन वैरायटी की लस्सी मिलती है, जिसमें साधारण लस्सी 50 की, नमकीन लस्सी 60 और स्पेशल लस्सी 70 रुपये की मिलती है, जिसे लोग काफी पसंद करते हैं

ये दुकान लगभग 63 साल पुरानी है। वर्तमान में दुकान के मालिक तीसरी पीढ़ी के निशांत जायसवाल ने बताया कि उनसे पहले उनके पिताजी और दादा दुकान संचालित करते थे। लगातार तीन पीढ़ियों से दीनानाथ की मशहूर लस्सी अपने ग्राहकों को लुभा रही है। निशांत का कहना है कि लस्सी को बनाते समय दूध से लेकर ड्राई फ्रूट तक सभी चीजें अच्छी क्वालिटी की इस्तेमाल होती हैं। इस दुकान को चलाने में निशांत जायसवाल के साथ ही इनके ताऊ के बेटे आशु और चाचा का बेटा प्रियांशु जायसवाल भी पूरे मनोयोग से जुटे रहते हैं। निशांत के दादा ने जब यह दुकान खोली थी तो उस समय यह पांच रुपये में उपलब्ध रहती थी।

# चटपटी चाट का ठिकाना चमन चाट भंडार

अगर आप चटपटी चाट के शौकीन हैं और तरह-तरह की चाट का मजा लेना चाहते हैं तो पहुंच जाएं चमन चाट भंडार पर। सिविल लाइंस में हनुमान मंदिर के सामने यह वही जगह है जो आज भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की पसंदीदा चाट की दुकान बनी हुई है। प्रियंका जब कभी भी बरेली आती हैं तो यहां चाट का मजा लेने जरूर आती हैं। यह दुकान कई तरह की स्वादिष्ट चाट के लिए मशहूर है, जो घर के बने मसालों से तैयार की जाती हैं। आज यह सिर्फ एक ठेला नहीं, बल्कि सुरमे और झुमके की तरह बरेली की पहचान बन चुका है। इसे जमैटो पर ऑनलाइन ऑर्डर कर भी मंगाया जा सकता है। रोजाना करीब 3 बजे से लेकर रात 11 बजे तक यह काउंटर खुला रहता है।



चमन चाट भंडार सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। शाम के समय यहां अपनी बारी के लिए चाट के शौकीनों को लंबी कतारें लगानी पड़ी है। इस दुकान पर चाट के अलावा आलू की टिक्की, पापड़ी चाट, भल्ला पापड़ी, चाउमीन, बर्गर, पाव भाजी, दही भल्ला, भल्ला पपड़ी और आटे व सूजी के गोलगप्पे जैसी कई प्रकार की चाट मिलती हैं। चाइनीज़ फ्यूजन जैसे आलू बर्गर और चाऊमीन भी आकर्षण का केंद्र है।

वर्तमान में जितेन्द्र तलवाड़ और विशाल तलवाड़ की पिता-पुत्र की जोड़ी चमन चाट भंडार के कर्ता-धर्ता हैं। जितेन्द्र तलवाड़ ने बताया कि उनके पिता चमन लाल तलवाड़ ने 1960 में एक छोटे से ठेले पर इसकी शुरुआत की थी। उस वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि आज उनकी यह छोटी सी ठेली शहर ही नहीं बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के जुबान पर चढ़कर बोलने लगेगी। शुरू में वह कुमार सिनेमा के पास ठेला लगाते थे। समय बदला और शहर में भीड़ बढने के साथ ही चाट के शौकीन भी बढ़ने लगे तो 1970 में उन्होंने हनुमान मंदिर के सामने नया ठिकाना बना लिया। इसके साथ ही चाट की वैरायटी भी बढ़ने लगी। आज हालत यह है कि चाहे कितनी भीड़ हो चमन चाट भंडार से कोई ग्राहक खाली नहीं लौट सकता। यहां 20 रुपये से लेकर 80 रुपये तक की चाट का स्वाद आप ले सकते हैं।

## चौरसिया पान भंडार

अगर आप बरेली में रहते हैं और कुतुबखाना जाते वक्त सिविल लाइंस में चौरसिया पान भंडार से पान का स्वाद नहीं लेते हैं तो आप भूल कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण सामग्री और स्वादिष्ट स्वाद के लिए प्रतिबद्ध यह ठिकाना पान के शौकीनों के लिए एक ऐसी जगह है जहां दिल को एक ठंडक सी मिलती है। यह स्थान सिविल लाइंस में स्थित एक प्रसिद्ध और 55 साल पुराना पान भंडार है, जो अपने अनोखे स्वाद वाले पान और वर्तमान में स्ट्रीट फूड के लिए भी जाना जाता है। यह अपनी पारंपरिक सामग्री, स्वादिष्ट स्वाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई प्रकार के पान मिलते हैं, जिनमें चॉकलेट पान, बटरस्कॉच पान, मीठा पान, तम्बाकू पान और फायर पान जैसी कई वैरायटी उपलब्ध हैं। यहां आप दोपहर 12 बजे से लेकर रात एक बजे तक पान का आनंद ले सकते हैं।

वर्तमान में इस पान भंडार को चला रहे राकेश चौरसिया उर्फ गुड्डे भाई ने बताया कि आज से करीब 55 वर्ष पहले उनके पिता मुन्ना लाल चौरसिया ने 1971 में इसकी नींव रखी थी। शुरुआत में यहां 25 से लेकर 50 पैसे तक में लोग पान का आनंद लेते थे।

## तोलाराम की मशहूर मटका कुल्फी

कभी बांस बरेली के नाम से मशहूर अपना बरेली आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। झुमका और सुरमा वाली बरेली आज की तारीख में देश के बड़े-बड़े शहरों की कतार में खड़ी है। कुल 4120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले बरेली की अपनी अलग पहचान है। चाहें कोई भी क्षेत्र हो बरेली के लोगों ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। यहां का रहन-सहन और खान-पान भी किसी से कम नहीं है। पुराने और नए खान-पान को लेकर बरेली ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। बरेली के किसी न किसी कोने में सुबह से लेकर रात तक आप खान-पान की विशेष चोजों का आनंद ले सकते हैं।

बात शहर की हो तो कोतवाली के सामने ही तोलाराम की मटका कुल्फी के स्वाद को तो हजारों ही नहीं लाखों लोग जानते ही होंगे। तोलाराम की फालूदा कुल्फी का तो कोई जवाब नहीं है। सिविल लाइंस कोतवाली के सामने स्थित तोलाराम कुल्फी की दुकान वर्ष 1950 में, वर्तमान में इसे संचालित कर रहे तीसरी पीढ़ी के जवाहर लाल तनेजा के दादा तोलाराम जी ने भविष्य के बड़े सपनों के साथ खोली थी। उन्होंने अपनी देखरेख में दूध, मेवा और चीनी को मिलाकर शुद्ध मटका कुल्फी बनाना शुरू किया था।

# पहचान बन चुकी अंग्रेजों के समय की फर्न्स बेकरी

सिविल लाइन्स इलाके में बलवंत सिंह मोटर मार्ग पर अंग्रेजों के जमाने की फर्न्स बेकरी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। बेकरी की शुरुआत आजादी से पहले एक अंग्रेज फर्नान्डीज ने अपनी बेटी फर्न्स फर्नान्डीज के नाम से की थी। बताया गया कि 90 साल की हो चुकीं फर्न्स आज भी जीवित हैं और लंदन में कहीं रह रही हैं। 1950 तक कोई ईसाई फैमली इस बेकरी को चला रही थी। बाद में केयरटेकर को सौंप यह फैमली भी लंदन चली गई। समय गुजरा और अब खां फैमली के हाथों यह बेकरी है।

मौजूदा समय में चार भाई जाहिद अली खां, मुशाहिद उर्फ दिलशाद, शाहबाज और फरात इस बेकरी के कर्ताधर्ता हैं। बड़े भाई जाहिद अली ने बताया कि उनके पिता मुबारक अली खां और ताऊ मोहम्मद अली ने 1972 में इस बेकरी को खरीद एक नई शुरुआत की और बेकरी नाम फर्न्स बेकरी ही रखा। फर्न्स बेकरी में आज आप कई वैरायटी की पेस्टी और पेटीज का आनंद ले सकते हैं। पेस्टी में चाकलेट-बटर पेस्टी काफी लोकप्रिय है जो 30 रुपये प्रति पीस में उपलब्ध है। पाइन एप्पल और ब्लैक फारेस्ट पेस्टी के ग्राहक भी बहुत हैं। इसके अलावा चिकन, वेज और पनीर से भरी पेस्टी की भी काफी डिमांड रहती है। आलू भरी पेटीज 20 रुपये प्रति पीस में आप ले सकते हैं। जाहिद अली का कहना है कि उनके यहां बनने वाले सारे आइटम फ्रेस क्रीम से ही बनते हैं।

# किप्स स्वीट्स: तख्त से आलीशान दुकान तक

## किप्स ऑन द लिप्स

### लोकप्रिय मिठाइयां

बरेली की बर्फी, मूंग की दाल और घी से बनी रसभरी, ड्राईफ्रूट्स वाले लड्डू खोये से बने और चाशनी में डूबे गुलाब जामुन, मोतीचूर लड्डू, सोहन पापड़ी और विभिन्न प्रकार के खोया और छेना से बनी मिठाइयां। इनके अलावा, किप्स कई अन्य प्रकार की मिठाइयां भी बेचता है जैसे बालूशाही, डोडा बर्फी, खीर कदम, और बेसन लड्डू। किप्स की मिठाइयों की लोकप्रियता इतनी है कि विदेशों तक से लोग आनलाइन आर्डर करके मंगाते हैं।

एक तख्त से शुरु हुआ किप्स स्वीट्स का सफर किसी परीकथा से कम नहीं है। आज के संदर्भ में देखें तो इनका स्लोगन-किप्स आन द लिप्स अपने नाम को सार्थक करते हुए देश-विदेश में एक पहचान बना चुका है। आज किप्स की मिठाई बरेली में एक पहचान है जो अपनी पारंपरिक मिठाइयों के लिए जाना जाता है। इनकी सबसे प्रसिद्ध मिठाई बरेली की बर्फी है जो मुलायम बनावट और भरपूर स्वाद के लिए जानी जाती है। इनके अन्य लोकप्रिय उत्पादों में काजू बर्फी, रसभरी, ड्राई फ्रूट लड्डू, और सोहन पापड़ी आदि शामिल हैं। मक्खन समोसा तो इनका इतना लाजवाब है कि देखते ही मन खाने को ललचा जाए। बेहतर स्वाद और शुद्धता वाला काजू दालमोठ का पैकेट तो इनका खास है जिसके लोग दीवाने हैं।

सुरमे और झुमके की तरह ही किप्स की मिठाई भी आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 1972 में तख्त पर एक छोटी सी दुकान से इसकी शुरुआत देवेन्द्र खंडेलवाल ने की थी। यह अब बरेली ही नहीं देशभर में एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान के रूप में विकसित हो गई है। विदेशों में भी जो लोग यहां से जाकर बस गए हैं वह भी यदा-कदा मिठाइयां मंगाते रहते हैं या फिर कभी बरेली आते हैं तो ढेर सारी मिठाइयां ले जाते हैं। किप्स के आउटलेट माडल टाउन और राजेन्द्रनगर में भी हैं। वर्तमान में सिर्फ बरेली की जनता के लिए ही नहीं बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, परिणीति चोपड़ा, दिशा पाटनी समेत कई बड़े-बड़े कलाकार और राजनेताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां के स्पेशल ड्राईफ्रूट्स लड्डू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी काफी पसंद हैं। उनके लिए हर माह या विशेष अवसरों पर ड्राईफ्रूट्स लड्डू भेजे जाते हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी भी किप्स की मिठाइयों के मुरीद रहे हैं। वर्तमान में प्रसाद सिनेमा के सामने स्थित किप्स स्वीट शॉप के संचालक राहुल खंडेलवाल के अनुसार यहां प्रत्येक दिन सभी मिठाइयां ताजी मिलती हैं। इन मिठाइयों को बनाने के लिए बेहतर क्वालिटी का सामान प्रयोग किया जाता है। अपने ग्राहकों को वह शुद्ध उत्पाद देने में विश्वास करते हैं, जिससे उनका भरोसा हम पर इसी प्रकार बना आ रहा है। राहुल खंडेलवाल ने बताया कि अभी दिसंबर में पूर्व कंट्रीय मंत्री और वर्तमान में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे की शादी होनी है लेकिन मिठाइयों के आर्डर अभी से मिलने लगे हैं।

# कुछ खास है त्यागी रेस्टोरेंट की कचौड़ी वाली थाली

अगर आप कचौड़ी खाने के शौकीन हैं और कुतुबखाना पहुंचकर नावल्टी चौराहा के पास पुराने बस अड्डे की तरफ मुड़ते हैं तो अचानक कचौड़ी की खुशबू आपको अनायस त्यागी रेस्टोरेंट में जाने के लिए मजबूर कर सकती है। यह दुकान करीब 61वर्षों से संचालित हो रही है। इसकी शुरुआत 1964 में वीके शर्मा ने की थी। उनके बाद वीके त्यागी ने इसकी कमान संभाली। वर्तमान में त्यागी परिवार के एक करीबी रिश्तेदार इसे चला रहे हैं। त्यागी रेस्टोरेंट में चार कचौड़ी, कद्दू की सब्जी, छोले की सब्जी, आलू टमाटर की सब्जी और अचार के साथ आप भरपेट भोजन का आनंद ले सकते हैं। आप घर बैठे स्विगी के माध्यम से भी आर्डर कर खाद्य सामग्री मंगा सकते हैं।

इसका मैन्यू पुराना है जो आज तक चला आ रहा है। आलू की सब्जी जरूर चटपटी है लेकिन कद्दू की सब्जी मीठी मिलेगी जिसे यहां बड़े चाव से खाया जाता है। सब कुछ गरमा-गरम और ताजा मिलेगा। वर्तमान में अब इस रेस्टोरेंट के बगल में छोले-भटूरे और छोले समोसे का भी आनंद लिया जा सकता है। पूरा त्यागी परिवार इन दोनों सिस्टम को चला रहा है. उनका कहना है कि 12 महीने हमारा स्वाद आपको एक जैसा ही मिलेगा।

प्रस्तुति-एल.एस. भंडारी, अनिल पटेल

ज्ञान वह हथियार है जो हारने वाले को विजेता बनाता है। एक व्यक्ति को जीवन भर कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए।

–चाणक्य, राजनीतिज्ञ

## चाहिए समग्र समाधान

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा को निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह बढ़ा दिया जाना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो इस अत्यंत विस्तृत प्रक्रिया पर शुरू से ही साफ दिख रहा था। मतदाता सूची पुनरीक्षण अपने आप में एक विशाल अभियान है। हर घर जा कर सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का विलोपन और त्रुटियों का सुधार, जिसके लिए समय और संसाधनों की पर्याप्त आवश्यकता होती है। ऐसे में समय वृद्धि का यह निर्णय पूरे अभियान की गति, विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला है। निर्वाचन आयोग की यह स्वीकारोक्ति कि कम समय सीमा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, बीएलओ और अधिकारियों के लिए भारी समस्या पैदा कर रही थी, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात समझना कठिन नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार वाला राज्य किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए एक अलग कार्ययोजना और अपेक्षाकृत अधिक समय की मांग करता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आयोग को यह पूर्वानुमान पहले क्यों नहीं था? क्या यह अदूरदर्शिता नहीं कही जाएगी कि इतनी बड़ी प्रक्रिया को शुरू से ही सीमित समय में बांधा गया और फिर दबाव बढ़ने पर पुनः संशोधन की जरूरत पड़ गई? समय वृद्धि का सबसे बड़ा लाभ निःसंदेह बीएलओ और आम मतदाताओं को मिलेगा। बीएलओ पर वर्षों से काम का अतिरिक्त बोझ, अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा जटिल एसआईआर रिपोर्टिंग की बाध्यता लगातार मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ाती रही है। मुरादाबाद में एक बीएलओ की दुखद मृत्यु और विपक्ष के इस आरोप कि भारी दबाव के चलते 20 बीएलओ अब तक आत्महत्या कर चुके हैं, एक गंभीर चेतावनी है। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को केवल खंडन या औपचारिक बयान भर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यभार का संतुलित बंटवारा, तर्क संगत डेडलाइन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां तथा मनोवैज्ञानिक सहायता जैसे कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

आज भी मतदाता सूची में संशोधन अथवा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करना, कागजी फॉर्म हो या ऑनलाइन प्रक्रिया- आम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। देश में आधार, पैन, पासपोर्ट और बैंकिंग जैसी सेवाओं का व्यापक डिजिटलीकरण हो चुकने के बाद निर्वाचन आयोग अगर इन नियामक संस्थाओं के डाटा का प्रामाणिक उपयोग कर एक सरल, एकीकृत सत्यापन प्रणाली विकसित करता, तो मतदाता पंजीकरण न केवल सहज होता, बल्कि पुनरीक्षण प्रक्रिया भी अधिक कुशल और लगभग त्रुटिरहित बन सकती थी। फिलहाल केवल एक सप्ताह की समयवृद्धि से यह उम्मीद कि यह प्रक्रिया पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हो जाएगी, व्यावहारिक नहीं। इससे इतना भर होगा कि कार्यकर्ताओं पर तात्कालिक दबाव घटेगा और कुछ हद तक गुणवत्ता में सुधार संभव है। बीएलओ की आत्महत्याओं पर रोक के लिए केवल समय बढ़ाना पर्याप्त नहीं, कार्यप्रणाली की समग्र समीक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से बदलाव आवश्यक है।

### प्रसंगवश

## मौसम का पूर्वाकलन व नैतिकता का सवाल

इस बार बहुत ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है, ऐसी खबरें मीडिया-सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। गलत सूचनाओं से न सिर्फ लोगों का जीवन बल्कि इससे बाजार भी प्रभावित होता है। आने वाला मौसम कैसा होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कर पाना इतना आसान नहीं है। ला-नीना फिनॉमीना का विगत का प्रीडिक्शन चार्ट और इसके बाद का घटनाक्रम देखने से मालूम होता है कि इसमें भविष्याकलन के बाद असली प्रभाव तीन-चौथाई या मिश्रित रहा है, जिसमें इलाका अथवा प्रभावित क्षेत्र बदल गया। प्रीडिक्शन के बारे में बताने के लिए एथिकल गाइडलाइन्स का ध्यान रखना जरूरी है। इसके पश्चात-प्रभावों पर किसी की नज़र नहीं पड़ती।

इस बार भीषण शीत रहेगी या नहीं रहेगी, यह जो जनवरी महीना

रनबीर सिंह

विज्ञान लेखक

बताएगा, जिसमें अभी एक महीने बाद का समय है। जो होगा वह 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच मालूम हो जाएगा। हिमालय और इससे परे सुदूर उत्तर में रूस और चीन के इलाकों, हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों और भारत के मैदानी इलाकों के मौसम संबंधी असली आंकड़े देखने के बाद भारत में ला-नीना के असर के प्रकट होने के बाद ही इस बारे में कुछ कहना उचित होगा।

अभी से कह देना कि इस बार बहुत सर्दी पड़ेगी, उचित नहीं है। इस बार की सर्दी की ऋतु में कड़ाके की ठंढ होने या असल में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ने और नॉर्दन मोस्ट लैटिट्युड्स में इसके असर के बारे में ताज़ा वेदर रिपोर्ट्स का इंतजार करना नैतिकता का तकाज़ा है। मौसम के अल्पकालीन मिजाज़ के बारे में एक आकलन के बारे में कह देना काफी नहीं है, बल्कि वह एकदम से सत्य जैसा नहीं दिखना चाहिए बल्कि संभावना जैसा होना चाहिए। मास-मीडिया में सामान्य संभावना को बढ़ा-चढ़ा कर, अलंकारयुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए भय और रोमांच पैदा करना एक खबरनुमा टेक्स्ट को कथा-कहानी बना देता है। ब्लो-अप करने के प्रयास की इकॉनोमिक और सोशल कॉस्ट बहुत होती है। एथिक्स का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

मौसम के बारे में विदेश से आई सूचना को आधार बना कर वस्तुस्थिति को जस का तस भारतीय मीडिया में चस्पा करना उचित नहीं है, बल्कि लोकल एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स से जान लेना जरूरी होता है। खेद है कि ऐसी ख़बरों के बारे में भारत का मौसम विज्ञान विभाग कोई टिप्पणी डिफेमेशन से बचने के लिए नहीं करता। उनकी अपनी वेबसाइट पर भी विदेशी जानकारी चस्पा रहती है, जिस पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं होती।

ला-नीना के बारे में जानकारी को कुछ-कुछ देर बाद अप-डेट किया जाता है, जिससे मध्य और पश्चिमी प्रशांत महासागर और तापमान और इसके ऊपर के मौसम के मिजाज़ पर 24X7 निगरानी की जा रही है। सतत् निगरानी से ही मालूम होता है कि हालात बुरे या सामान्य हो सकते हैं। विदेश की खबर में, जिसे अनेक भारतीय चैनल्स ने उठाया है कि ऊपर की हवा मे 'रिवर्स गीयर' लग गया है, वह पहले भी अनेक बार लग चुका है। पृथ्वी की सतह से ऊपर होने वाली एक विशाल मशीनरी का यह नियमित व्यवहार है, जिसमें पोलर एयर करेंन्ट्स के भूमध्य रेखा के ऊपर उमड़ना-घुमड़ना एक सामान्य चर्या होती है। अमेरिका संचालित नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, जिसे भारत मौसम विभाग का अनुमोदन भी प्राप्त है, हवाएं पश्चिमी से पूर्वी दिशा में तेजी से उलट रही हैं, जो सामान्य से दो-तीन महीना पहले हो रहा है। खासतौर से इसकी वजह से ला-नीना भी प्रभावित होगा।

# खर्चीली शादियां दिखावे की आखिर इंतेहा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

समय के साथ सामाजिक परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। जो कल था वह अतीत। जो आज है वह समयानुकूल और संभावित कल ही भविष्य। परिवार, कुनबा, समुदाय व समाज की सोच में समयानुरूप बदलाव समीचीन भी। समुचित आय व धन प्रवाह ने बाजार की रूपरेखा भी परिवर्तित कर दी है, लेकिन भारतीय बाजार का अवलंब की मान्यता वाला मध्यम वर्ग जीवन के कुछ उद्देश्यों से कदाचित भटक सा गया है। नई पीढ़ी जिसने दिखावे को अपना 'जीवन दर्शन' मान लिया है। विशेषतया खर्चीली शादियों को, जो 'अंतहीन होड़' की ओर चल पड़ी है।

विवाह हमारी संस्कृति का अतिआवश्यक संस्कार माना जाता है, लेकिन वर्तमान में होने वाले शादी-विवाह एक संस्कार न होकर 'सेलिब्रेशन व फैशन' की भेंट चढ़ता दिख रहा है। वैवाहिक आयोजन आज पूर्णतया बाजारवाद की गिरफ्त में आ चुका है। टीवी सीरियल और सोशल माडिया के 'रील्स' में दिखाए जाने वाले वैवाहिक 'चोंचलेबाजी' आज अधिकांश घरों में देखने को मिल रही है। विवाह की रस्मों अर्थात हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला, सप्तपदी, फेरे व सिंदूर-दान आधुनिक दिखावे की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे नितांत पारिवारिक आयोजनों को बाजार ने एक बड़ा इवेंट बना दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के पूर्व प्री-वेडिंग व डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। नृत्य-संगीत, महंगे ड्रेसेज, नाना प्रकार के व्यंजनों वाले लंच-डिनर और उपहारों के आदान-प्रदान से मध्यम वर्ग के 'पांव चादर से बाहर' हो रहे हैं।

समाज में दिखावे का जज्बा यह कि संबंधित परिवार कर्ज लेकर हैसियत से अधिक खर्च कर रहे हैं। अधिकांश गार्जियन तो अपने जीवन की पूरी जमा-पूंजी शादी के दिखावे में 'हवन' कर दे रहे हैं। दिखावटी विवाहोपरांत इस वर्ग में पारिवारिक कलह, बिखराव व भांति-भांति की परेशानियां घर कर जा रही हैं। कई परिवार तो कर्ज के दलदल में ऐसे धंस रहे, जहां से वे जीवनपर्यंत नहीं निकल पा रहे हैं। प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती दिखावे वाली शादियां समाज के लिए 'नासूर' बनती जा रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते वैवाहिक वीडियोज तो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ऐसा केवल शहरों में ही नहीं हो रहा, बल्कि अब गांवों में भी देखने को मिल रहा है।

स्मरण करें, 1970 के दशक की शादियां प्रायः परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं। शहरों में न तो रिसार्ट होते थे, न ही अनगिनत मैरेज हाल। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम वधू पक्ष के घरों में या उसके आसपास टेंट लगाकर कम से कम खर्च में संपन्न हो जाया करते थे। अधिकांश वैवाहिक कार्यकम एक रात में ही संपन्न होते थे। हां, ग्रामीण क्षेत्रों में उस वक्त दो दिन के बरात का चलन अवश्य था, जिसमें वर-वधू पक्ष एक-दूसरे के प्रति आदर भाव और सहयोगात्मक रवैया अपनाते थे। रिश्तों में मर्यादा सर्वोपरि व अपनत्व का भाव स्तरीय था। कम खर्च में शादियां हो जाया करती थीं। वर-वधू के रिश्तों में स्थिरता होती थी, दांपत्य जीवन अनचाही है, मुश्किलों से परे दिखता था। वर्ष 1980 के दशक की शादियां औपचारिकता व भव्यता का मिश्रण थीं।

वर्तमान में होने वाली शादियां संस्कार नहीं, वरन इवेंट का स्वरूप धारण करती जा रही हैं। समाज में अनावश्यक दिखावे का प्रचलन बढ़ गया है। धनाढ्य वर्ग की तरह ही मध्यमवर्गीय भी उसी प्रकार का दिखावा कर अपने बच्चों की शादियां कर रहे हैं। ऐसी शादियों में तथाकथित 'इवेंट मैनेजरों' की तो चांदी हो गई है। वर-वधू को अनेकानेक रस्मों में कब और क्या करना है, वही निर्णय ले रहे हैं। अब अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात का न होकर दो से तीन दिन तक का हो गया है। हल्दी, मेंहदी, द्वारचार, जयमाल, फेरों व विदाई के मामलों में इवेंट मैनेजर ही निर्णायक भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

वर-वधू का मेकअप, पहनावा, तात्कालिक रहन-सहन, इवेंट वाले ही तय कर रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तो अत्यंत खर्चीला हो चला है। शादियों में लकदक डेकोरेशन व जानदार आतिशबाजी के बीच राजसी वैभव, कैटरिंग के पर्दों से लेकर बर्तन तक भव्यतम हो चले हैं। सोशल मीडिया ने तो सामान्य परिवारों के लोगों को मानसिक रूप से धनाढ्य वर्ग के समीप ला खड़ा किया है। आज का वर-वधू 'नामचीन सेलिब्रिटी' की भांति ही विवाह करने का सपना देखता है। शादी के मंडप को फिल्मी सेट सरीखा बनाने को लालायित वह भूल जा रहा कि उक्त सेलिब्रिटी स्वयं के कमाए धन से खर्चीली शादियां कर रहे, अपना शौक पूरा कर रहे हैं। ब्याजखोरों, बैंक्स से महंगे ब्याज पर धन उधार लेकर अपनी शादी नहीं कर रहे।

शादी के स्थान की बात करें तो शहरों में छोटे बैंक्वेट, फाइव-स्टार हॉल से लेकर फार्महाउस तक, जगहों की कीमत अलग-अलग होती है। किसी बड़े होटल बैंक्वेट स्थल की कीमत सामान्यतया न्यूनतम सजावट, कैटरिंग आदि के साथ 20 से 30 लाख रुपये के मध्य तक तो होती ही है। कपड़ों व गहनों पर भी अमूमन 20 लाख रुपये खर्च हो ही जा रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार अपने 'चादर का आकार' कदाचित भूलता जा रहा। परिणामस्वरूप 'मीडिया क्रेजी' शादियों में अनाप-शनाप खर्च कर कर्ज के जाल में फंस रहा है।

उन्हें खेती की जमीन, मकान, गहने तक को बेचना पड़ जा रहा है। शादी-विवाह पारिवारिक आयोजन होता है। इसे सादगीपूर्ण तरीके से ही संपन्न किया जाना चाहिए। रोज की जिंदगी में धन नितांत आवश्यक है, इसे बचाने की आवश्यकता है। इवेंट बनती शादियों में फिजूलखर्ची बुद्धिमानी तो कदापि नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों को फिजूलखर्ची रोकने को चिंतन-मनन करना ही होगा। खास तौर पर संबंधित वर्ग के भावी वर-वधुओं को।

1970 के दशक की शादियां प्राय: परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं।

### आमने

सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि जो मुद्दे हैं, उन पर सोचें। ड्रामा करने के लिए बहुत जगहें हैं। जो कोई भी ड्रामा करना चाहता है, कर सकता है। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारों पर नहीं, पॉलिसी पर जोर होना चाहिए।

–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

### सामने

चुनाव की स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है, चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए मायने रखते हैं।

–प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

# हास्य का विषय नहीं हो सकते हैं दिव्यांग

रमेश सर्राफ

स्वतंत्र पत्रकार

देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के हॉस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। इसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया, लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। तीन दिसंबर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। यह विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं, जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दांई टांग नहीं है। फिल्म गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार और जयपुर के सुंदर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग छह करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदंड बनाए हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक, उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते हैं, जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधाएं पाने से वचिंत रह जाते हैं। दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच बदलने का समय आ गया है।

समय रैना एक बार फिर विवादों में है। यह विवाद शुरू हुआ एक कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने पर। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने को कहा है।

### सोशल फोरम

## पांडव पुत्रों का पालन और आज की पैरेंटिंग

महाभारत में एक गहरा प्रसंग आता है। पांडु की मृत्यु के बाद कुंती और माद्री दोनों सती होना चाहती थीं, पर माद्री ने कहा, "यदि आप सती हो गईं और मैं रह गई, तो मैं आपके तीनों बच्चों का पालन वैसे

नीलेश गुप्ता

ब्लॉगर

नहीं कर पाऊंगी, जैसे आप कर सकती हैं। अगर मैं सती हो जाऊं और आप रहें, तो आप मेरे दोनों बच्चों- नकुल और सहदेव को भी अपने ही बच्चों की तरह पाल लेंगी। दुनिया यही मानेगी कि कुंती के पांच पुत्र हैं।"

हुआ भी यही। एक स्त्री, अभाव, जंगल, संघर्ष और विधवापन, इन सभी परिस्थितियों में पांच ऐसे पुत्र तैयार करती है, जो आगे चलकर 'धर्म के स्तंभ' कहलाते हैं। जिस दिन भगवान को यह निर्णय करना पड़ा कि वे किसके पक्ष में खड़े होंगे, भगवान ने पांडवों का पक्ष चुना, क्योंकि एक स्त्री ने कठिनाइयों में भी सही 'लालन–पालन' किया था। दूसरी ओर हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र जन्मांध थे और गांधारी ने भी अपने पति की परिस्थिति देखकर अपनी आंखों पर स्वेच्छा से पट्टी बांध ली। जब घर में पिता पहले से नेत्रहीन हो और मां भी पट्टी बांधने का निर्णय ले ले तो, यह भी लालन–पालन का ही परिणाम है। महाभारत यह सिखाती है कि पालन-पोषण केवल शरीर पालना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और भविष्य बनाना है।

यही बात आज हमें समझ नहीं आती। जब मैं क्लास 3–4 में था, हमें सिर्फ एक पेंसिल दी जाती थी। दूसरी पेंसिल तभी मिलती थी, जब पहली पूरी खत्म हो जाए और उसका फिज़िकल प्रूफ दिखाना पड़े। अगर पेंसिल खो जाए, तो नई पेंसिल नहीं मिलती, उल्टा डांट मिलती। इसी से हमने कम में मैनेज करना, पेंसिल बचाकर चलाना, दोस्तों से शेयर करना और हर चीज़ का मूल्य समझना सीखा। हम धीरे-धीरे रिसोर्सफुल बनते गए।

और आज? बच्चे रोज़ पेंसिल खो देते हैं और माता-पिता बिना पूछे रोज़ नई पेंसिल थमा देते हैं। बच्चे को न यह पता है कि चीज़ कहां से आती है? न इसका मूल्य क्या है? न जिम्मेदारी क्या होती है? अगर एक दिन पैरेंट कह दे, "आज नई पेंसिल नहीं मिलेगी"

महाभारत आज भी यही सिखाती है, पैरेंटिंग भविष्य बनाती है। कुंती ने अभावों में भी पांच धर्म–पुत्र बनाए। गांधारी ने आंखें बंद कर लीं। आज हम क्या कर रहे हैं? हम बच्चों को हर मुश्किल से बचा रहे हैं और इसी में उन्हें कमजोर बनाते जा रहे हैं। पैरेंटिंग का मतलब सुविधाएं देना नहीं, संस्कार, जिम्मेदारी और संघर्ष–क्षमता देना है।

### सामयिकी

## इन्हें काम नहीं कलम और किताब चाहिए

यूनीसेफ के एक सर्वे के अनुसार विश्वभर में 150 मिलियन बाल श्रमिक हैं। विश्व में बाल श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। एक आकलन के अनुसार भारत में लगभग 33 मिलियन बाल श्रमिक हैं। फैक्टरियों, होटलों, रेस्टोरेंट, बागानों में काम करते, बोझा ढोते तथा जूते साफ करते बच्चे क्या बन पाते हैं-अशिक्षित, असमर्थ और साधनविहीन नागरिक, जो दूसरों की मर्जी के मुताबिक काम करने को मजबूर हैं। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए विभिन्न जोखिम भरे कार्यों में लगे दस-बारह वर्षीय बालक हमारे प्रजातंत्र के समानता के अधिकार को खुली चुनौती हैं। यह बाल श्रमिक हमारी आर्थिक प्रगति के खोखलेपन को भी सिद्ध करते हैं।

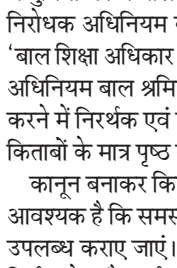

सुरेश बाबू मिश्रा

साहित्यकार

अनेकों मजदूर दिवस आए और चले गए। बाल श्रम को रोकने के लिए कानून बने। बाल श्रमिकों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं बनीं। परंतु ग्यारह वर्षीय भोला के जीवन में इन सबसे कोई परिवर्तन नहीं आया। उसके नन्हे-नन्हे हाथ पूरे दिन लोगों के सैंडिल एवं जूते चमकाते रहते हैं। कभी-कभी अधिक रुपये पाने की लालसा में वह अपनी इकलौती कमीज से ही बाबू लोगों के जूते चमकाने लगता है। पांच रुपये के स्थान पर दस रुपये मिल जाने पर भोला के चेहरे पर ऐसी चमक आ जाती है, मानो उसे दुनिया भर की दौलत मिल गई हो।

प्रेस किए हुए कपड़े घर-घर पहुंचाने के लिए दस वर्षीय हरनाम गली-गली चक्कर काटता रहता है। तीसरी कक्षा के बाद ही उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर उसे काम में लगा दिया। रंग-बिरंगे चमकदार कपड़ों को हरनाम बड़ी हसरत भरी निगाहों से छू-छू कर देखता है। उसके बालमन में भी अच्छे कपड़े पहनने की इच्छाएं मचलती हैं, मगर उसका मजबूर बाप उसे साल में केवल दो जोड़ सस्ते कपड़े ही बनवा पाता है। कई बार तो उसे दूसरे लोगों की उतरन से ही काम चलाना पड़ता है।

घरेलू कार्यों के अतिरिक्त देश में बीड़ी, दियासलाई, सूती वस्त्रों के कारखानों, जूट मिलों, चाय के बागानों, पीतल उद्योग, कलई उद्योग, चूड़ी उद्योग, कालीन उद्योग तथा कार एवं आटो रिपेयर सेंटरों में लाखों बाल श्रमिक काम करते हैं। इन उद्योगों में बाल श्रमिक बुरी तरह शोषित होते हैं। अल्प वेतन, अत्याधिक कार्य, दोषपूर्ण वातावरण, अनैतिक एवं अमानवीय शोषण बाल श्रमिकों की मुख्य समस्याएं हैं।

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम को नियंत्रित करने तथा बाल श्रमिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए सन् 1953 में 'बाल अधिनियम' तथा सन् 1958 में 'कारखाना अधिनियम' बनाए गए। सन् 1975 में बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2002 में दुनिया भर में बालश्रम को रोकने के लिए यूनीसेफ द्वारा बाल श्रम निरोधक अधिनियम बनाया गया। भारत सरकार द्वारा सन् 2009 में 'बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम पूरे देश में लागू किया गया। परंतु यह अधिनियम बाल श्रमिकों की दशा सुधारने एवं बाल श्रम को नियन्त्रित करने में निरर्थक एवं खोखले सिद्ध हुए हैं। यह अधिनियम कानून की किताबों के मात्र पृष्ठ बनकर रह गए हैं।

कानून बनाकर किसी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यक है कि समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। बाल श्रम की मुख्य समस्या इनके मां-बाप का निर्धन होना है। वर्तमान समय में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, परंतु इसके बावजूद देश के 29 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई भी बाल श्रम का प्रमुख कारण है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

# परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समग्र रूप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। कितने ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरुआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म चेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मलिन चित्त एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अचेतन मन के महासागर को पार करते हुए चेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरूह है। पूर्व में कृत कर्मराशि जब पहाड़ जैसा चट्टानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। सस्ती पूजा-पत्री, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के सहारे धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बटोरने के फेर में चला पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-अध्यात्म पथ का अपना विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पगडंडियों में नहीं उलझता। धर्म-अध्यात्म की शुरुआत धार्मिकता की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के साथ साधक की समझ भी सूक्ष्म होती जाती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, श्रद्धा-निष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद अध्यात्म की कक्षा में प्रवेश मिलता है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे छुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरूहता को जानते हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अवलंबन के साथ अपार धैर्य, अनंत श्रद्धा और अनवरत प्रयास के साथ अभीष्ट को सिद्ध करते रहे हैं। निःसंदेह समर्थगुरु (पूर्णगुरु) का अवलंबन कार्य को और सरल बना देता है। हमारा परम सौभाग्य है कि अवतारी गुरुसत्ता का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुवर के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरुप हमारे लिए सहज सुलभ है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मांग अपनी कीमत मांगता है, जो चीज जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व विद्यार्थी तन-मन व धन की सारी पूंजी झोंक देता है। तब कहीं जाकर समस्त सुख-सुविधाओं को त्यागते हुए एकांतिक प्रयास एवं निष्ठा के बल पर अभीष्ट मंजिल तक पहुंचता है। इसी प्रकार आध्यात्म पथ भी अपनी कीमत मांगता है, जिसमें चित्त-चेतना की शुद्धि एवं परिष्कार मुख्य है। स्वयं को गलाकर-मिटाकर सब कुछ पाने की कला अध्यात्म है। इसमें सबसे पहले चित्त का परिष्कार करना होता है। इसी के साथ जन्मों से अज्ञान के परदे में ढका आत्मज्ञान का सूर्य प्रकाशित होता है और अपने ईश्वरीय अस्तित्व का बोध कराता है। वैसे तो समर्थगुरु (पूर्णगुरु) एवं परमात्मा की कृपा तो सदा ही उनकी सभी संतानों पर अनवरत रुपों में बरसती रहती है। इसको ग्रहण करने व धारण करने की क्षमता का अभाव ही मुख्य कारण है कि अधिकांशतया जीवन इनसे रीता रह जाता है। जिस मात्रा में साधक-शिष्य इसको धारण कर पाता है, उसी अनुपात में उसका आत्मिक विकास होता है। अध्यात्म विज्ञान का कार्य अंततः जीवन का कायाकल्प है। मनुष्य में देवत्व का उदय है। यह उसकी अंतर्निहित दिव्य संभावनाओं व क्षमताओं का जागरण एवं विकास है।

## आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

चित्त के प्रक्षालन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद भी साधक हिम्मत नहीं हारता और बार-बार प्रयास करता है। हजार असफलताओं के बाद हजार बार प्रयास करने का जीवट और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अदम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मबोध से लेकर तत्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता हैं। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी स्थिति के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और देर-सवेर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्देश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही इस पथ को पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ साधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काटों की चिंता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कौन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन विरोध करता है, कौन समर्थन इसकी गणना क्या करनी हमें? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।

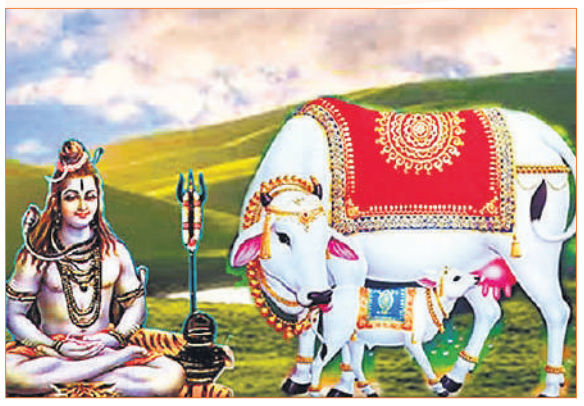

**पौराणिक कथा**

## वृषभध्वज और गौ माता

महाभारत अनुशासन पर्व में वृषभ ध्वज की कथा आती है। एक बार गौ माता सुरभि का बछड़ा दूध पी रहा था। दूध पीते हुए बछड़े के मुख पर दूध की झाग लग गई। वही झाग हवा से उड़कर भगवान शंकर के मस्तक पर जा गिरी। ऐसा होने पर भगवान शिव कुछ क्रोधित हो गए। उस समय प्रजापति जी ने भगवान शंकर से कहा, "हे प्रभु! आपके मस्तक पर, जो दूध का छींटा पड़ा है। वह अमृत है। बछड़ों के पीने से गाय का दूध जूठा नहीं होता। जैसे अमृत का संग्रह करके चंद्रमा उसे बरसा देता है, वैसे ही रोहणी गायें भी अमृत से उत्पन्न दूध को बरसाती हैं। जैसे वायु, अग्नि, सुवर्ण, समुंद्र और देवताओं का पिया हुआ अमृत, कभी जूठे नहीं होते, वैसे ही बछड़ों को पिलाती हुई गौ भी कभी दूषित नहीं होती। ये गौमाता अपने दूध-घी से समस्त जगत का पोषण करती हैं। सभी लोग इन गौओं के अमृतमय पवित्र दूध रुपी ऐश्वर्य की इच्छा करते हैं।" तत्पश्चात प्रजापति जी ने महादेव जीको बहुत सी गौ और एक बैल दिया। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अर्थात बैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्वजा को उसी वृषभ के चिह्न से सुशोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पशुओं का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया। **-फीचर डेस्क**

# संस्कार: आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कृत जीवनयापन करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्पत्ति में मानवीय प्रवृत्तियों का विशेष येगदान माना गया है, जिनका आधार आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

संस्कार अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं। संस्कृत साहित्य में मानव जीवन के इन विविध क्रमों से संबंधित संस्कार के कई प्रकार मिल जाते हैं। यद्यपि संस्कारों के भेद एवं उनके नामों के लेकर विद्वानों मे मतैक्य नहीं है फिर भी इस दिशा में एक रुपता लाने के प्रयास विद्वानों द्वारा समय-समय पर अवश्य हुए हैं। विद्वानों का इस दिशा में किया गया यह प्रयास ही संस्कारों को सुनियोजित एवं व्यावहारिक मूल्य प्रदान कर सका है। वर्तमान में मुख्य संस्कारों की संख्या कुछ नाम भेद के साथ 16 बताई गई हैं, जैसे-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, चूड़ाकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह एवं अन्त्येष्टि-श्राद्ध। इन षोडश संस्कारों में कुछ संस्कार आज भी भारतीय जनमानस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। जातकर्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, उपनयन, विवाह एवं अंत्येष्टि-श्राद्ध आदि संस्कारों में से उपनयन एवं विवाह संस्कार का सामाजिक जीवन के लिए तो महत्व अधिक है, परंतु इसके पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य का अभाव दृष्टिगोचर होता है। मृत्यु अथवा अन्त्येष्टि संबंधी संस्कार के पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य की प्रधानता होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि संस्कार संबंधी क्रियाओं को स्वीकार करने के पीछे भारतीय जनमानस में धार्मिक संचेतना के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः हमें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पहले की भांति धार्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अस्तित्व बनाए हुए है।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं, जिनका मानव जीवन में अपना महत्व एवं मूल्य बना हुआ है। भारतीय संस्कृति में तीन प्रकार के शरीरों का वर्णन हुआ है-सूक्ष्म शरीर, स्थूल शरीर एवं कारण या लिंग शरीर। इनमें स्थूल शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समापन मृत्यु के उपरांत सूक्ष्म शरीर के द्वारा भी किया जाता है। तात्पर्य यह है कि सूक्ष्म शरीर प्राप्त होने पर भी स्थूल शरीर द्वारा कृतकर्म क्षय को प्राप्त नहीं होते तथा पुनः जन्म लेने के बाद सूक्ष्म शरीरस्थ संस्कारों को व्यक्ति अपने क्रिया क्षेत्र में लाता है। क्योंकि प्रकृति के सूक्ष्म तत्वों से सभी प्रकार के शरीर बनते हैं, जो स्वरूपतः भौतिक हैं। अतः भौतिक पदार्थों से निर्मित शरीर को भैतिक सुखों की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म शरीर द्वारा किए गए कार्यों का संबंध स्थूल शरीर से होता है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जन्मांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा भोगे जाते हैं। सूक्ष्मशरीर की सत्ता का प्रमाण शास्त्रों में बहुधा प्राप्त होता है तथा बिना स्थूलशरीर के हम सब कुछ जान लेते हैं। उदाहरण स्वरूप जैसे नासिका के सामने कोई पुष्प लाया जाए तथा घ्राणेन्द्रिय का निरोध करके कान से यदि हम सूंघने का प्रयास करते हैं, तो कान रूपी इंद्रिय उस पुष्प की सुगंध को ग्रहण नहीं कर सकती। योगी लोग सूक्ष्म शरीर के स्थूल शरीर से पृथक कर सकते हैं तथा पुनः नए शरीर में भी प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार वह स्वभावतः संस्कारों के भी बदल देते हैं। संस्कृत साहित्य में संस्कारों से संबद्ध परंपराओं एवं मान्यताओं का यथा स्थान विवेचन हुआ है, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस संसार में लौकिक एवं अलौकिक शक्तियां हैं, जिनके मध्य अटूट संबंध है, जो मानव जीवन को एक प्रेरणा प्रदान करता हैं। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्व के रूप में विकसित हुआ है, जो मनुष्य को कई प्रकार की लौकिक एवं अलौकिक शक्तियों से युक्तकर उसके जीवन में सुख-शांति का आधान करता है। संस्कार जीवन के विभिन्न अवसरों पर संपन्न एवं आयोजित किए जाते हैं। तदनुसार ये अवसर एवं जीवन को महत्व एवं पवित्रता प्रदान करते हैं। संस्कार कदाचित् जीवन की घटनाओं के प्रति मनुष्य के भीतर व्याप्त उदासीनता को कम करने की प्रेरणा प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बोध हो जाता है कि जीवन की घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक चिरंतन प्रवाह है, जिनमें सामाजिक संचेतना है, आध्यात्मिक उत्क्रांति है तथा सांस्कृतिक मूल्य के संरक्षण का भाव है।

**बोधकथा**

## ज्ञान कक्षा का मोहताज नहीं

एक समय की बात है, एक विद्यार्थी पढ़ाई में अत्यंत होशियार माना जाता था। उसकी लगन और समझदारी की चर्चा पूरे विद्यालय में थी, लेकिन अचानक वह एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गया। कई दिनों तक बिस्तर पर रहने के कारण उसकी विद्यालय में उपस्थिति बहुत कम हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि वह परीक्षा में बैठने की शर्त भी पूरी न कर सका।

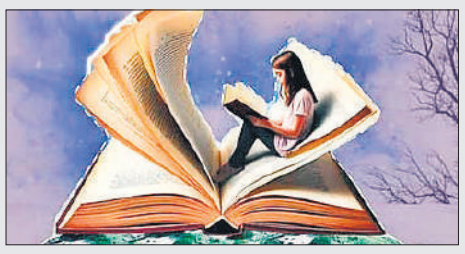

यह बात उसके लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गई। उसे लगने लगा कि अब एक साल पीछे रह जाना तय है। उसका मन घबराहट और निराशा से भर गया। अंततः अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए वह प्रख्यात विद्वान और मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय जी के पास पहुंचा। विद्यार्थी ने कांपती आवाज में अपनी व्यथा रखी, "बाबूजी, मैं बीमारी के कारण परीक्षा में नहीं बैठ पाऊंगा। लगता है मुझे एक साल और उसी कक्षा में रहना पड़ेगा।" मालवीय जी बड़े ध्यान से उसकी बातें सुनते रहे। फिर अत्यंत शांति से बोले, "एक बात बताओ बेटा, पढ़ना अच्छी चीज है या बुरी?"

विद्यार्थी ने तुरंत उत्तर दिया, "अच्छी चीज है।" मालवीय जी मुस्कुराए और बोले, "तो फिर पढ़ने से डर कैसा? विद्यार्थी को दर्जे का, कक्षा का, साल का इन सबका विचार छोड़कर पूरे मन से सीखने पर ध्यान देना चाहिए। ये दर्जे तो मनुष्य ने अपने सुविधा के लिए बना दिए हैं, ज्ञान इन्हें नहीं मानता।" उनकी बात सुनकर भी विद्यार्थी का चेहरा उदास बना रहा। उसकी मायूसी देखकर मालवीय जी ने गहरी आवाज़ में समझाया, "मेरा विश्वास मानो, असली पढ़ाई स्कूल और कॉलेज की चार दीवारों में सीमित नहीं रहती। जिन्हें सचमुच पढ़ना होता है, वे हर परिस्थिति में सीखते हैं। विद्या पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है और यह तपस्या जीवनभर चलती है। दुनिया के अनुभव, परिस्थितियां, कष्ट- यही सबसे बड़े गुरुकुल हैं, जिसे सीखने की आग होती है, उसके लिए साल पीछे रह जाना कोई बाधा नहीं।" वे आगे बोले, "जीवन में हमें बहुत-सी बातें किताबों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों से सीखने को मिलती हैं। बीमारी, कठिनाइयां, संघर्ष-ये सब भी शिक्षक हैं। इसलिए यदि तुम सचमुच विद्वान बनना चाहते हो, तो दर्जे की चिंता छोड़कर ज्ञान का पथ पकड़े रहो।" मालवीय जी के इन शब्दों ने विद्यार्थी के मन का बोझ हल्का कर दिया। उसे समझ आ गया कि पढ़ाई सिर्फ परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि देने वाली साधना है। वह नए उत्साह से भरकर वापस लौटा। सच यही है, जो सीखने वाला हृदय रखता है, उसके लिए हर दिन, हर अनुभव, हर संघर्ष एक नई पाठशाला बन जाता है। यही इस कथा का संदेश है।

**-नृपेन्द्र अभिषेक नृप**

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 85,641.90 | 26,175 .75 |
| गिरावट | 64 .77 | 27 .20 |
| प्रतिशत में | 0 .08 | 0 .10 |

सोना 1,33,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com



## बरेली मंडी

**वनस्पति तेल तिलहन :** तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि . 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2140, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

**किराना :** निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

**चावल ( प्रति कु .) :** डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

**दाल दलहन :** मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

**चीनी :** पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

## हल्द्वानी मंडी

**चावल :** शरबती- 3000, मसूरी- 1000, बासमती- 6900, परमल- 1300

**दाल दलहन :** काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 4500, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 9700-12000, दाल उड़द- 7200, साबुत मसूर दाल- 4100, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 5900, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 2900

# आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर

## अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 0.4% पर आई

- एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4% पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7% बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इएनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को 4 से बढ़ाकर 4.6% किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4% रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8% की गिरावट आई, जबकि गत वर्ष यह 0.9% बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9% की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 4% थी। विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि रही।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4% की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5% की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4% गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8% की वृद्धि हुई थी। ढांचागत क्षेत्र/ निर्माण उत्पादों के खंड में उत्पादन बढ़कर 7.1% हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.7% बढ़ोतरी रही थी। आंकड़ों से पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन अक्टूबर माह में 0.6% घटा है जबकि एक साल पहले यह 2.5% बढ़ा था। मध्यवर्ती उत्पाद खंड में इस महीने 0.9% की बढ़त रही जबकि एक साल पहले इसमें 4.8%की वृद्धि हुई थी।

### विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ माह के निचले स्तर पर

- पीएमआई अक्टूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर आया

**नई दिल्ली।** देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59 .2 से नवंबर में 56 .6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतर्राष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है।

# कोयला व लिग्नाइट की खोज की अनुमोदन प्रक्रिया हुई सरल

- कारोबार सुगमता और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है।

### कोल इंडिया का उत्पादन घटकर 45.35 करोड़ टन

**नई दिल्ली।** सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 3 .7% घटकर 45 .35 करोड़ टन रह गया। सरकार देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है, इसके बावजूद यह गिरावट आई। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80% से अधिक हिस्सा रखने वाली कोल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 47 .1 करोड़ टन का कोयला उत्पादन किया था।

# सोने में आया 3,040 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 3,040 रुपये उछलकर 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चल रहे शादियों के मौसम के बीच आभूषणों की सतत मांग से कीमती धातु को समर्थन मिला।

व्यापारियों ने कहा कि सोना अब अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.9% शुद्धता) और 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.5%) के करीब है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने ने पिछले हफ्ते की तेजी को आगे बढ़ाया, जिसे डॉलर के कमजोर होने, अगले हफ्ते फेडरल रिजर्व के द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों, बड़े बैंकों के अच्छे अनुमानों और सेंट्रल बैंक की मजबूत खरीदारी से समर्थन मिला, ये सभी बाजार को ऊपर ले जाने में मदद कर रहे हैं।

सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी पांचवें दिन ऊपर चढ़ती रही, जो 5,800 रुपये बढ़कर 1,77,000 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 42.29 डॉलर या 1% बढ़कर 4,261.52 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि डॉलर सूचकांक 0.19% घटकर 99.27 रह गया, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। साल की शुरुआत से सोने की कीमत 63.6%बढ़ गई है। लगातार छठे दिन बढ़ते हुए, हाजिर चांदी 2% बढ़कर वैश्विक बाजारों में 57.85 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। पिछले हफ़्ते चांदी 15.7% उछली और 2025 में अब तक दोगुनी गई गई। ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि चांदी की कीमत सिर्फ़ 11 महीनों में दोगुनी हो गई है और सोने से ज्यादा बढ़ी है, भले ही वर्ष 2025 में सोना सबसे लोकप्रिय जिंस था।

- मजबूत वैश्विक रुख और शादियों के मौसम से आभूषणों की मांग से कीमती धातु को मिला समर्थन

# जीएसटी संग्रह 1.7 लाख करोड़, दिखा कटौती का असर

- त्योहारी मौसम बीतने के बाद भी खपत में आई तेजी को दर्शाते नवंबर के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह नवंबर में सालाना आधार पर केवल 0.7% बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले एक साल का निचला स्तर है। अधिकांश उत्पादों एवं सेवाओं पर कर दरों में कटौती के बावजूद खपत में सुधार जारी है। सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

दरों में कटौती और त्योहारी मौसम में जबर्दस्त खरीदारी से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह बढ़ा था। इस लिहाज से नवंबर के आंकड़े त्योहारी मौसम बीतने के बाद भी खपत में आई तेजी को दर्शाते हैं। नवंबर में कुल जीएसटी संग्रह (बिना उपकर के) 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के समान महीने में 1.69 लाख करोड़ से मामूली वृद्धि दर्शाता है। अक्टूबर के 1.96 लाख करोड़ संग्रह से यह काफी कम है। लेकिन अक्टूबर में क्षतिपूर्ति उपकर भी शामिल थे।

उपकर को शामिल किए जाने पर नवंबर का कुल कर संग्रह 1.74 लाख करोड़ रहा लेकिन यह नवंबर, 2024 के 1.82 लाख करोड़ से 4.22% कम है। जीएसटी की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से क्षतिपूर्ति उपकर सिर्फ तंबाकू एवं पान मसाला उत्पादों पर ही लगता है। नवंबर के जीएसटी संग्रह आंकड़े तैयार करते समय उपकर को शामिल नहीं किया गया है। कंपनियों की तरफ से दाखिल जीएसटी रिटर्न में कर-योग्य आपूर्ति का मूल्य सालाना आधार पर बढ़ने से एक आशावादी रुझान झलकता है। इसी वजह से हमें भरोसा है कि यह कर सुधार न सिर्फ अभी के लिए टिकाऊ रहेगा, बल्कि आने वाले समय में भी इसका अर्थव्यवस्था पर कई गुना बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

### चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह बजट अनुमान से रहेगा कम

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने संभावना जताई कि अधिकांश उत्पादों पर कर दरों में कटौती के असर को खपत में वृद्धि निष्प्रभावी कर सकती है। चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह बजट अनुमान से कम रहेगा। लेकिन सरकार को अपेक्षा से ज्यादा गैर-कर राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे इस कमी के एक हिस्से की भरपाई हो जाएगी। डेलॉयट इंडिया में साझेदार एम. एस. मणि ने कहा कि विभिन्न राज्यों में कर संग्रह में व्यापक अंतर दिख रहा है। ऐसे में जरूरी है कि अलग-अलग क्षेत्रों का कारण-विश्लेषण करना जरूरी है, ताकि गिरावट की वजह को समझा जा सके और जीएसटी वसूली बढ़ाने के लिए सही नीतिगत कदम उठाए जा सकें। कर विशेषज्ञ विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी संग्रह कमजोर दिखने का कारण यह है कि खपत उतनी नहीं बढ़ी, कर दरें कम की गईं और रिफंड भी बढ़े हैं। ऐसे में वित्त वर्ष के बाकी महीनों में खपत बढ़ानी जरूरी होगी।

# पीएमएस : बाजार के आधार पर कस्टमाइज्ड रणनीति

पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) ऐसी पेशेवर निवेश सेवा है, जिसमें अनुभवी फंड मैनेजर आपकी ओर से बाजार में निवेश का प्रबंधन करते हैं। यह सेवा आमतौर पर उन निवेशकों के लिए होती है जो बड़ी राशि को सही रणनीति के साथ शेयर बाजार, बॉण्ड, या अन्य वित्तीय साधनों में लगाना चाहते हैं। पीएमएस का मकसद साधारण निवेश के मुकाबले अधिक रिटर्न देने वाला संगठित और विश्लेषण-आधारित पोर्टफोलियो तैयार करना है। इसमें हर निवेशक के जोखिम प्रोफाइल, फाइनेंशियल गोल और बाजार की स्थिति के आधार पर कस्टमाइज्ड रणनीति बनाई जाती है। यह उन लोगों के लिए उपयोगी है जिनके पास निवेश समझ तो है, लेकिन पोर्टफोलियो को नियमित रूप से मैनेज करने का समय नहीं है।

**एक प्रीमियम निवेश सेवा :** पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) एक प्रीमियम निवेश सेवा है, जिसमें आपके निवेश का पूरा प्रबंधन पेशेवरों द्वारा किया जाता है। सेबी के नियमानुसार, पीएमएस शुरू करने के लिए न्यूनतम 50 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह सेवा उन निवेशकों के लिए है जो उच्च रिटर्न की संभावना चाहते हैं और जिनके पोर्टफोलियो को लगातार निगरानी की जरूरत होती है।

**कैसे करता है काम :** पीएमएस में पैसा सीधे आपके नाम से शेयरों, डिबेंचर्स, ईटीएफ व अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। फंड मैनेजर बाजार की स्थिति, आर्थिक संकेतकों व अवसरों का विश्लेषण कर खरीद-बिक्री करते हैं।

### जोखिम और सावधानियां

पीएमएस में बाजार जोखिम अधिक होता है क्योंकि निवेश अधिकांशत : इक्विटी में होता है। लागत ज्यादा होती है- जैसे मैनेजमेंट फीस और परफॉर्मेंस फीस। फंड मैनेजर का ट्रैक रिकॉर्ड देखें, शुल्क संरचना समझें, 5-10 वर्षों का विश्लेषण करें, जोखिम सहनशीलता स्तर का आकलन करें

### किसके लिए उपयुक्त

जिनके पास लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण है। जो बड़ी राशि निवेश करना चाहते हैं। जिन्हें पेशेवर मैनेजमेंट व कस्टमाइज्ड रणनीति चाहिए। जिनके पास पोर्टफोलियो मॉनिटर करने का समय कम है।

### इसके प्रकार

- **डिस्क्रेशनरी पीएमएस :** फंड मैनेजर को पूरी स्वतंत्रता होती है कि वे किस स्टॉक में कब निवेश करें।
- **नॉन-डिस्क्रेशनरी पीएमएस :** इसमें मैनेजर सुझाव देते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय निवेशक का होता है।

### निवेशकों को लाभ

- **कस्टमाइज्ड पोर्टफोलियो :** हर निवेशक के लक्ष्य और जोखिम के अनुसार पोर्टफोलियो बनाया जाता है।
- **प्रोफेशनल मैनेजमेंट :** अनुभवी फंड मैनेजर लगातार रिसर्च व विश्लेषण कर निवेश का निर्णय लेते हैं।
- **पारदर्शिता :** आपके पोर्टफोलियो में कौन सा शेयर है, किस दिन क्या खरीद-बिक्री हुई, सब कुछ आपके नाम पर दिखता है।
- **उच्च रिटर्न की संभावना :** पीएमएस सामान्य म्यूचुअल फंड की तुलना में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखता है, हालांकि जोखिम भी अधिक होता है।

# अनिल अंबानी ने एसबीआई के फैसले को दी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

**नई दिल्ली।** उद्योगपति अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाली श्रेणी में डालने के फैसले को चुनौती दी है। इससे पहले बंबई हाईकोर्ट ने एसबीआई के फैसले को बरकरार रखा था। यह मामला अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट ने तीन अक्टूबर को अंबानी की याचिका रद्द की थी और कहा था कि याचिका में दम नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी वाला घोषित किया था। बैंक का आरोप है कि दिए कर्ज की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन का दुरुपयोग हुआ। अंबानी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तर्क दिया था कि बैंक ने न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया और उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया। जिनके आधार पर धोखाधड़ी वाला खाता घोषित करने का आदेश दिया, वे दस्तावेज उन्हें नहीं दिए गए।

# निर्देश : नए हैंडसेट में हो संचार साथी एप

नई दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि 90 दिन के भीतर सभी नए उपकरणों में धोखाधड़ी की सूचना देने वाला ऐप 'संचार साथी' पहले से लगा हो। पिछले महीने 28 नवंबर के निर्देश के अनुसार, आदेश जारी होने की तारीख से 90 दिन के बाद भारत में विनिर्मित या आयातित होने वाले सभी मोबाइल फोन में यह ऐप होना अनिवार्य होगा।

आदेश में कहा गया कि केंद्र सरकार भारत में उपयोग में लाए जाने वाले मोबाइल हैंडसेट के प्रत्येक विनिर्माता और आयातक को निर्देश देती है...। इन निर्देशों के जारी होने के 90 दिन के भीतर, यह सुनिश्चित करें कि दूरसंचार विभाग द्वारा निर्दिष्ट संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन, भारत में उपयोग के लिए विनिर्मित या आयातित सभी मोबाइल हैंडसेट में पहले से लगा हो। ऐसे सभी उपकरणों के लिए जो पहले ही विनिर्मित हो चुके हैं और भारत में बिक्री चरण में हैं, मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों

- दूरसंचार विभाग ने कंपनियों को दिया 90 दिन का समय
- 120 दिन में अनुपालन रिपोर्ट देने को कहा

को सॉफ्टवेयर अद्यतन के माध्यम से एप को इंस्टॉल कराने के लिए कदम उठाने होंगे।

निर्देश में कहा गया, भारत में उपयोग में लाए जाने वाले मोबाइल हैंडसेट के सभी विनिर्माता और आयातक इन निर्देशों के जारी होने के 120 दिन के भीतर दूरसंचार विभाग को अनुपालन रिपोर्ट देंगे। यह एप उपयोगकर्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या (आईएमईआई) से संबंधित संदिग्ध दुरुपयोग की रिपोर्ट करने और मोबाइल उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले आईएमईआई की प्रामाणिकता सत्यापित करने में सक्षम बनाता है।

### सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए 'सिम बाइंडिंग'

**नई दिल्ली।** सरकार ने सोमवार को कहा कि मैसेजिंग एप के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य, निरंतर सिम-'डिवाइस बाइंडिंग' पर उसका ताजा निर्देश सुरक्षा खामी को दूर करने के लिए जरूरी है। इस गड़बड़ी का फायदा अक्सर सीमापार साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने को उठा रहे हैं। 2024 में साइबर धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान 22,800 करोड़ से ज्यादा होने का अनुमान लगाते हुए सरकार ने यह बात कही। 'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक मैसेजिंग एप यह सत्यापित करता है कि आपके डिवाइस में पंजीकृत सिम कार्ड सक्रिय है। अगर सिम हटाया जाता है, बदला जाता है या निष्क्रिय किया जाता है, तो एप काम करना बंद कर देगा। संचार मंत्रालय ने कहा कि यह निर्देश उन मामलों पर लागू नहीं होगा जहां सिम हैंडसेट में मौजूद है और उपयोगकर्ता रोमिंग पर है। दूरसंचार विभाग के सिम-बाइंडिंग निर्देश एक ठोस सुरक्षा खामी को दूर करने के लिए जरूरी है।

# शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला

- वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से दोनों सूचकांक में आई गिरावट
- सत्र के दौरान सेंसेक्स 452.35 और निफ्टी 122.85 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उच्चस्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स में 65 अंक की गिरावट आई जबकि एनएसई निफ्टी 27 अंक के नुकसान में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, 452.35 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 27.20 अंक की गिरावट के साथ 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस सप्ताह आरबीआई के प्रमुख ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में उच्चस्तर पर गिरावट देखी गई। जीएसटी संग्रह में धीमी वृद्धि और उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। बाजार शुरुआती कारोबार में अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था।

### मिडकैप नीचे, स्मॉलकैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0 .19% नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक मामूली 0 .05% की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795 .72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148 .48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

**एसओपी** केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण बोलीं- वित्त मंत्रालय एलआईसी को उसके निवेश संबंधी निर्णयों को लेकर सलाह या निर्देश नहीं देता

# अडाणी समूह में एलआईसी का निवेश स्थापित प्रक्रियाओं के अनुरूप

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि उनका मंत्रालय भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को उसके निवेश संबंधी निर्णयों को लेकर सलाह या निर्देश जारी नहीं करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार के स्वामित्व वाली बीमा कंपनी ने अडाणी समूह में जो निवेश किया, वह स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार था।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत प्रयास के आधार पर कंपनियों में निवेश संबंधी निर्णय लिए हैं तथा उसने एसओपी के आधार पर अडाणी समूह की

आधा दर्जन सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर खरीदे हैं, जिनकी कीमत 38,658.85 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय एलआईसी फंड के निवेश से संबंधित मामलों के संबंध में एलआईसी को कोई सलाह/निर्देश जारी नहीं करता है।

सीतारमण ने कहा कि ऐसे फैसले बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के साथ-साथ भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों द्वारा शासित होते हैं।

इसी साल अक्टूबर में अमेरिकी समाचार पत्र 'वाशिंगटन पोस्ट' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस साल की शुरुआत में एलआईसी को अदाणी समूह में निवेश करने के लिए प्रेरित करने की योजना बनाई थी। सीतारमण ने कहा, "एलआईसी ने अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए उचित प्रयास करने के बाद मई 2025 में अदानी पोर्ट्स स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) द्वारा जारी सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है।'' उन्होंने कहा कि एलआईसी ने एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध शीर्ष 500 कंपनियों में निवेश किया है और वर्तमान में इसके निवेश का एक बड़ा हिस्सा इनमें से बड़ी कंपनियों में है।

### ईपीएफओ ने अधिक पेंशन संबंधी करीब 99 प्रतिशत आवेदनों का निस्तारण किया

**नई दिल्ली।** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) 1995 के तहत अधिक पेंशन पाने के लिए अधिक अंशदान का अनुरोध करने वाले 99% आवेदनों का निपटारा कर दिया है। सरकार ने सोमवार को संसद को सूचित किया। श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि ईपीएफओ ने 4 नवंबर, 2022 को उच्चतम न्यायालय के फैसले में जारी निर्देशों को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए कार्रवाई की है। ऑनलाइन सुविधा प्रदान की गई थी और संयुक्त विकल्प को विधिमान्य करने के लिए पेंशनभोगियों/सदस्यों द्वारा आखिरी तारीख यानी 11 जुलाई, 2023 तक कुल 17 .49 लाख आवेदन सफलतापूर्वक जमा किए गए थे, जिनमें से \15 .24 लाख आवेदन नियोक्ताओं ने आखिरी तारीख यानी 31 जनवरी, 2025 तक ईपीएफओ को भेजे थे। मंत्री ने यह भी बताया कि 24 नवंबर, 2025 तक ईपीएफओ में मिले लगभग 99 प्रतिशत आवेदन निपटा दिए गए हैं।

## यहां बर्फ ही बर्फ...

सर्दियां शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की वादियों में बर्फ भी पड़ने लगी है। पेड़ों और घरों पर यह बर्फ मनोहारी दृश्य भी उपस्थित कर रही है। शोपियां में एक ठंडे दिन में पड़े पाले ने सूखे पत्तों को इस तरह ढक लिया जैसे किसी ने चित्रकारी की हो।

## जीपीएस स्पूफिंग : विमानों की सुरक्षा से खिलवाड़

जीपीएस स्पूफिंग की ताजा घटना इसी महीने के शुरू में भारत में हुई थी। इसकी वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आठ सौ से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस घटना से भारतीय उड्डयन उद्योग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। दरअसल, जीपीएस स्पूफिंग के कारण कई बार आधुनिक नेविगेशन सिस्टम भी निष्क्रिय साबित हो जाते हैं। आसमान में पायलट को रनवे ढूंढने में भी दिक्कत होती है। जाहिर है कि ऐसे में हजारों यात्रियों की जिंदगी दांव पर लग जाती है। कई बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ता या लंबा इंतजार करना पड़ता है। जीपीएस स्पूफिंग स्मार्टफोन एप्स और लोकेशन डाटा में भी गड़बड़ी कर सकता है। इसके अलावा जीपीएस डाटा पर निर्भर नेटवर्क सिस्टम और महत्वपूर्ण ढांचों पर भी इसके जरिए साइबर हमले किए जा सकते हैं।

### जीपीएस स्पूफिंग कितना बड़ा खतरा

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है जिसमें नकली जीपीएस सिग्नल का उपयोग करके नेविगेशन सिस्टम को गुमराह किया जाता है। इससे विमान को गलत स्थान, दिशा या समय की जानकारी मिलती है, ऐसे में विमानों के लिए यह एक बेहद गंभीर सुरक्षा खतरा बन जाता है। जीपीएस स्पूफिंग के कारण विमान को लगता है कि वह किसी दूसरी जगह है। हालांकि वह हकीकत में असल जगह से कई किमी दूर होता है। जीपीएस स्पूफिंग विमानों के नेविगेशन को गड़बड़ कर सकता है, इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप ऐसी स्थिति में मददगार होते हैं।

### क्या है जीपीएस स्पूफिंग

यह एक साइबर हमला है जिसमें जीपीएस रिसीवर को गलत उपग्रह संकेत भेजकर धोखा दिया जाता है। यह जीपीएस सिग्नल को जाम करने से अलग है, इसमें सिग्नल रोकने के बजाय गलत जानकारी दी जाती है। जीपीएस स्पूफिंग के परिणामस्वरूप विमान, जहाज और वाहन गलत स्थान पर होने की रिपोर्ट दे सकते हैं।

### कैसे की जाती है स्पूफिंग

अमेरिका का जीपीएस सिस्टम (नेवस्टार) 31 सैटेलाइट के समूह से बना है, ये सैटेलाइट पीआरएन कोड नागरिकों और अमेरिकी सेना दोनों को प्रसारित करते हैं। सेना के लिए भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड होते हैं, लेकिन नागरिकों को भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड नहीं होते। इसी वजह से वे साइबर हमले के शिकार हो जाते हैं। सबसे पहले हैकर यह पता लगता है कि किस जीपीएस सैटेलाइट का सिग्नल स्पूफिंग के समय आसपास होगा। इसके लिए सैटेलाइट की ऑर्बिट को देखा जाता है।

### विमानों की सुरक्षा में भूमिका

- स्पूफिंग विमानन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि यह नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित कर सकता है, जिससे विमान गलत रास्ते पर जा सकता है।
- विमानों में इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप सिस्टम स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। जीपीएस विफल होने पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- स्पूफिंग केवल वाणिज्यिक विमानों को ही नहीं बल्कि निगरानी विमानों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।
- जीपीएस जैमिंग के विपरीत स्पूफिंग का पता लगाना कठिन होता है क्योंकि इसमें रिसीवर को यकीन दिलाया जाता है कि सब कुछ ठीक है।

### वार जोन में भी इस्तेमाल

स्पूफिंग और जैमिंग वार जोन में भी होती है, मिडिल ईस्ट में यह कई बार हो चुका है। युद्धरत देश स्पूफिंग में महंगी और शक्तिशाली मशीनों का इस्तेमाल करते हैं।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### अतीत की गलतियों पर आत्ममंथन करे जापान

**बीजिंग।** चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं।

### तेल टैंकरों पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

**मास्को।** रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सिएस्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

### सैन्य बल मुख्यालय पर हमले की कोशिश

**कराची।** पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

### खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा

**ढाका।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बीएनपी की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

# जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत

## जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन में बोले जयशंकर

- बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी ढांचे की कमी : विदेश मंत्री

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का समर्थन करता है। विदेशमंत्री ने कहा कि हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके। जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने एक राष्ट्रीय कार्यान्वयन मसौदा प्रस्तावित किया है जिसमें उच्च जोखिम वाले किरदारों की पहचान, दोहरे उपयोग वाले अनुसंधान की निगरानी, घटना प्रबंधन और निरंतर प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूसी 50 वर्षों से एक साधारण विचार पर कायम है कि मानवता इसे अस्वीकार करे। लेकिन मानदंड तभी जीवित रहते हैं जब राष्ट्र उनका नवीनीकरण करते हैं। अगले 50 वर्षों में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होगी। विदेशमंत्री ने कहा कि हमें संधि को वर्तमान के अनुरूप बनाना होगा, हमें विज्ञान के साथ तालमेल रखना होगा और वैश्विक क्षमता को मजबूत करना होगा ताकि सभी देश जैविक जोखिमों का पता लगा सकें, उन्हें रोक सकें और उनका जवाब दे सकें।

नई दिल्ली में जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

### भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार

जयशंकर ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक विश्वसनीय भागीदार और वैश्विक जैव सुरक्षा के प्रतिबद्ध समर्थक की भूमिका के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा वातावरण अधिक अनिश्चित हो गया है और प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास के कारण परिष्कृत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की उपलब्धता और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है तथा निर्माण की लागत में कमी आई है। जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हाल के प्रकोपों ने सभी को प्रभावित किया है।

श्रीलंका में ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चक्रवात प्रभावित क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए भारतीय वायुसेना के जवान।

## सकारात्मक रही अमेरिका-यूक्रेन के बीच बातचीत

**हॉलैंडेल बीच।** रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत हुई।

## श्रीलंका में फंसे भारतीयों को निकाला, राहत कार्य में तेजी

**कोलंबो, एजेंसी**

- तिरुवनंतपुरम पहुंचा 104 भारतीयों का अंतिम समूह

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दितवा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। अधिकारियों के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। कहा कि खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।

## ईसा मसीह पर बनी पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

**वर्सलीज।** बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ने बताया कि पेंटिंग को रुबेनियानम से प्रमाणित कराया।

## जमीन घोटाला मामले में हसीना को 5 साल की सजा

**ढाका, एजेंसी**

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम की बहन और भांजी को भी सुनाई सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

## पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

**पेशावर।** उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को एक पुलिस वाहन के पास हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लक्की मारवात जिले में हुई। ताजोरी पुलिस थाने की एक पुलिस वैन के समीप एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। विस्फोट में हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन की मौत हो गई जबकि घायल हुए अन्य पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया। हमलावर का साथी भागने में सफल रहा।

## भारतीयों से अमेरिका को हुआ फायदा

**न्यूयॉर्क, एजेंसी**

- मस्क बोले-एच1बी वीजा बंद करने से यूएस को होगा नुकसान

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए बहुत बुरा होगा।

अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है। एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए।

### अवैध आव्रजन से नकारात्मक प्रभाव

मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। कहा कि आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 03 .57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

### आज का पंचांग

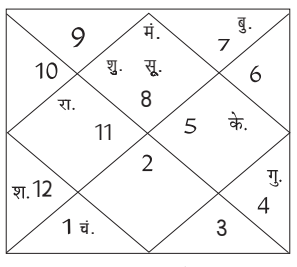


**दिशाशूल**- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
**चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
**ताराबल**- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**-अश्विनी 08 .51 तक तत्पश्चात भरणी।

**मेष** — आज आप कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुए कार्य पुनः से प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

**वृष** — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

**मिथुन** — आज कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

**कर्क** — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है। आपकी भावनाओं का अनादर हो सकता है।

**सिंह** — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी प्रशंसा होगी।

**कन्या** — आज पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नाराज हो सकते हैं।

**तुला** — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

**वृश्चिक** — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

**धनु** — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गंभीरता से लेंगे। विद्वान लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

**मकर** — आज नई परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं।

**कुंभ** — आज कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर मिलेंगे।

**मीन** — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को कारोबार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं।

### सुडोकू -178

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | | | 2 | | |
| | | | | | | | | |
| | | 1 | | | | | | |
| 8 | | | | | | | | 3 |
| 7 | | | | | | | | |
| | | | | 9 | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | 2 | | | | | 6 | |
| | 4 | | | | | | | |

### सुडोकू - 177 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 8 | 6 | 5 | 3 | 4 | 9 | 7 |
| 5 | 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 2 | 3 | 6 |
| 6 | 9 | 3 | 7 | 2 | 4 | 8 | 1 | 5 |
| 4 | 1 | 5 | 8 | 9 | 6 | 3 | 7 | 2 |
| 9 | 8 | 2 | 3 | 7 | 1 | 5 | 6 | 4 |
| 7 | 3 | 6 | 5 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 8 | 6 | 9 | 4 | 3 | 5 | 7 | 2 | 1 |
| 2 | 5 | 7 | 9 | 1 | 8 | 6 | 4 | 3 |
| 3 | 4 | 1 | 2 | 6 | 7 | 9 | 5 | 8 |

कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज की बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

-आर अश्विन


# स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025


## हाईलाइट

### पीएनबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं हरमनप्रीत

**नई दिल्ली :** पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना पहला महिला ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में 'बैंकिंग ऑन चैंपियंस' थीम के तहत समारोह में हुई। इस अवसर पर हरमनप्रीत कौर को उनके नाम और नंबर वाली एक फ्रेमयुक्त पीएनबी जर्सी, साथ ही एक कस्टम-उत्कीर्णित पीएनबी बैट भेंट किया गया।

### राष्ट्रीय निशानेबाजी में 16 हजार प्रतिस्पर्धी

**नई दिल्ली :** 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) की राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं की अलग-अलग कैटेगरी में क्वालीफाई करने वाले 16 हजार से अधिक निशानेबाज सोमवार से डॉ. कर्णी सिंह रेंज में शुरु हुई प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। दोहा में चार से नौ दिसंबर तक चलने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल को ध्यान में रखते हुए इस चैंपिनशिप को महत्वूपर्ण माना जा रहा है। आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए 15 भारतीयों ने क्वालिफाई किया है।

### इंडियन पिकेलबॉल लीग में लखनऊ जीता

**नई दिल्ली :** लखनऊ लैपर्ड्स, हैदराबाद रॉयल्स और चेन्नई सुपर वारियर्स ने सोमवार को यहां पहली इंडियन पिकेलबॉल लीग (आईपीबीएल) के शुरुआती दिन जीत दर्ज की। लखनऊ की टीम ने बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 4-1 से हराया जबकि हैदराबाद रॉयल्स ने कैपिटल्स वारियर्स गुड़गांव को 4-2 से शिकस्त दी। चेन्नई सुपर वारियर्स ने भी मुंबई स्मैशर्स को 5-1 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। आईपीबीएल को द टाइम्स समूह ने लॉन्च किया है और इसे भारतीय पिकेलबॉल संघ से मान्यता प्राप्त है।

### फुटबॉल में रुकावट खत्म होने की उम्मीद

**नई दिल्ली :** खेल मंत्रालय ने फुटबॉल की मौजूदा रुकावट को खत्म करने के लिए इंडियन सुपर लीग और आई-लीग क्लबों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ तीन दिसंबर को बैठक बुलाई हैं। माना जा रहा है कि खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसको लेकर खेल मंत्रालय ने सोमवार को एक पत्र जारी किया है।

### भारत ने नामीबिया को 13-0 से हराया

**सैंटियागो (चिली) :** हिना बानो और कनिका सिवाच की हैट्रिक की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां नामीबिया को 13-0 से हराकर जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हिना (35 वां, 35 वां, 45 वां मिनट) और कनिका (12 वां, 30 वां, 45 वां मिनट) के गोलों के अलावा साक्षी राणा (10 वां, 23 वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि बिनीमा धान (14 वां मिनट), सोनम (14 वां मिनट), साक्षी शुक्ला (27 वां मिनट), इशिका (36 वां मिनट) और मनीषा (60 वां मिनट) ने भी गोल किए। इस जीत के साथ भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

# सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा गिल की फिटनेस का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गिल की गर्दन में चोट लगी थी और इसके बाद वह दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में किसी हैरान करने वाले नाम को जगह मिलने की उम्मीद नहीं है, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हो। अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। सूत्र ने कहा ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भी नहीं पता कि बल्लेबाजी करते हुए वह बिल्कुल भी असहज नहीं है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

### टी-20 प्रारूप में खेलेंगे हार्दिक पंड्या

भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है क्योंकि हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे जिसके कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

# विराट कोहली की तारीफों के बांधे पुल

## बल्लेबाजी कोच ने कहा- विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता, उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार

रांची, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की सीरीज से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं। कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है।

कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता। कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज़ के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कोटक ने कहा यह एक शानदार पारी थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं। पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।

कोटक ने टेस्ट सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है। कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

उन्होंने कहा शुरुआती विकेट लेने का बहुत सारा श्रेय हर्षित को जाता है। कूकाबुरा गेंद से आपको केवल शुरुआती दो से पांच ओवर तक ही स्विंग मिलती है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए विराट कोहली रांची एयरपोर्ट से रायपुर के लिए रवाना हुए। एजेंसी

### इस उम्र में भी खेलने की भूख के लिए स्टेन ने खुशी जताई

**रांची :** अपने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने के बाद अधिकांश खिलाड़ी घर पर अपने परिवार और कुत्ते के साथ रहना पसंद करते हैं, लेकिन 37 वर्ष के विराट कोहली अभी भी मैदान पर चुस्ती के साथ दौड़ते और डाइव लगाते देखे जा सकते हैं और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन खेलने को लेकर उनके इसी जुनून के कायल हैं। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने दिखाया कि वनडे क्रिकेट में अब भी उनका कोई सानी नहीं है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में यहां अपने करियर का 52वां शतक लगाया। स्टेन ने जियोस्टार से कहा जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर, अपने कुत्ते, अपने बच्चों को छोड़ना पसंद नहीं है। लेकिन कोहली मानसिक रूप से ऐसी स्थिति में हैं जहां वह पहले की तरह भारत के लिए खेलने के लिए उत्सुक हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक वनडे खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभव रखते हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है। अगर वह तीन दिन की बारिश के बाद भी यहां पहुचते तो भी उनकी तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ता। वह मानसिक रूप से मजबूत हैं, अच्छी तरह से सोच सकते हैं और गेंद को बल्ले पर आते हुए देख सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यही करते हैं। स्टेन ने कहा वह स्वयं पर भरोसा रखते हैं क्योंकि वह पिछले लंबे समय से खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अब भी पहले की तरह खेलने को लेकर उत्साहित रहते हैं।

रायपुर के लिए रवाना होते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी। एजेंसी

### कोहली को जमने के बाद रोकना लगभग असंभव : यान्सेन

**रांची :** दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यान्सेन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यान्सेन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं। कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेज़बान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यानसन ने भारत के 2017-18 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान 17 वर्षीय नेट गेंदबाज के रूप में पहली बार कोहली को गेंदबाजी की थी।

### आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित और द्रविड़ को : अश्विन

**नई दिल्ली :** भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है।

अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतर्राष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस परिवर्तनकारी बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

### रेलवे ने प्रतीका राणा और रेणुका को पदोन्नत किया

**नई दिल्ली :** भारतीय रेलवे ने महिला विश्व कप टीम में शामिल क्रिकेटर प्रतीका रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को उनके असाधारण प्रदर्शन का इनाम देते हुए आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन दिया है। अब वह विशेष कार्य अधिकारी (खेल) के ग्रुप 'बी' होंगी।

ये तीनों खिलाड़ी सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स के लेवल-8 के अंतर्गत ग्रुप 'बी' राजपत्रित अधिकारी के वेतन और लाभों की हकदार होंगी। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की यह पहल न केवल तीनों महिला क्रिकेटरों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी सौंपेगी। इससे पहले नवंबर में, तीनों एथलीटों को केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रेल भवन में सम्मानित किया गया था।

# स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियों को दूर करना चाहेगी भारतीय टीम

**जूनियर हॉकी विश्व कप**

मदुरै, एजेंसी

भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सोमवार को चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में जापान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

जापान (लाल) और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप के दौरान मुकाबला करते हुए। एजेंसी

## हांगकांग मास्टर्स एशिया कप हॉकी में भारत जीता

**नई दिल्ली :** भारत ने हांगकांग में आयोजित हांगकांग मास्टर्स एशिया कप 2025 में 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष और महिला मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हांगकांग फुटबॉल क्लब पर 26 से 30 नवंबर तक हुई विश्व मास्टर्स हॉकी एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप चरण में हांगकांग को 4-0 और 5-4 से तथा सिंगापुर को 4-0 और 3-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग में भारत ने ग्रुप चरण में सिंगापुर को 7-2 से हराया जबकि हांगकांग से 1-1 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन फाइनल में हांगकांग को 2-0 से हराकर खिताब जीता। हॉकी इंडिया ने दोनों टीमों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा चैम्पियंस ऐसे दिखते हैं।

**अप्रत्याशित घटना** | निजी कारणों का हवाला दिया, सूत्रों ने कहा-टीम का खराब प्रदर्शन बनी वजह

# महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है।

हॉकी इंडिया ने देर शाम जारी बयान में खबर की पुष्टि करते हुए कहा भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दे दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे। सूत्रों ने बताया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है।

अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है।

सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने इस्तीफे का कारण टीम का खराब प्रदर्शन बताया है। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा पिछले डेढ साल में टीम ने अपेक्षित नतीजे नहीं दिये हैं जबकि सारी मनचाही सुविधायें कोच को दी गई।

फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है और टीम में दर्जन भर खिलाड़ी चोटिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बयान में कहा हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के लिये उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है। हम जल्दी ही उनके विकल्प की घोषणा करेंगे।

हरेंद्र सिंह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे थे। वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे। वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था।

**2024** अप्रैल में संभाला था पद

**2028** लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक रहना था टीम के साथ

- **नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की हो सकती है वापसी**

भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को शीर्ष स्तर तक ले जाने के उनके प्रयासों में सहयोग करता रहूंगा।

-हरेंद्र सिंह